डालटनगंज (मेदिनीनगर) एवं रांची से एक साथ प्रकाशित

ईश्वर में हमारा विश्वास

# राष्ट्रीय नवीन मेल

हर पक्ष की खबर | हर पक्ष पर नजर

सत्यमेव जयते

पेज 10

आश्विन शुक्ल पक्ष 12, संवत 2081 | डालटनगंज (मेदिनीनगर), सोमवार, 14 अक्टूबर 2024, वर्ष-31, अंक-01, पृष्ठ-12 | ₹3.00 | रजिस्ट्रेशन नं: आरएनआई. 61316/94 | www.rastriyanaveenmail.com

हेयर स्टाइल को लेकर सुर्खियों में धोनी

**सेंसेक्स**
81,381.36 -230.05

**डॉलर**
84.104 +0.147

**पलामू सर्राफा**
10 ग्राम 76,310
01 किलो 91,720

## विशेष संपादकीय

### 'राष्ट्रीय नवीन मेल' की विकास गाथा

14 अक्टूबर 1994 का दिन डाल्टनगंज के इतिहास में एक महत्वपूर्ण दिन था, जब 'राष्ट्रीय नवीन मेल' हिंदी दैनिक अखबार का लोकार्पण समारोह आयोजित किया गया। इस अखबार ने अपने पहले कदम के साथ ही स्थानीय जनता के दिलों में एक विशेष स्थान बना लिया था। पलाश, महुआ, और नीलांबर-पीतांबर के इस क्षेत्र में यह अखबार एक नवीन सोच और सशक्त उद्देश्य के साथ प्रारंभ हुआ था। इसके पीछे की भावना थी जनता की आवाज को सामने लाना, उनके मुद्दों को प्रकट करना, और उनके सपनों को साकार करने में सहयोग देना।

अखबार का मुख्य उद्देश्य पत्रकारिता को जनता की सेवा के रूप में स्थापित करना था। यहां के महापुरुष जैसे नीलांबर-पीतांबर, बुधन सिंह मांझी, वासुदेव सिंह और अन्य स्वतंत्रता सेनानियों के संघर्ष और सपनों को साकार करने की दिशा में यह अखबार निरंतर प्रयासरत रहा। इन महानायकों की विरासत को बनाए रखना और उनके विचारों को आगे बढ़ाना राष्ट्रीय नवीन मेल का एक महत्वपूर्ण कर्तव्य रहा है।

यह अखबार अपने आरंभ से ही सत्य, निष्पक्षता, और विकासात्मक पत्रकारिता का प्रतीक रहा है। विजयादशमी के दिन इसका लोकार्पण होना एक विशेष सांस्कृतिक महत्व रखता है, जो इसे समाज और संस्कृति से जोड़ता है। इसके माध्यम से अखबार ने पलामू जिले की सामाजिक, आर्थिक, और सांस्कृतिक धारा को न केवल समझा, बल्कि उसका प्रतिनिधित्व भी किया।

पलामू जिला, जो लगभग 132 वर्ष पूर्व स्थापित है। यहां के लोगो की लंबी शिक्षा और विकास की कहानी को राष्ट्रीय नवीन मेल ने अपने पृष्ठों पर प्रमुखता से स्थान दिया है। इस क्षेत्र के सामाजिक ताने-बाने को उधेड़ते हुए, अखबार ने यहां की समस्याओं को उजागर किया और उनके समाधान के लिए आवश्यक बहस और चर्चा को प्रोत्साहित किया। अखबार का यह प्रयास रहा है कि पत्रकारिता केवल खबरों का माध्यम न बने, बल्कि समाज के प्रति अपनी ज़िम्मेदारी को भी निभाए। राजा मेदिनी राय की ऐतिहासिक धरती पर बिखरे सांस्कृतिक धरोहरों को संरक्षित करने की दिशा में भी राष्ट्रीय नवीन मेल ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। यहां की कला, संस्कृति, और त्योहारों को पुनः प्रतिष्ठित करना और नई पीढ़ी को उनके महत्व से अवगत कराना, इस अखबार का एक प्रमुख उद्देश्य रहा है। अखबार ने पत्रकारिता की पारंपरिक धारणा से हटकर इस क्षेत्र की सांस्कृतिक चेतना को जगाने का प्रयास किया है, जो कि किसी क्रांतिकारी विचारक या खोजकर्ता की भूमिका जैसा रहा है।

राष्ट्रीय नवीन मेल का उद्देश्य केवल खबरें देना नहीं है, बल्कि यह उस मिट्टी से जुड़ा हुआ है, जिसने इसे अपनी पहचान दी। यह अखबार यहां की समस्याओं के निदान और विकास के लिए प्रतिबद्ध रहा है। चाहे वह सड़कें हों, बिजली की समस्या हो, स्वास्थ्य सेवाओं की कमी हो, या शिक्षा के स्तर को उठाने की बात हो, अखबार ने हर मोर्चे पर अपनी आवाज बुलंद की है। यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि राष्ट्रीय नवीन मेल समाज का एक सजग प्रहरी बन चुका है, जो हर मुद्दे पर गहन दृष्टि रखता है और निष्पक्ष रूप से हर पक्ष की बात को सामने रखता है।

30 वर्षों से यह अखबार पलामू क्षेत्र की समस्याओं और विकास के मुद्दों पर निरंतर काम कर रहा है। इस अवधि में, राष्ट्रीय नवीन मेल ने पत्रकारिता के माध्यम से स्थानीय जनता के साथ एक मजबूत संबंध स्थापित किया है। यह संबंध केवल खबरों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि यह समाज के विभिन्न वर्गों के साथ एक सजीव संवाद का माध्यम भी बना है।

आज, राष्ट्रीय नवीन मेल अपने उद्देश्यों में हर तरह से सफल रहा है। यह अखबार जनता के दिलों में अपनी साख स्थापित कर चुका है और इसे समाज के हर वर्ग का समर्थन प्राप्त है। अखबार ने जिस तरह से समाज की सेवा की है, वह निस्संदेह अनुकरणीय है। 30 वर्षों के इस अद्भुत सफर में अखबार ने न केवल अपने पाठकों का विश्वास जीता है, बल्कि पत्रकारिता की उच्चतम मान्यताओं को भी बनाए रखा है। इस अखबार की विकास यात्रा ने यह सिद्ध किया है कि सत्य, ईमानदारी, और समाज सेवा की भावना के साथ पत्रकारिता एक सशक्त माध्यम बन सकती है, जो समाज को सही दिशा दिखाने का काम करती है। राष्ट्रीय नवीन मेल का यह प्रयास जारी रहेगा, जब तक कि पलामू की धरती पर हर समस्या का समाधान और हर सपने का साकार होना सुनिश्चित नहीं हो जाता।

**- राणा अरुण सिंह**

# गढ़वा में विसर्जन रोकने पर बवाल, पथराव में डीएसपी घायल

**पुलिस ने छोड़े आंसू गैस के गोले और किया लाठीचार्ज, कई लोग घायल**

**भाजपा जिला अध्यक्ष ने फायरिंग में एक के घायल होने का लगाया आरोप**

नवीन मेल संवाददाता

**भंडरिया।** दुर्गा मूर्ति विसर्जन को लेकर गढ़वा में फिर बवाल हो गया। विसर्जन को लेकर विवाद की दूसरी घटना भंडरिया थाना क्षेत्र के मदगड़ी गांव में रविवार को दोपहर बाद हुई। विसर्जन जुलूस को लेकर यहां विवाद इतना बढ़ गया कि पुलिस को आंसू गैस के गोले छोड़ने पड़े और लाठी चार्ज करना पड़ा। अपुष्ट खबरों के अनुसार पुलिस ने फायरिंग भी की है। ग्रामीणों ने भी पुलिस पर जमकर पथराव किया। इस घटना में गढ़वा के डीएसपी राहुल बड़ाईक सहित कई पुलिसकर्मी घायल हो गए। डीएसपी को सिर में चोट लगी है। बावल की खबर के बाद गढ़वा से एसपी दीपक पांडे भी मदगड़ी गांव में पहुंचे। वहां देर शाम तक तनाव बने रहने की खबर है। ग्रामीण दुर्गा मूर्ति विसर्जन को तैयार नहीं हैं। बताया जाता है कि ग्रामीण बृजेश्वर साहू के घर के रास्ते से मूर्ति विसर्जन जुलूस निकालना चाह रहे हैं लेकिन इस रास्ते में दूसरे समुदाय के तीन-चार लोगों के घर हैं। ये लोग इस रास्ते से जुलूस निकालने से रोक रहे हैं।

**रास्ता नहीं मिलने तक मूर्ति विसर्जन से इनकार :** रास्ता रोके जाने के बाद ग्रामीणों ने हंगामा शुरू कर दिया और मूर्ति विसर्जन से इनकार कर दिया। घटना की जानकारी मिलने के बाद गढ़वा से डीएसपी राहुल पुलिस बल के साथ गांव में पहुंचे। उन्होंने ग्रामीणों को समझने की कोशिश की लेकिन ग्रामीण मानने को तैयार नहीं हुए। उनका कहना था कि हमलोग बृजेश्वर साहू के घर के रास्ते से ही जुलूस लेकर जाएंगे। दो-तीन लोगों के विरोध के कारण वह जुलूस का विसर्जन नहीं करेंगे क्या। बात इतनी बढ़ गई कि ग्रामीण उग्र हो गए। ग्रामीणों ने पुलिस पर पथराव शुरू कर दिया। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पुलिस की ओर से पहले आंसू गैस के गोले छोड़े गए। फिर लाठीचार्ज किया गया। लाठीचार्ज के बाद भगदड़ मच गई। इसी गांव के रहने वाले भाजपा जिला अध्यक्ष ठाकुर महतो का कहना है कि पुलिस ने लोगों को दौड़ा-दौड़ा कर पीटा है, जिससे कई लोग घायल हो गए हैं। फायरिंग भी की गई है, जिससे एक युवा घायल हुआ है। मदगड़ी गांव में भारी तनाव है। लोग मूर्ति विसर्जन को तैयार नहीं हैं। एसपी दीपक पांडे ग्रामीणों को समझने का प्रयास कर रहे हैं।

### सरायकेला में बॉयलर फटने से पिता की मौत, पुत्र की हालत गंभीर

**सरायकेला।** औद्योगिक क्षेत्र के फेज सात स्थित ताला इंटरप्राइजेज नामक कंपनी में बॉयलर ब्लास्ट होने से एक व्यक्ति की मौत हो गई जबकि वहां काम कर रहा एक अन्य व्यक्ति गंभीर रूप से झुलस गया, जिसे टीएमएच ले जाया गया है। घटना शनिवार की शाम की की बताई गई है। मृतक की पहचान भाटिया बस्ती निवासी मदन प्रसाद के रूप में की गई है। घायल मजदूर का नाम शुभम प्रसाद बताया गया है, जो उनका पुत्र है। थाना प्रभारी राजीव कुमार सिंह ने बताया कि यह कंपनी दो माह पूर्व ही शुरू हुई है। यहां सीमेंट के प्लास्टिक के बोरे को गलाकर रॉ मैटीरियल बनाया जाता है। यह कंपनी अरुण सिंह किराए पर लेकर चलाता है।

# आज फिर मुख्यमंत्री हेमंत देंगे कई तोहफा

**11 बजे मुंबई में नए झारखंड भवन का ऑनलाइन करेंगे शिलान्यास**

**498 सामुदायिक स्वास्थ्य पदाधिकारियों को नियुक्ति पत्र भी सौंपेंगे**

नवीन मेल संवाददाता

**रांची।** चुनावी मौसम में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन राज्यवासियों को एक से बढ़कर एक तोहफा देने के मूड में हैं। रांची में ट्रांसपोर्ट नगर, फ्लाईओवर, अपोलो अस्पताल और जमशेदपुर में एमजीएम अस्पताल के नए भवन के बाद सोमवार को एक फिर तोहफों की बारिश होनी है। पहला तोहफा मुंबई में झारखंड भवन के शिलान्यास के रूप में मिलेगा फिर तुरंत बाद राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, झारखंड अनुबंध आधारित 498 सामुदायिक स्वास्थ्य पदाधिकारियों को नियुक्ति पत्र दिया जाएगा।

इसके ठीक बाद कैबिनेट बैठक में भी राज्यवासियों को नायाब तोहफे मिलने की प्रबल संभावना जताई जा रही है। मुख्यमंत्री कार्यालय से बताया गया कि हेमंत सोरेन सोमवार (14 अक्टूबर) को देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में बनने वाले झारखंड भवन की आधारशिला रखेंगे। मुख्यमंत्री मुंबई में बनने वाले झारखंड भवन का ऑनलाइन शिलान्यास पूर्वाह्न 11 बजे प्रोजेक्ट भवन से करेंगे। मौके पर मंत्री रामेश्वर उरांव व सत्यानंद भोक्ता भी उपस्थिति रहेंगे। देश की राजधानी नई दिल्ली के बाद मुंबई में भी यह दूसरा झारखंड भवन होगा। भवन का निर्माण मुंबई में सेक्टर 30अ, वाशी, नवी मुंबई में होगा। वहीं मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन सोमवार को राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, झारखंड अनुबंध आधारित 498 सामुदायिक स्वास्थ्य पदाधिकारियों को नियुक्ति पत्र भी सौंपेंगे। यह कार्यक्रम भी प्रोजेक्ट भवन में होगा।

# 'पीएम गति शक्ति' भारत के बुनियादी ढांचे में क्रांति और नए अवसरों का सृजन : पीएम मोदी

**नई दिल्ली।** रविवार को 'पीएम गति शक्ति' पहल के तीन साल पूरे हो चुके हैं। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'पीएम गति शक्ति' के भारत की बुनियादी ढांचे और विकास पर पड़ने वाले प्रभाव का जिक्र किया। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर 'माई गवर्नमेंट इंडिया' ने एक्स पर पोस्ट कर लिखा, आज हम पीएम गति शक्ति के तीन साल पूरे होने का जश्न मना रहे हैं, जिसे पीएम मोदी ने लॉन्च किया था। यह अभूतपूर्व पहल भारत के बुनियादी ढांचे को और अधिक स्मार्ट और एकीकृत बना रही है, आर्थिक विकास को बढ़ावा दे रही है और विकास के भविष्य को आकार दे रही है। इस पोस्ट पर पीएम मोदी ने लिखा, गति शक्ति की बदौलत देश विकसित भारत के हमारे सपने को पूरा करने के लिए गति के साथ आगे बढ़ रहा है। यह प्रगति, उद्यमशीलता और नवाचार को प्रोत्साहित करेगा। इसके अलावा, उन्होंने इस दूसरे पोस्ट में लिखा, पीएम गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान भारत के बुनियादी ढांचे में क्रांति लाने के उद्देश्य से एक परिवर्तनकारी पहल के रूप में उभरा है। इसने मल्टीमॉडल कनेक्टिविटी को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ाया है, जिससे सभी क्षेत्रों में तेज और अधिक कुशल विकास हुआ है। इसने लॉजिस्टिक्स को बढ़ावा दिया है, देरी कम हुई है और कई लोगों के लिए नए अवसर पैदा हुए हैं।

# जमीन विवाद में धारदार हथियार से एक की हत्या

**जमीन पर अवैध निर्माण को लेकर मृतक ने थाने में की थी शिकायत**

**06 गिरफ्तार, एक फरार, मृतक के पुत्र ने दर्ज कराई प्राथमिकी**

**चान्हो।** थाना क्षेत्र के मसमनो गांव में शुक्रवार की शाम घात लगाकर अपराधियों ने अशोक सिंह की हत्या कर दी। वह 62 साल के थे। मृतक के पुत्र सुशांत कुमार सिंह ने थाने में सात लोगों पर नामजद प्राथमिकी दर्ज कराई है। इनमें से छह आरोपियों को पुलिस ने हिरासत में लेकर रविवार को जेल भेज दिया। घटना के बाद गुस्साये लोगों ने रात लगभग साढ़े दस बजे रांची-मेदिनीनगर मुख्यपथ पर थाने के ठीक सामने जाम कर दिया लेकिन प्रशासन ने आक्रोशित लोगों को आश्वासन दे महज 15 मिनट में जाम हटवा दिया। शनिवार की दोपहर रिम्स से पोस्टमार्टम के बाद शव आने के बाद गांव में ही उनका उनका अंतिम संस्कार कर दिया गया।

बताया जाता है कि अशोक सिंह और आबिद अंसारी सहित अन्य के बीच लंबे समय से जमीन को लेकर विवाद चल रहा था। अशोक सिंह के पूर्वजों के द्वारा कुछ डिसमिल जमीन आबिद अंसारी के पूर्वजों को दिया गया था। पिछले कुछ वर्षों से अभियुक्त उक्त जमीन से ज्यादा जमीन पर कब्जा करने की कोशिश कर रहे थे जिसका अशोक सिंह विरोध करते थे। अशोक सिंह का कहना था कि जितनी जमीन तुम्हें दी गई है तुम उतनी ही जमीन पर काबिज रहो। इस मामले को लेकर कहा सुनी होती रहती थी। एक सप्ताह पूर्व अभियुक्तों द्वारा अतिरिक्त जमीन पर कराये जा रहे निर्माण कार्य का विरोध भी अशोक सिंह ने किया था और मामले को लेकर थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। उसी समय आरोपी ने अशोक सिंह को जान से मारने की धमकी दी थी।

### राज्य में दुर्गा पूजा के दौरान 18 लोगों की अस्वाभाविक मौत

झारखंड में दुर्गा पूजा के दौरान 18 लोगों की अस्वाभाविक मौत हो गयी। यह घटनाएं राज्य के अलग-अलग जिले में 11 और 12 अक्टूबर को हुई। इनमें से छह लोगों की हत्या कर दी गयी। जबकि 11 लोगों की हादसे में मौत हो गयी। वहीं एक व्यक्ति की हत्या हुई या हादसे में मौत हुई है, पुलिस इसकी जांच में जुटी हुई है।

**12 अक्टूबर :** सिमडेगा में धारदार हथियार से मारकर महिला की हत्या।

**12 अक्टूबर :** देवघर में जंगल से क्षत-विक्षत हालात में मिला व्यक्ति का शव, पिछले चार दिन से था लापता।

**12 अक्टूबर :** रांची के कोतवाली थाना क्षेत्र में मेला घूमने के दौरान हुए मारपीट में एक युवक की मौत।

**12 अक्टूबर :** दुमका में खेलने के दौरान मिट्टी में दबकर दो बच्चों की मौत।

**12 अक्टूबर :** सरायकेला में फैक्ट्री में काम के दौरान हादसा हुआ इस दुर्घटना में एक शख्स की मौत हो गयी।

**12 अक्टूबर :** लोहरदगा जिले के कुडू थाना क्षेत्र में सड़क दुर्घटना में दो युवकों की मौत हो गई।

**11 अक्टूबर :** रांची के बुढ़मू में सड़क हादसे में दो युवकों की दर्दनाक मौत हो गयी।

**11 अक्टूबर :** रांची चान्हो में अधिवक्ता के पिता की चाकू से मारकर हत्या कर दी गई।

**11 अक्टूबर :** रामगढ़ के मुराम कला गांव के पास दुर्गा पूजा करने जा रही चार लड़कियां ट्रक के नीचे दब गईं, तीन लड़कियों की मौके पर ही मौत हो गई।

**11 अक्टूबर :** बोकारो स्टील प्लांट बीएसएल के डीजीएम की सड़क हादसे में मौत हो गई है।

**11 अक्टूबर :** चाईबासा के टेबो में एक ही परिवार के तीन लोगों की धारदार हथियार से काटकर हत्या।

# आज देशभर के अस्पतालों में बंद रहेंगी वैकल्पिक सेवाएं

**नई दिल्ली।** अखिल भारतीय चिकित्सा संघ ने पश्चिम बंगाल के डॉक्टरों के समर्थन में 14 अक्टूबर (सोमवार) को देशभर में 'वैकल्पिक सेवाओं को बंद' करने का आह्वान किया है।

वहीं आपातकालीन सुविधाएं 24 गुना 7 खुली रखें ताकि जिन मरीजों को हमारी तत्काल सेवा की आवश्यकता है, उन्हें परेशानी नहीं हो। संगठन कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में बलात्कार और हत्या की शिकार हुई युवा चिकित्सक के लिए न्याय की मांग कर रहा है। इससे पहले दिन में भारतीय चिकित्सा संघ (आईएमए) ने 15 अक्टूबर को 24 घंटे की देशव्यापी भूख हड़ताल की घोषणा की थी, जबकि कोलकाता में जूनियर डॉक्टरों का आमरण अनशन नौवें दिन भी जारी रहा और तीन डॉक्टरों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। डॉक्टरों के संगठन ने सभी राष्ट्रीय चिकित्सा संघों, राज्य रेजिडेंट डॉक्टर्स एसोसिएशन (आरडीए) और विभिन्न राज्य मेडिकल कॉलेजों और राष्ट्रीय महत्व के संस्थानों (आईएनआईएस) के रेजिडेंट डॉक्टर्स एसोसिएशन (आरडीए) को संबोधित एक खुले पत्र में बंद का आह्वान किया।

### रुड़की- लक्सर रेल लाइन पर मिला गैस सिलेंडर

**हरिद्वार।** रुड़की-लक्सर रेलवे ट्रैक पर एक गैस सिलेंडर मिलने से हड़कंप मच गया। हालांकि सिलेंडर खाली था। घटना कल सुबह की है। लेकिन अधिकारियों ने यह जानकारी रविवार को सार्वजनिक की। भुचड़ी रेलवे स्टेशन के निकट ढंडेरा में लक्सर-रुड़की रेलवे ट्रैक पर एक खाली तीन किलोग्राम का गैस सिलेंडर पड़ा मिला। घटना के बाद आरपीएफ, जीआरपी व सुरक्षा बल तुरंत हरकत में आ गए। ट्रेक पर गैस सिलेंडर होने की जानकारी सबसे पहले एक मालगाड़ी चालक ने रेलवे सुरक्षा बल को दी, जिसके बाद एहतियातन आसपास भी रेलवे ट्रैक खंगाला गया, लेकिन दूसरी कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली।

### राहुल गांधी 19 अक्टूबर को रांची आ सकते हैं

**रांची।** लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस नेता राहुल गांधी 19 अक्टूबर को रांची आ सकते हैं। वे यहां एक गैर राजनीतिक कार्यक्रम संविधान सम्मान सम्मेलन में शामिल हो सकते हैं। झारखंड कांग्रेस के मीडिया विभाग के चेयरमैन सतीश पॉल मुंजनी ने यह जानकारी दी। दिल्ली से रांची लौटते ही कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश सहयोगियों के साथ संविधान सम्मान सम्मेलन के लिए संभावित कार्यक्रम स्थल कार्निवल सभागार का निरीक्षण किया। उनके साथ शशिभूषण राय, विनय कुमार दीपू, रांची जिला ग्रामीण कांग्रेस के जिलाध्यक्ष राकेश किरण महतो, प्रवक्ता जगदीश साहू सहित कई वरिष्ठ नेता शामिल थे। वैसे तो रांची में होने वाला राहुल गांधी का संविधान सम्मान सम्मेलन देश का पांचवां कार्यक्रम होगा, लेकिन झारखंड विधानसभा चुनाव से पहले उनका यह कार्यक्रम कांग्रेस कार्यकताओं के लिए खास है।

## इंडिया

# कश्मीर की सर्द हवा अब संदेश भी दे रही है

सुनील बादल
कार्यकारी संपादक

लोकसभा चुनावों में और अब जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनावों में पीडीपी को जो झटका लगा है उसमें एक संदेश छिपा है। मुफ्ती मोहम्मद सईद के बाद उनकी बेटी महबूबा मुफ्ती ने पार्टी और सरकार की कमान तो संभाली लेकिन ना वह सरकार चला पाईं ना ही अपनी पार्टी को आगे बढ़ा पाईं। महबूबा मुफ्ती के पास कितना राजनीतिक कौशल है इसका अंदाजा इसी से लगा सकते हैं कि मुफ्ती मोहम्मद सईद के साथ वर्षों तक काम कर चुके कई बड़े नेता पीडीपी छोड़ चुके हैं। पिछले लोकसभा चुनावों में महबूबा मुफ्ती अनंतनाग-राजौरी सीट से चुनाव हार गयीं और अब उनकी बेटी इल्तिजा मुफ्ती दक्षिण कश्मीर की बिजबेहरा सीट से चुनाव हार गयीं। महबूबा ने अपने भाई तस्सदुक हुसैन मुफ्ती को भी राजनीति में स्थापित करने का प्रयास किया लेकिन विफल रहीं।महबूबा मुफ्ती ही वही शख्स हैं जिन्होंने कहा था कि यदि जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 को हटाया गया तो राज्य में तिरंगा उठाने वाला कोई नहीं होगा। स्थिति ऐसी बदली कि जम्मू-कश्मीर में लगभग हर हाथ में तिरंगा है और महबूबा की पार्टी का झंडा उठाने वाला कोई नहीं है। इस बार महबूबा मुफ्ती ने जम्मू-कश्मीर में सरकार बनाने या किंगमेकर बनने की उम्मीद को भी जनता ने पूरा नहीं होने दिया। जनता ने जिस तरह पीडीपी के गढ़ माने जाने वाले बिजबेहरा में महबूबा की बेटी को करारी शिकस्त दी है वह दशार्ता है कि कट्टरपंथियों और आतंकवाद के प्रति नरम रुख अपनाने वालों के दिन अब राजनीति में लद चुके हैं। चुनावों के बीच ही महबूबा ने प्रतिबंधित संगठन जमात-ए-इस्लामी पर से प्रतिबंध हटाने की मांग की थी। चुनावों के दौरान एक तरह से अलगाववादियों को उनका खुला समर्थन साफ नजर आ रहा था लेकिन जनता ने किसी भी अलगाववादी को विधानसभा नहीं पहुँचने दिया। पीडीपी की इस करारी हार पर इल्तिजा मुफ्ती ने कई कारणों को जिम्मेदार ठहराया है। उनका कहना है कि हमारे 25 विधायक, दो राज्यसभा सदस्य और कई मंत्री पार्टी से चले गए और उनके साथ ही हमारे कार्यकर्ता भी पार्टी छोड़कर चले गए। उनका कहना है कि हमारी पार्टी पर

हुआ यह हमला इस हार का सबसे बड़ा कारण है। दल इस बार के विधानसभा चुनाव में पीडीपी ने कुल 84 सीटों पर चुनाव लड़ा था जिनमें से उसे मात्र तीन सीटों पर जीत मिली है। पीडीपी का यह प्रदर्शन दर्शा रहा है कि महबूबा अपने पिता की पार्टी को या तो संभाल नहीं पा रहीं हैं या धरती के स्वर्ग की फिजा बदल गई है । आतंकवादियों के जनाजे में शामिल होती रहीं महबूबा मुफ्ती के परिवार की वजह से ही जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद बढ़ा लेकिन इन लोगों ने हमेशा आतंकवादियों का बचाव किया और उनके प्रति नरम रुख बनाये रखा। हम आपको याद दिला दें कि मुफ्ती मोहम्मद सईद की बेटी और महबूबा मुफ्ती की बहन रुबैया सईद जब 1989 के अपने अपहरण से जुड़े मामले में साल 2022 में सीबीआई की विशेष अदालत के समक्ष पेश हुई थीं तो उस दौरान उन्होंने सिर्फ जेकेएलएफ प्रमुख यासीन मलिक की पहचान अपने अपहरणकताओं के रूप में की। उन्होंने किसी अन्य को नहीं पहचाना था। इस पर महबूबा ने कहा था कि लंबा वक्त बीत जाने पर लोग बहुत कुछ भूल जाते हैं। हम आपको याद दिला दें कि 1989 में अपहरणकताओं ने उन्हें पांच आतंकवादियों की रिहाई के बदले रिहा किया था। 1990 के दशक की शुरूआत में इस मामले की जांच सीबीआई को सौंपी गई थी। रुबैया का अपहरण घाटी के अस्थिर इतिहास की एक प्रमुख घटना माना जाता है। उनकी आजादी के बदले जेकेएलएफ के पांच सदस्यों की रिहाई को आतंकी समूहों का मनोबल बढ़ाने वाले कदम के रूप में देखा गया था, जिन्होंने उस समय सिर उठाना शुरू किया था। रुबैया को आठ दिसंबर 1989 को श्रीनगर के लाल डेड अस्पताल के पास से अगवा कर लिया गया था। 13 दिसंबर 1989 को केंद्र की तत्कालीन वीपी सिंह सरकार द्वारा पांच आतंकियों को रिहा किए जाने के बाद अपहरणकताओं ने उन्हें रिहा कर दिया था। कश्मीर की यह हवा जो सदियों से सुखद सर्दी लाती रही है अब एक संदेश लाकर रही है ।केंद्र शासित क्षेत्र जम्मू कश्मीर की तरह अनेक क्षेत्र हैं जहां की समस्याओं को सुलझाने के बजाय लोग उलझाने की राजनीति करते रहे हैं। बंदूक से बंदूक का जवाब देने के बजाय विकास के बदलाव से भी लोगों को बदलने का मार्ग लंबा अवश्य है पर असंभव नहीं।

# डासना मंदिर में आयोजित महापंचायत खत्म

**40 से 50 लोग हिरासत में लिए गए, धारा 163 लागू**

**गाजियाबाद।** महंत नरसिंहानंद की टिप्पणी को लेकर उपजे विवाद के बाद विधायक नंद किशोर गुर्जर समेत डासना मंदिर समिति की ओर से आयोजित महापंचायत समाप्त हो चुकी है। विधायक नंद किशोर गुर्जर ने कहा कि हिंदुओं की अस्मिता पर हमला करने वालों पर एनएसए लगाकर उनकी गिरफ्तारी की जानी चाहिए। महापंचायत में शामिल भाजपा विधायक नंद किशोर गुर्जर ने कहा कि महापंचायत में लिए गए निर्णय के अनुसार, भारत में रहने वाले दस करोड़ रोहिंग्या बांग्लादेशियों को निकाला जाना चाहिए, जिन्हें कांग्रेस और आम आदमी पार्टी ने दिल्ली में वोट के लिए बसाया है। इसके अलावा उन्होंने कहा कि मंदिरों और हिंदुओं की अस्मिता पर हमला करने वालों के खिलाफ फास्ट ट्रैक कोर्ट में मुकदमा चलाना चाहिए। राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम (एनएसए) के तहत उनकी गिरफ्तारी होनी चाहिए और कम से कम मृत्यु दंड की सजा दी जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि, हमनें केंद्र सरकार से अनुरोध किया कि वह कठोर कानून बनाए, ताकि इस तरह की घटनाओं को अंजाम देने वालों को भी मृत्यु दंड की सजा मिल सके। उन्होंने आगे कहा कि समाज ने एक सप्ताह का समय दिया है, और उच्च अधिकारियों के साथ हुई बातचीत के अनुसार समाज एक सप्ताह बाद इस पर निर्णय लेगा। इसके बाद समाज का निर्णय लेने पर लोग पीछे हटने वाले नहीं हैं। गाजियाबाद एडिशनल सीपी दिनेश चंद्र पी ने बताया कि गाजियाबाद कमिश्नर की ओर से धारा 163 लागू की गई है। गाजियाबाद पुलिस लगातार लोगों को समझाने की कोशिश कर रही थी। कुछ लोगों को हिरासत में लिया गया, बाकी लोगों को बातचीत करके शांत कराया गया। उन्होंने कहा कि जो भी कानून तोड़ेगा, उनके खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

## एक नजर

### हुसैनाबाद में शहीद कुंदन सिंह फुटबॉल टूर्नामेंट का फाइनल आज

**हुसैनाबाद।** शहीद कुंदन कुमार सिंह फुटबॉल टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला आज, 14 अक्टूबर, सोमवार को हुसैनाबाद के कुर्मीपुर पंचायत स्थित चौउआ चट्टान के मैदान में खेला जाएगा। टूर्नामेंट कमेटी के अध्यक्ष दीपू सिंह ने बताया कि इस महत्वपूर्ण मैच में पथरा और पतरा खुर्द की टीमों के बीच कड़ी टक्कर होगी। मुख्य अतिथि के रूप में विधायक कमलेश कुमार सिंह और विशिष्ट अतिथि के रूप में भाजपा नेता विनय कुमार सिंह उर्फ बीनू सिंह को आमंत्रित किया गया है।
टूर्नामेंट का शुभारंभ 11 सितंबर को हुआ था, और अब सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। फाइनल मैच का आगाज सोमवार दोपहर 2 बजे से होगा, जिसमें विधायक कमलेश कुमार सिंह विशेष रूप से मैच का उद्घाटन करेंगे।

# हुसैनाबाद : दुर्गा पूजा की रात चार घरों में चोरी, लाखों की संपत्ति व नकदी ले उड़े चोर



### पूजा की व्यस्तता का फायदा उठाकर चोरों ने मचाई दहशत

**नवीन मेल संवाददाता**

**हुसैनाबाद।** पलामू जिले के हुसैनाबाद में दुर्गा पूजा की रात चोरों ने चार घरों को निशाना बनाते हुए लाखों रुपये के आभूषण और नकदी की चोरी कर ली। हुसैनाबाद अनुमंडल मैदान और आईटीआई के पीछे स्थित इन घरों से चोरों ने कुल मिलाकर लाखों की संपत्ति उड़ा ली।
संजीत कुमार द्वारा हुसैनाबाद थाना को दिए गए आवेदन के अनुसार, दशहरा के दिन वे अपने पुश्तैनी गांवखाप घर गए थे और रात में लौटने के बाद निचले तल्ले में सो गए। भोर करीब 3 बजे पड़ोसी राजेश ने फोन कर बताया कि उनके ऊपर के गेट का ताला टूटा हुआ है। जब संजीत ऊपर पहुंचे तो पाया कि ताला टूटा हुआ था और गोदरेज अलमारी से 40,000 रुपये नकद, मंगलसूत्र, सोने की चेन और अंगूठी चोरी हो गई थी, जिसकी कीमत लगभग 70,000 रुपये बताई जा रही है।
राजकुमार पाल, शशिकांत पासवान और सुमित कुमार के घर भी चोरों का निशाना बने, जिनसे सोने-चांदी के आभूषण और नकदी चोरी की गई। कुल मिलाकर चार घरों से लाखों की संपत्ति गायब हो गई है।
घटना की जानकारी मिलने के बाद हुसैनाबाद पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है। थाना प्रभारी संजय कुमार यादव ने कहा कि चोरी की घटनाओं से प्रशासन गंभीर है और चोरों की तलाश के लिए छापेमारी की जा रही है। पुलिस को उम्मीद है कि चोर जल्द ही पकड़े जाएंगे।

# नम आंखों से भक्तों ने की माता की विदाई



### सतबरवा में धूमधाम से संपन्न हुआ दुर्गा पूजा, सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम

**नवीन मेल संवाददाता**

**सतबरवा।** प्रखंड और आसपास के क्षेत्रों में दुर्गा पूजा का समापन विजयदशमी के दिन पूरे धूमधाम और श्रद्धा के साथ हुआ। हजारों भक्तों ने जयकारे लगाते हुए अपनी-अपनी दुर्गा प्रतिमाओं का विसर्जन किया। नम आंखों से माता की विदाई के समय भक्तों की भावनाएं छलक पड़ीं।
पूरे पूजा के दौरान सतबरवा थाना प्रभारी अंचीत कुमार के नेतृत्व में सुरक्षा और शांति व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। विभिन्न क्षेत्रों से आए जुलूस मेलाटांड़ प्रांगण में मिलकर रामघाट, ठाकुरबाड़ी, महावीर चौक होते हुए समाप्त हुए। इसके बाद वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच नदी, तालाब और आहर में प्रतिमाओं का विसर्जन किया गया।
पोलपोल और ठाकुरबाड़ी में रावण दहन भी किया गया, जबकि रजडेरवा, खामडीह, बारी, सिंदुरिया, और झाबर जैसे इलाकों में भी शांतिपूर्ण तरीके से प्रतिमाओं का विसर्जन हुआ। इस दौरान पांकी विधायक कुशवाहा शशि भूषण मेहता, मेदनीनगर मेयर अरुणा शंकर, और अन्य जनप्रतिनिधियों ने दुर्गा पूजा की शुभकामनाएं दीं।

## न्यूज बॉक्स

### बजलपुर में मां-बेटे की हत्या कर शव कुएं में फेंकने का आरोप

**पांकी।** थाना क्षेत्र के बजलपुर गांव निवासी गोपाल साहू की पत्नी ललिता देवी ने पांकी थाने में अपनी बेटी और नाती की हत्या कर शव को कुएं में फेंकने का मामला दर्ज कराया है। उन्होंने अपने लिखित आवेदन में पांकी थाना क्षेत्र के बरवाडीह निवासी भोला साव के पुत्र और अपने दामाद लवकुश साव, उसकी मां विमला देवी और जेठानी लाली देवी पर मिलकर हत्या करने का आरोप लगाया है। जानकारी के अनुसार, बजलपुर निवासी गोपाल साहू की बेटी की शादी तीन साल पूर्व लवकुश साव से हुई थी। शुक्रवार को उन्हें सूचना मिली कि उनकी बेटी और नाती की कुएं में गिरकर मौत हो गई है। जब वे मौके पर पहुंचे, तो उन्होंने देखा कि कुएं में लोहे की सीढ़ी लगी हुई थी। ग्रामीणों ने मृतका के परिजनों को बताया कि ससुराल वाले अक्सर उनकी बेटी के साथ मारपीट किया करते थे। पीड़ित परिवार ने पुलिस से मामला दर्ज कर ससुराल वालों को कड़ी सजा दिलाने की मांग की है। इस संबंध में जानकारी लेने पर पांकी थाना प्रभारी राजेश रंजन ने बताया कि महिला की मां के आवेदन के आधार पर एफआईआर दर्ज कर लिया गया है पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आने के बाद सब कुछ स्पष्ट हो जाएगा। पुलिस सभी पहलुओं पर जांच कर आगे बढ़ रही है।

### हैदरनगर में धूमधाम से हुआ दुर्गा प्रतिमाओं का विसर्जन

**हैदरनगर।** शारदीय नवरात्र के समापन पर शनिवार को विजयादशमी के दिन हैदरनगर में चार प्रमुख दुर्गा प्रतिमाओं का विसर्जन धूमधाम से हुआ। चौक बाजार, शुक्रबाजार, मठ पर, और बड़ा शिवालय से शुरू होकर यह जुलूस बस स्टैंड तक पहुंचा। भक्तों ने जयकारों और भजन-कीर्तन के बीच गोविंद बोलो, राधे राधे के नारों से वातावरण को गुंजायमान कर दिया। शाम 4 बजे हाईस्कूल के मैदान में रावण दहन किया गया, जिसके बाद भक्तों का उत्साह चरम पर था। रात 9 बजे सदाबह नदी तट पर प्रतिमाओं का विसर्जन वैदिक मंत्रोच्चार के साथ शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुआ। ग्रामीण क्षेत्रों के पूजा पंडालों में स्थापित प्रतिमाओं का भी समीपवर्ती जलाशयों और सरोवरों में विधिपूर्वक विसर्ज बीबीन किया गया। इस दौरान शांति और सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने में बीडीओ विश्व प्रताप मालवा, सीओ संतोष कुमार, थाना प्रभारी अफजल अंसारी, और अन्य प्रशासनिक अधिकारियों का विशेष योगदान रहा। समाज के कई गणमान्य व्यक्तियों ने भी इस कार्यक्रम को सफल बनाने में अहम भूमिका निभाई।

### पूजा पंडाल में सेल्फी लेने को लेकर विवाद

**नावाबाजार।** थाने के रबदा गांव में पूजा पंडाल में सेल्फी लेने को लेकर हुई विवाद में एक युवक घायल हो गया है। दोनों पक्ष की ओर से प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। पुलिस मामले दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है। घायल युवक अनुज कुमार पिता श्याम सुंदर बैठा ने उल्लेख किया है कि पूजा पंडाल में उसके साथ वहां के तीन युवकों ने जातिसूचक बात कहते हुए उसे पूजा पंडाल से निकाल दिया और मारपीट की, जिसमें उसे गंभीर चोटें लगी हैं। वहीं, दूसरे पक्ष का कहना है कि उक्त युवक पूजा पंडाल में सेल्फी ले रहा था, उस समय गांव की कुछ लड़कियों की भी तस्वीर साथ में आ गई थी। उनके अनुसार, युवक जानबूझकर लड़कियों को देखकर सेल्फी ले रहा था, जिस पर मना करने को लेकर विवाद हुआ था। दूसरे पक्ष के लोगों ने बताया कि उक्त युवक उस तस्वीर को लेकर कुछ कमेंट करना शुरू कर दिया था, जिससे झगड़ा हुआ। पुलिस मामले की छानबीन कर दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई करने की बात कह रही है। थानाप्रभारी चिंटू कुमार ने बताया कि मामले की छानबीन की जा रही है और जो भी दोषी पाए जाएंगे, उनके विरुद्ध कानून के सुसंगत धाराओं के तहत कार्रवाई की जाएगी।

# नीलांबर-पीतांबरपुर में हर्षोल्लास के साथ दुर्गा पूजा प्रतिमा विसर्जन के साथ हुआ समापन

**नवीन मेल संवाददाता**



**नीलांबर-पीतांबरपुर।** प्रखंड क्षेत्र में दुर्गा पूजा का समापन हर्षोल्लास के साथ हुआ। शनिवार की शाम को मां दुर्गा की प्रतिमा विसर्जन के लिए जुलूस निकाली गई, जिसमें पूरे प्रखंड के लोग उत्साहपूर्वक शामिल हुए।
नया बाजार के नवयुवक संघ और पुराना बाजार के जय बजरंग संघ ने इस अवसर पर सम्मान समारोह का आयोजन किया। नया बाजार में पांकी विधायक कुशवाहा डॉक्टर शशि भूषण मेहता ने पूजा समिति के पदाधिकारियों और कलाकारों को तलवार और चुनरी देकर सम्मानित किया। वहीं, पुराना बाजार के जय बजरंग संघ में लेस्लीगंज थाना प्रभारी राजू कुमार गुप्ता ने पदाधिकारियों और पंडाल कलाकारों को सम्मानित किया।
सम्मान समारोह में विधायक शशि भूषण मेहता ने क्षेत्रवासियों को विजयादशमी की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि माँ दुर्गा पांकी विधानसभा क्षेत्र के लोगों की सभी मनोकामनाएं पूर्ण करें। अधर्म पर धर्म की हमेशा जीत हो और सभी के बीच सद्भाव और प्रेम का वातावरण बना रहे। इसी अवसर पर थाना प्रभारी ने भी प्रखंडवासियों को दशहरा की शुभकामनाएं देते हुए मूर्ति विसर्जन को शांतिपूर्ण तरीके से करने का निर्देश दिया। इसके बाद, गोपालगंज, पथरही, डबरा, कुराईन पतरा, कठौंधा आदि जगहों से जुलूस लेस्लीगंज महावीर मंदिर पहुंची। जुलूस का मिलान होने के बाद सभी अपने-अपने गांव लौट गए। नवयुवक संघ नया बाजार और जय बजरंग संघ पुराना बाजार का जुलूस कोट खास, पुराना बाजार और नया बाजार होते हुए लेस्लीगंज तालाब तक पहुंचा। इस दौरान जय दुर्गे, जय दुर्गे काली काली, और जय माता दी के नारों से क्षेत्र गूंज उठा।
विसर्जन स्थल पर पंडित सतीश मिश्रा और ओमप्रकाश गिरी ने मां दुर्गा की विदाई आरती कराई। पूजा समिति के सदस्यों ने नम आंखों के साथ मां दुर्गा की प्रतिमा का तालाब में विसर्जन किया। इसी प्रकार, प्रखंड के सभी पूजा समितियों द्वारा दुर्गा प्रतिमाओं का विसर्जन हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ।

## दुर्गा पूजा का विसर्जन शांति और सौहार्द के साथ संपन्न

# रंगोली प्रतियोगिता में पार्वती हेम्ब्रम बनीं विजेता

**नवीन मेल संवाददाता**



**मोहम्मदगंज।** प्रखंड के विभिन्न पूजा पंडालों में स्थापित मां दुर्गा और अन्य देवी-देवताओं की प्रतिमाओं का शनिवार और रविवार को शांतिपूर्ण माहौल में विसर्जन किया गया। दुर्गा पूजा का यह महान पर्व श्रद्धा और आस्था के साथ संपन्न हुआ। इससे पहले हवन-पूजन और भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें श्रद्धालुओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।
स्थानीय पीएमश्री स्तरोन्नत प्लस टू उच्च विद्यालय प्रांगण में महाअष्टमी और नवमीं के अवसर पर वरिष्ठ कांग्रेसी सत्यनारायण सिंह और व्यवसायी मथुरा प्रसाद गुप्ता के सौजन्य से महाप्रसाद (खीर-खिचड़ी) का आयोजन किया गया। इस दौरान, रंगोली प्रतियोगिता भी आयोजित की गई, जिसमें पार्वती हेम्ब्रम ने प्रथम स्थान हासिल किया। विजेताओं को कमिटी के अध्यक्ष पंकज कुमार, उपाध्यक्ष रामजन्म राम, कोषाध्यक्ष रिंकू, छोटेलाल सोनी, दीपू लाल अग्रवाल, और गोकुल प्रसाद गुप्ता ने पुरस्कृत किया।
पूजा के आयोजन और अन्य कार्यक्रमों को सफल बनाने में पंडित पुष्पेंद्र पांडेय, यजमान रविरंजन सिंह उपमुखिया, विनय, संजय, और कमिटी के अन्य सदस्यों ने विशेष योगदान दिया। इसमें अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, कोषाध्यक्ष विवेक विशाल बंटी, महामंत्री बबलू यादव, सचिव कमलेश कुमार मेहता, संगठन सचिव अनिल सोनी, महिला मंत्री गीता यादव, और नित्यानंद पाठक सहित कई अन्य स्थानीय व्यक्तियों ने भी सहयोग किया। इस दौरान, थाना प्रभारी मुकेश कुमार सिंह के नेतृत्व में पुलिस अधिकारियों और जवानों ने शांति और सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

## एक नजर

### दशहरा सत्य और धर्म की विजय का प्रतीक : भरदुल सिंह

**मेदिनीनगर।** दशहरा सत्य और धर्म की जीत का प्रतीक है। यह बात शिक्षक और मुखिया पति भरदुल सिंह ने पोलपोल के शिववेल दुर्गा पूजा पंडाल में विजया दशमी के अवसर पर कही। उन्होंने कहा कि बुराई चाहे कितनी भी शक्तिशाली हो, अंत में सत्य और धर्म की ही विजय होती है। रावण का अंत इसका स्पष्ट प्रमाण है कि अधर्म और अहंकार का विनाश निश्चित है। उन्होंने भगवान श्री राम के जीवन से धैर्य, करुणा, त्याग और कर्तव्य निष्ठा का महत्व सीखने की प्रेरणा दी। दशहरा हमें बुरी आदतें त्यागने और सद्गुण अपनाने का संदेश देता है। इस अवसर पर आनंद कुमार, सुभाष कुमार, पिंटू सिंह, चंदन राम, नारायण प्रजापति समेत कई गणमान्य लोग उपस्थित थे।

# सिंगरा में कलश यात्रा के साथ श्री लक्ष्मीनारायण महायज्ञ का शुभारंभ

## श्रीमन नारायण के जयघोष से गूंजा पूरा इलाका

◀◀ यज्ञाचार्य पंडित विजय राघव पांडेय के वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ श्रद्धालुओं ने कलश में जल भरा

**नवीन मेल संवाददाता**

**मेदिनीनगर।** पलामू के सिंगरा में शनिवार को त्रिदंडी प्रपन्नाचार्य जीयर स्वामी जी महाराज के नेतृत्व में श्री लक्ष्मीनारायण महायज्ञ का शुभारंभ भव्य कलश यात्रा के साथ हुआ। यात्रा सिंगरा महायज्ञ स्थल से प्रारंभ होकर विभिन्न मार्गों से होते हुए अमानत नदी तट पर पहुंची। मुख्य यजमान के रूप में ददन सिंह सपत्नीक शामिल हुए। बिहार के बक्सर से आए यज्ञाचार्य पंडित विजय राघव पांडेय के वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ श्रद्धालुओं ने कलश में जल भरा। श्रद्धालु जल भरकर यज्ञमंडप पहुंचे, जहां विधिवत पूजा-अर्चना के बाद कलश को यज्ञमंडप में स्थापित किया गया। कलश यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं द्वारा 'श्रीमन-नारायण' के जयघोष से पूरा इलाका गूंज उठा। यात्रा में रथों पर बैठे संत, घोड़े, पारंपरिक ढोल, चोंगा और धुतुंगा आकर्षण का केंद्र रहे। पुरुष और महिलाएं पीले व भगवा वस्त्रों में शामिल हुए। विधायक आलोक चौरसिया ने कहा, 'यह महायज्ञ पलामू प्रमंडल के लिए गर्व की बात है और संतों के नेतृत्व में यह यज्ञ क्षेत्र में सुख-समृद्धि का प्रतीक बनेगा।' पूर्व मंत्री केएन त्रिपाठी ने इसे पलामू के लिए ऐतिहासिक और अविस्मरणीय घटना बताया। इस अवसर पर विधायक आलोक चौरसिया, पूर्व मंत्री केएन त्रिपाठी, भाजपा प्रदेश मंत्री मनोज सिंह, विभाकर पांडेय, राष्ट्रीय परशुराम सेना भार्गव के संरक्षक कमलेश शुक्ला, पूर्व उपाध्यक्ष मनोज सिंह सहित हजारों श्रद्धालुओं ने कलश यात्रा में भाग लिया।

### परशुराम सेना भार्गव का स्वागत समारोह

कलश यात्रा के दौरान राष्ट्रीय परशुराम सेना भार्गव के जिलाध्यक्ष मधुकर शुक्ला के नेतृत्व में महाराजा पैलेस के पास श्रद्धालुओं का स्वागत किया गया। सेना के सदस्यों ने पानी और जूस की व्यवस्था की, वहीं सिंगरा खुर्द शिव मंदिर के पास ग्रामीणों ने पुष्प वर्षा कर श्रद्धालुओं का स्वागत किया।

## न्यूज बॉक्स

### सरकार की वादा खिलाफी के विरुद्ध आज निकाली जाएगी शव यात्रा

**मेदिनीनगर।** झारखंड राज्य सहायक अध्यापक संघर्ष मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष विनोद तिवारी ने कचहरी परिसर में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि सरकार के साथ उनकी वार्ता में सहायक अध्यापकों को ईपीएफ, अनुकंपा का लाभ, कल्याण कोष का लाभ आदि देने पर सहमति बनी थी, लेकिन इसे कैबिनेट में पारित नहीं किया गया। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने 2019 के चुनाव में कई मंचों से घोषणा की थी कि उनकी सरकार बनने के 3 महीने के अंदर सहायक अध्यापकों का स्थायीकरण किया जाएगा और उन्हें वेतनमान दिया जाएगा। लेकिन अब चुनाव नजदीक हैं और सरकार अपने वादे पर अमल नहीं कर रही है। विनोद तिवारी ने कहा कि इस वादा खिलाफी के कारण झारखंड के सहायक अध्यापकों में भारी आक्रोश है। संघर्ष मोर्चा अब टेट उत्तीर्ण सहायक अध्यापकों के साथ संयुक्त रूप से आंदोलन करेगा। इस आंदोलन के तहत 14 अक्टूबर को झारखंड के सभी जिला मुख्यालयों में शिक्षा मंत्री बैजनाथ राम, वित्त मंत्री रामेश्वर उरांव एवं गिरीडीह विधायक सुदीव्य कुमार सोनू की शव यात्रा निकाली जाएगी, जिसके बाद इनका पुतला दहन किया जाएगा। उन्होंने यह भी बताया कि 15 अक्टूबर, मंगलवार से सहायक अध्यापक हड़ताल पर रहेंगे, और 17 अक्टूबर को अनिश्चितकालीन मुख्यमंत्री आवास का घेराव किया जाएगा। प्रेस वार्ता में जनेश्वर सिंह, इमामुद्दीन अंसारी, अजय प्रसाद गुप्ता, नेजामुद्दीन अंसारी, धन्नजय यादव, महेंद्र कुमार सिंह, जयराम उरांव, नान्हु बारला, अवध यादव, रामाश्रय प्रसाद और दिलीप तिवारी शामिल हुए।

### राम राज्याभिषेक के साथ 48वां मानस यज्ञ संपन्न

**मेदिनीनगर।** श्री राम चरित मानस नवाह्न पारायण यज्ञ का 48वां अधिवेशन नवमी तिथि पर राम राज्याभिषेक के साथ संपन्न हुआ। धार्मिक आयोजन के अनुसार श्री राम का राज्याभिषेक किया गया और श्री राम जानकी की आरती उतारी गई। इसके बाद प्रभु श्री राम सहित चारों भाइयों का राजतिलक किया गया। समिति के अध्यक्ष आनंद सिंह ने कहा कि भगवान राम का जीवन और मयार्दा दुनिया के लिए अनुकरणीय है। धार्मिक आयोजन न केवल अमन-चैन बल्कि आपसी भाईचारा और सामाजिक सौहार्द को भी बढ़ाते हैं। इस अवसर पर बड़ी संख्या में महिलाओं ने माँ जानकी की मांग में सिंदूर भरी और 'राजा राम' के गुणगान से पूरा क्षेत्र गूंज उठा। यज्ञ समिति के अध्यक्ष आनंद सिंह, उपाध्यक्ष शिवकुमार सिंह, सचिव शशि सिंह, महासचिव लीलेश्वर सिंह, कोषाध्यक्ष उमेश प्रसाद, स्वागत अध्यक्ष मलिक सिंह, पूजा अध्यक्ष उमाशंकर सिंह समेत कई प्रमुख पदाधिकारी उपस्थित थे। यज्ञ के समापन पर हजारों श्रद्धालुओं के बीच महाप्रसाद का वितरण किया गया।

### माँ दुर्गा की प्रतिमा का विसर्जनः सिंदूर खेला की परंपरा निभाई

**मेदिनीनगर।** पलामू ज़िला के डाल्टनगंज शहर में माँ दुर्गा की प्रतिमा का विसर्जन धूमधाम से किया जा रहा है। इस कड़ी में आज शहर के दुगार्बाड़ी में बंगाली समाज की महिलाओं ने मूर्ति विसर्जन से पूर्व पूजा-अर्चना करते हुए सिंदूर खेला। बंगाली समाज द्वारा कई वर्षों से मनाई जा रही इस परंपरा को महिलाएं आज भी खुशी-खुशी निभा रही हैं। सभी महिलाओं ने एक-दूसरे को सिंदूर लगाकर पूजा की शुभकामनाएं दी और अपने पतियों की लंबी आयु के लिए माँ दुर्गा से मन्नत मांगी। बंगाली समुदाय में दुर्गा पूजा पंचमी तिथि से शुरू होती है, जिसका अंत दशमी तिथि के दिन सिंदूर की होली खेलकर किया जाता है। इस दिन सिंदूर की होली खेलकर माँ दुर्गा को विदा किया जाता है, इसलिए बंगाली समुदाय में इसे 'सिंदूर खेला' के नाम से जाना जाता है। यह दिन महिलाओं के लिए विशेष महत्व रखता है, जब वे एक-दूसरे के साथ मिलकर इस खुशी का अनुभव करती हैं। इस मौके पर महिलाएं अपने पारंपरिक परिधान पहनकर उपस्थित हुईं। सिंदूर खेला के दौरान, माँ दुर्गा की मूर्ति के सामने बैठकर महिलाएं न केवल पूजा करती हैं, बल्कि एक-दूसरे को प्रेम और सम्मान के साथ सिंदूर लगाती हैं। इस सांस्कृतिक उत्सव में सभी महिलाएं भावुकता के साथ शामिल हुईं, जिससे माहौल और भी आनंदमय हो गया। नवरात्र के 9 दिनों तक मनाए जाने वाले इस त्योहार में बंगाल की मान्यता है कि माँ दुर्गा 10 दिनों के लिए अपने मायके आती हैं। इस उपलक्ष्य में बड़े-बड़े पंडालों में माँ दुर्गा की प्रतिमा स्थापित की जाती है। दुर्गा पूजा का यह पर्व सामूहिकता और परंपरा का प्रतीक है, जिसमें सभी समुदायों के लोग शामिल होते हैं। इस प्रकार, डालटनगंज के बंगाली समाज ने एक बार फिर से अपने उत्सव और परंपराओं को जीवित रखते हुए माँ दुर्गा को विदाई दी और अपने सामाजिक बंधनों को मजबूत किया। सिंदूर खेला का यह आयोजन न केवल धार्मिक महत्व रखता है, बल्कि यह महिलाओं के बीच एकता और स्नेह को भी दर्शाता है।

### जिनेवा में गूंजेगी पलामू संसदीय क्षेत्र की आवाज

## सांसद विष्णु दयाल अंतर-संसदीय संघ के 149वें अधिवेशन में होंगे शामिल

**नवीन मेल संवाददाता**

**मेदिनीनगर।** पलामू संसदीय क्षेत्र की जनता के लिए यह गर्व और हर्ष का विषय है कि पलामू के लोकप्रिय सांसद विष्णु दयाल राम को स्विट्जरलैंड के जिनेवा में आयोजित होने वाले अंतर-संसदीय संघ (आईपीयू) के 149वें अधिवेशन में भाग लेने के लिए पुनः नामित किया गया है। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने उन्हें इस महत्वपूर्ण अवसर के लिए चुना है, जिससे पलामू और गढ़वा का नाम एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर रोशन होगा। सांसद विष्णु दयाल राम ने बताया कि वह लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के नेतृत्व में भारतीय संसदीय प्रतिनिधिमंडल के सदस्य के रूप में जिनेवा पहुंचे हैं। उनके साथ राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश, सांसद भर्तृहरि महताब, अनुराग सिंह ठाकुर, अपराजिता सारंगी, सस्मित पात्रा, राजीव शुक्ला, ममता मोहंता

और लोकसभा सचिवालय के वरिष्ठ अधिकारी भी शामिल हैं। यह अधिवेशन 13 से 17 अक्टूबर 2024 तक आयोजित होगा। अंतर-संसदीय संघ (आईपीयू) का गठन 1889 में हुआ था, जिसका उद्देश्य विभिन्न देशों की संसदों के बीच परिचर्चा को बढ़ावा देना, शांति, सहयोग और प्रतिनिधिक लोकतंत्र की ठोस स्थापना के लिए कार्य करना है। आईपीयू में 180 देशों के संसद सदस्य शामिल हैं, जो विभिन्न विचारधाराओं, आर्थिक और सामाजिक पद्धतियों का प्रतिनिधित्व करते हैं। यह संगठन क्षेत्रीय संसदीय संगठनों और अंतरराष्ट्रीय संस्थानों के साथ सहयोग से भी कार्य करता है। आईपीयू की मीटिंग साल में दो बार होती है, जिनमें मार्च-अप्रैल और अक्टूबर-नवंबर में वैश्विक मुद्दों पर चर्चा की जाती है। गौरतलब है कि इसके पूर्व में भी सांसद विष्णु दयाल राम को 142वें से लेकर 147वें अधिवेशन तक भारत का प्रतिनिधित्व करने का गौरव प्राप्त हो चुका है। वर्ष 2021 में कोविड-19 के कारण 142वें अधिवेशन में वर्चुअल रूप से भाग लिया गया था। इसके बाद नवंबर 2021 में स्पेन में 143वें अधिवेशन, इंडोनेशिया में 144वें, रवांडा में 145वें, बहरीन में 146वें, और लुआंडा में 147वें अधिवेशन में भाग लेकर उन्होंने भारत का प्रतिनिधित्व किया। सांसद राम ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला का आभार व्यक्त किया है, जिन्होंने उन्हें एक बार फिर इस महत्वपूर्ण अधिवेशन में शामिल होने का अवसर प्रदान किया।

## झामुमो की रायशुमारी बैठक में कार्यकर्ताओं ने डाल्टनगंज विधानसभा चुनाव लड़ने की मांग रखी

**नवीन मेल संवाददाता**

**मेदिनीनगर।** झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के डाल्टनगंज विधानसभा क्षेत्र के सभी प्रखंड अध्यक्षों, जिला पदाधिकारियों और अन्य मोर्चा के सदस्यों की रायशुमारी बैठक परिसदन भवन में संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता झामुमो अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद सिन्हा ने की और संचालन सचिव सन्नू सिद्दिकी ने किया। बैठक में सभी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने जोर देकर डाल्टनगंज विधानसभा चुनाव में झामुमो के नेतृत्व की मांग की। साथ ही, 15 अक्टूबर को शिवाजी मैदान में एक विशाल सभा आयोजित करने का प्रस्ताव भी पारित किया गया, जिसमें हजारों झामुमो कार्यकर्ता शामिल होंगे और शक्ति प्रदर्शन करेंगे। अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद सिन्हा ने भरोसा दिलाया कि कार्यकर्ताओं की राय और मांगों को केंद्रीय नेताओं तक पहुंचाया जाएगा और डाल्टनगंज विधानसभा में झामुमो को मजबूती से उतारने का

प्रयास किया जाएगा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की कल्याणकारी योजनाएं, जैसे मईया सम्मान योजना, अबुआ आवास योजना और बिजली बिल माफी, जनता के बीच बेहद लोकप्रिय हैं, जिससे झामुमो की लोकप्रियता पलामू में शीर्ष पर है। बैठक में मौजूद प्रमुख नेता, जैसे बालकिशुन उरांव, फंटूश जायसवाल, रंजन चंद्रवंशी, असफर रब्बानी, पप्पू कमाल खान, प्रदीप सिंह, सुशीला मिश्रा, और अन्य वरिष्ठ कार्यकर्ताओं ने भी डाल्टनगंज विधानसभा में झामुमो के नेतृत्व में चुनाव लड़ने की आवश्यकता पर जोर दिया। शक्ति प्रदर्शन के साथ ही, झामुमो ने पलामू के अन्य विधानसभा क्षेत्रों में भी अपना विस्तार करने और अपनी मजबूत स्थिति वाले क्षेत्रों में सीटों की मांग करने की योजना बनाई है। इस बैठक में झामुमो के विभिन्न प्रखंडों से सैकड़ों पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित थे, जिनमें प्रमुख रूप से बलकिशुन उरांव, सन्नू सिद्दिकी, अनुराग सिंह, विनय सिंह, उमा सिंह, प्रदीप सिंह, सुशीला मिश्रा, कांति चंद्रवंशी, सनी शुक्ला, और कई अन्य नेता शामिल थे।

## परंपरा

### रावण वध कार्यक्रम में उमड़ी भीड़

# 2024 हिंदुओं के लिए स्वर्णिम कालः मनोज सिंह

**नवीन मेल संवाददाता**

**मेदिनीनगर।** हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी श्री चंद्रशेखर आजाद क्लब द्वारा रावण वध कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि मेदिनीनगर की प्रथम महापौर अरुणा शंकर ने भगवान श्री राम के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि हर मां अपने पुत्र को राम की तरह देखना चाहती है, एक भाई अपने भाई को राम की तरह चाहता है और एक पत्नी अपने पति को राम की तरह चाहती है। श्री राम ही संपूर्ण आदर्श हैं जिन्हें हर परिवार अपने अपनों में देखना चाहता है। विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित भाजपा प्रदेश महामंत्री मनोज सिंह ने अपने

संबोधन में कहा कि 2024 हिंदुओं के लिए स्वर्णिम काल है, जहां रामलला को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में टेंट से निकालकर मंदिर में विराजमान किया गया और अब हम गर्व से उनका दर्शन कर सकते हैं। वहीं, भाजपा जिला अध्यक्ष अमित तिवारी ने कहा कि हमारा देश विश्व गुरु बनने की ओर अग्रसर है, जो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व के बिना असंभव होता। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए चेंबर अध्यक्ष आनंद शंकर ने कहा कि हर वर्ष की तरह इस बार भी हम सभी ने शांतिपूर्ण ढंग से कार्यक्रम को सफलतापूर्वक संपन्न किया है, जिसके लिए मैं मेदिनीनगर के लोगों का धन्यवाद करता हूं। कार्यक्रम के आयोजन के लिए चंद्रशेखर आजाद क्लब के अध्यक्ष झूलन, सोमनाथ और अन्य सभी सहयोगियों का आभार व्यक्त किया गया। इस ऐतिहासिक आयोजन में पलामू चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के सदस्य और महिला विंग की सक्रिय भागीदारी देखी गई, जिनके सहयोग से यह कार्यक्रम सफलतापूर्वक होता आ रहा है।

### पोलपोल में विजयादशमी पर रावण दहन, जय श्री राम के नारों से गूंजा क्षेत्र

**मेदिनीनगर।** अधर्म पर धर्म, बुराई पर अच्छाई, अन्याय पर न्याय, और अंधकार पर उजाले की विजय का प्रतीक विजयादशमी का पर्व शनिवार को पोलपोल में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। पोलपोल के बेसिक स्कूल प्रांगण में 20 फीट ऊंचे रावण के पुतले का दहन किया गया, जिससे जय श्री राम के जयकारों से पूरा क्षेत्र गूंज उठा। इससे पहले राम और रावण के भयंकर युद्ध का मंचन रामलीला के माध्यम से किया गया, जिसे देखने के लिए सैकड़ों ग्रामीण उपस्थित थे। पुतला दहन कार्यक्रम का आयोजन कमेटी द्वारा हर वर्ष की तरह इस बार भी बड़े धूमधाम से किया गया। दर्जनों गांवों से आए सैकड़ों लोगों ने इसमें हिस्सा लिया और दशहरा का त्योहार मनाया। पुतला दहन के बाद माँ दुर्गा और राम दरबार की प्रतिमाओं का विसर्जन तालाब में किया गया। गाजे-बाजे के साथ निकले जुलूस में बड़ी संख्या में महिलाओं और पुरुषों ने माँ दुर्गा को नम आँखों से विदाई दी। इस मौके पर कमेटी के अध्यक्ष आनंद सिंह, शशि सिंह, उमेश प्रसाद, लीलेश्वर सिंह, शिव कुमार सिंह, संतोष कुमार पांडेय, मलिक कुमार सिंह, जयप्रकाश सिंह, सूर्य प्रकाश सिंह, विनोद ठाकुर, सुरेश राम, अखिलेश सिंह, उपेंद्र सिंह सहित सैकड़ों लोग उपस्थित थे। कमेटी ने बताया कि इस आयोजन में सभी जाति और धर्म के लोगों का भरपूर सहयोग मिला, जिससे यह पर्व सफलतापूर्वक मनाया गया।

## एक नजर

### हाथियों के हमले में युवक की मौत

**भंडरिया।** (गढ़वा) भंडरिया वन क्षेत्र के ललमटीया जंगल में शनिवार की रात रंका के चुटीया गांव निवासी रामदेव सिंह (उम्र 30) की हाथियों के झुंड ने कुचलकर हत्या कर दी। रामदेव अपने तीन साथियों के साथ दशहरा के अवसर पर रिश्तेदार के घर आया था। सभी बाइक से लौट रहे थे, जब जंगल में हाथियों का झुंड देखकर वे भयभीत हो गए और भागने लगे। रामदेव भागने में असफल रहा और हाथियों ने उसे कुचल दिया। वन विभाग और ग्रामीणों ने शव को रविवार सुबह बरामद किया। वन विभाग ने मृतक के परिजनों को तत्काल सहायता के रूप में 50,000 रुपये का चेक प्रदान किया।

### रौशन कुमार चंद्रवंशी बने आजाद समाज पार्टी के विधानसभा प्रभारी

**श्री बंशीधर नगर।** भीम आर्मी के जिलाध्यक्ष ललित राम ने आजाद समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष चंद्रशेखर आजाद के निर्देश पर रौशन कुमार चंद्रवंशी को भवनाथपुर विधानसभा क्षेत्र का प्रभारी नियुक्त किया। रौशन कुमार ने अपनी नियुक्ति पर विश्वास व्यक्त करते हुए कहा कि वे अपनी जिम्मेदारी पूरी निष्ठा और ईमानदारी से निभाएंगे। मौके पर कई पार्टी कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया।

### खरौंधी में शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न हुआ दशहरा

**खरौंधी।** (गढ़वा) प्रखंड में दुर्गा पूजा और दशहरा महापर्व शांति और उल्लास के साथ सम्पन्न हुआ। पूजा पंडालों में रामलीला और अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

**विधायक ने चतुभुर्जी मंदिर में दर्शन पूजन कर आशीर्वाद यात्रा की शुरूआत**

# भाजपा की सरकार बनते ही बालू फ्री करेंगे : भानू प्रताप शाही

**नवीन मेल संवाददाता**

**केतार।** भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष और भवनाथपुर विधायक भानू प्रताप शाही ने चतुभुर्जी भगवती मंदिर केतार में दर्शन-पूजन कर अपनी आशीर्वाद यात्रा की शुरूआत की। उन्होंने मंदिर में पूजा अर्चना और हवन किया, जिसके बाद शंखनाद कर यात्रा को रवाना किया। भाजपा कार्यकताओं ने 'भानू प्रताप शाही जिंदाबाद' और 'भारतीय जनता पार्टी जिंदाबाद' के नारे लगाए। विधायक शाही ने कहा कि 14 अक्टूबर से आशीर्वाद यात्रा भवनाथपुर विधानसभा के सभी नौ प्रखंडों का दौरा करेगी। इस यात्रा के दौरान जनता से इस 'निकम्मी' राज्य सरकार को उखाड़ फेंकने के लिए समर्थन मांगा जाएगा। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार सत्ता में आते ही बालू मुफ्त करेगी, जो वर्तमान सरकार के तहत 'सोना' बन गया है। शाही ने पूर्व विधायक अनंत प्रताप देव और झामुमो नेता ताहिर अंसारी पर भी निशाना साधते हुए कहा कि चुनाव से पहले उनका मानसिक संतुलन खराब हो गया है और उन्हें इलाज की जरूरत है।

### चतुभुर्जी मंदिर में सत्तचंडी महायज्ञ का ध्वजारोहण

केतार चतुभुर्जी मंदिर परिसर में आयोजित श्री सत्तचंडी महायज्ञ के ध्वजारोहण का कार्यक्रम विधिवत संपन्न हुआ। महायज्ञ का शुभारंभ 13 फरवरी 2025 को कलश यात्रा के साथ होगा और 21 फरवरी को पूणार्हुति के साथ इसका समापन होगा। यज्ञ समिति ने 20 फरवरी को मंदिर परिसर में 11 गरीब और असहाय बेटियों की शादी कराने की योजना बनाई है, जिसमें अनाथ और दिव्यांग बेटियों को प्राथमिकता दी जाएगी। यज्ञ में क्षेत्र के गणमान्य लोगों और श्रद्धालुओं की व्यापक भागीदारी रहेगी।

### प्रिज्म सीमेंट का झारखंड में पहला कार्यालय खुला

**नवीन मेल संवाददाता**

**रमना।** प्रिज्म जॉनसन लिमिटेड ने झारखंड में अपना पहला कदम रखते हुए गढ़वा जिले के रमना में गुलहरी बांध के समीप अपना पहला कार्यालय विधिवत रूप से पूजा-अर्चना के साथ खोला। इस अवसर पर सी.एन.एफ. व एस.पी. अंकित एंटरप्राइजेज के प्रोप्राइटर मनोज कुमार गुप्ता ने कार्यालय का उद्घाटन किया और कहा कि अब प्रिज्म सीमेंट बहुत जल्द आपके शहर और गांव में उपलब्ध होगा। मनोज गुप्ता ने बताया कि यह झारखंड में कंपनी का पहला कार्यालय है, और इसके साथ ही कंपनी धीरे-धीरे पूरे राज्य में अपने विस्तार की योजना बना रही है। हालांकि यह कंपनी झारखंड में नई है, लेकिन 1996 से उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, बिहार आदि राज्यों में सफलतापूर्वक अपनी सेवा दे रही है। उन्होंने कहा कि प्रिज्म सीमेंट पेपर बैग में उपलब्ध होगा, जिसमें प्रिज्म चैंपियन, प्रिज्म चैंपियन पल्स, प्रिज्म चैंपियन ड्युराटेक, और प्रिज्म ऑल वेदर जैसे उत्पाद शामिल होंगे, जो लोगों को उनकी आवश्यकता के अनुसार सीमेंट चुनने में मदद करेंगे। इस अवसर पर झारखंड राज्य के लिए स्टेट हेड वरुण कुमार उपाध्याय, रीजनल मैनेजर संजीव कुमार सिंह, ब्रांच मैनेजर सतीश चंद पांडेय, सेल्स ऑफिसर डी.के. राय सहित अन्य लोग भी उपस्थित थे।

## श्री बंशीधर नगर में दुर्गा पूजा महोत्सव का आयोजन, रावण दहन कार्यक्रम संपन्न

**नवीन मेल संवाददाता**

**श्री बंशीधर।** नगर के चेचरिया में शनिवार को नवयुवक क्लब के तत्वावधान में दुर्गा पूजा महोत्सव का आयोजन किया गया, जिसमें रावण का पुतला दहन मुख्य आकर्षण रहा। गोसाईबाग के मैदान में आयोजित इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में झामुमो नेता और पूर्व विधायक अनंत प्रताप देव शामिल हुए। उनके साथ भोजपुर गढ़ के झामुमो युवा नेता दीपक प्रताप और मानवेंद्र प्रताप देव उर्फ मन्नु बाबा भी उपस्थित थे। नगर के गणमान्य लोग भी इस आयोजन में शामिल होकर उत्सव का आनंद उठाया। कार्यक्रम की शुरूआत नवयुवक क्लब के सदस्यों द्वारा पूर्व विधायक अनंत प्रताप देव को पारंपरिक तीर-कमान सौंपने से हुई, जिसके बाद विधिवत पूजा-अर्चना के पश्चात रावण के पुतले का दहन किया गया। पूर्व विधायक अनंत प्रताप देव ने इस मौके पर कहा कि दशहरा अथवा विजयादशमी के दिन भगवान राम ने रावण पर विजय प्राप्त की थी, इसलिए इस दिन रावण का पुतला दहन किया जाता है, जो बुराई, अहंकार, अत्याचार और अधर्म पर धर्म, सत्य और न्याय की विजय का प्रतीक है। इस अवसर पर दीपक प्रताप देव ने भी कहा कि रावण का दहन अच्छाई, सत्य और धर्म की विजय का प्रतीक है। उन्होंने नवयुवक क्लब को इस सफल आयोजन के लिए बधाई दी और अगले वर्ष और भी भव्य कार्यक्रम करने का आश्वासन दिया।

## न्यूज बॉक्स

### हिंदुओं की आस्था से न खेले प्रशासनः अरुणा शंकर

**मेदिनीनगर।** गढ़वा जिले के भंडरिया थाना अंतर्गत मदगडी गांव में रविवार को मूर्ति विसर्जन के दौरान प्रशासन और ग्रामीणों के बीच झड़प की घटना सामने आई है। बताया जा रहा है कि इस घटना का मुख्य कारण प्रशासन द्वारा विसर्जन के रास्ते को बदलना था, जिससे ग्रामीणों में आक्रोश फैल गया। घटना की जानकारी मिलते ही मेदिनीनगर नगर निगम की प्रथम महापौर अरुणा शंकर रामानुजगंज अस्पताल पहुंचीं और घायलों से मुलाकात की। अरुणा शंकर ने इस मौके पर प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाए और कहा, 'ऐसे संवेदनशील मौकों पर प्रशासन को संयम से काम लेना चाहिए था। लेकिन मदगडी में पुलिस प्रशासन ने उग्र रवैया अपनाकर हिंदुओं की आस्था और भावना के साथ खिलवाड़ किया, जिससे स्थिति बिगड़ गई।' उन्होंने कहा कि जिस मार्ग से वर्षों से मां दुर्गा की प्रतिमा का विसर्जन हो रहा था, उसे बदलना अनुचित था। अगर इसे बदलना जरूरी था, तो प्रशासन को पहले हिंदू समुदाय के लोगों को विश्वास में लेना चाहिए था। लेकिन इसके बजाय, प्रशासन ने उनकी आवाज दबाने के लिए बल प्रयोग किया, जो गलत है। इस घटना की उच्चस्तरीय जांच की मांग करते हुए कहा कि दोषी पुलिसकर्मियों पर कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए। इस घटना में पुलिस की गोली से उदित कुमार गुप्ता घायल हुए, जिनके पैर से ऑपरेशन द्वारा गोली निकाली गई। वहीं, संजय गुप्ता पुलिस की लाठीचार्ज में गंभीर रूप से घायल हुए, जिनकी पैर की हड्डी टूट गई है। अरुणा शंकर ने घायल व्यक्तियों के परिजनों से भी मुलाकात की और कहा कि झारखंड सरकार जिस तरह का माहौल बना रही है, उससे ऐसा लगता है कि हिंदू समाज के लोगों को अपने त्योहार मनाना ही छोड़ देना चाहिए। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि प्रशासन द्वारा नियम-कानून की बंदिशें सिर्फ हिंदू त्योहारों के समय ही लागू की जाती हैं, जो अस्वीकार्य है। अरुणा शंकर ने यह स्पष्ट किया कि हिंदू समाज की आस्था पर इस प्रकार का हमला बर्दाश्त नहीं किया जाएगा, और इस मामले में न्याय की मांग की जाएगी।

### 13 साल बाद भी चिकित्सक विहीन रमना स्वास्थ्य केंद्र

**रमना।** आजादी के 78 साल और रमना प्रखंड में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बने 13 साल बीत चुके हैं, लेकिन आज भी यह स्वास्थ्य केंद्र चिकित्सक विहीन है। ग्रामीणों के लिए करोड़ों की लागत से बने इस स्वास्थ्य केंद्र का लाभ आज तक वे पूरी तरह से नहीं ले पाए हैं। अकुशल चिकित्सकों के सहारे ही इस क्षेत्र के लोगों की स्वास्थ्य समस्याओं का निदान हो रहा है, जिससे ग्रामीणों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। वर्ष 2008 में तत्कालीन स्वास्थ्य मंत्री भानु प्रताप शाही ने इस सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का शिलान्यास किया था, और 2011 में तत्कालीन विधायक अनंत प्रताप देव की उपस्थिति में इसका उद्घाटन किया गया था। लेकिन शुरूआत से ही यह केंद्र योग्य चिकित्सकों की कमी से जूझ रहा है। कुछ वर्षों तक यहां डॉक्टर मौजूद रहे, जिससे गरीब, मजदूर और लाचार लोगों को अच्छी स्वास्थ्य सुविधाएं मिलीं, लेकिन यह स्थिति लंबे समय तक नहीं बनी रही। सूचना पट के अनुसार, इन 13 वर्षों में यहां केवल दो चिकित्सक, अरुण कुमार और एस.के. रवि, ने लगभग दो वर्षों तक अपनी सेवाएं दीं। इनके जाने के बाद से यहां कोई भी स्थायी चिकित्सक नियुक्त नहीं किया गया। अब इस केंद्र पर केवल सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी (सीएचओ) को प्रतिनियुक्त किया गया है, जो पिछले दो सप्ताह से हड़ताल पर हैं। परिणामस्वरूप, यह सामुदायिक केंद्र आउटसोर्सिंग और एचआरएम एएनएम (सहायक नर्सिंग मिडवाइफ) के सहारे चल रहा है। एएनएम इंदु कुमारी ने निराशा व्यक्त करते हुए कहा कि 'आप लोग केवल तस्वीरें खींचने आते हैं, लेकिन डॉक्टर लाने के लिए कोई कदम नहीं उठाते।'

## एक नजर

### सड़क दुर्घटना में एक की मौत, आधा दर्जन घायल

**लातेहार।** जिले के मनिका थाना क्षेत्र अंतर्गत एनएच 39 पर दोमुहान के पास जेपीएस बस ने ओवरटेक करने के दौरान कार और टेम्पू को अपनी चपेट में ले लिया। घटना में एक की मौत हो गई है और आधा दर्जन से अधिक लोग घायल हुए हैं। स्थानीय लोगों ने घटना की जानकारी मनिका थाना को दी, जिसके बाद मनिका थाना प्रभारी शशि कुमार तुरंत मौके पर पहुंचे। घायलों को एम्बुलेंस के माध्यम से लातेहार सदर अस्पताल भेजा गया। अस्पताल में चिकित्सकों ने घटना में घायल सफदर इमाम को मृत घोषित कर दिया। अन्य घायलों को चिकित्सक डॉ. विवेक विद्यार्थी ने प्राथमिक उपचार किया और बेहतर इलाज के लिए रिम्स रेफर कर दिया। घायलों में अनिक अंसारी, ज्यान अंसारी, आयान अंसारी सभी इटकी, रांची के निवासी हैं। टेम्पू में सवार अमित कुमार (फंटूस) लातेहार के जुबली चौक के निवासी हैं जो घायल हैं। पूर्व मंत्री आलमगीर आलम के पीए अपने परिवार के साथ बेतला से घूमकर लौट रहे थे, तभी विपरीत दिशा से आ रही जेपीएस बस ने उन्हें चपेट में ले लिया, जिसमें उनके छोटे भाई सफदर इमाम की मौत हो गई। अन्य घायल हैं, और बस ने टेम्पू को भी अपनी चपेट में लिया है, जिसमें कुछ लोग घायल हैं, जिनकी स्थिति नाजुक बताई जा रही है। सभी घायलों को प्राथमिक इलाज के बाद बेहतर इलाज के लिए रिम्स रेफर किया गया है। वहीं, सफदर इमाम के शव का पोस्टमार्टम लातेहार सदर अस्पताल में किया गया और परिजनों को सौंप दिया गया।

### चंदवा: सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुई दुर्गा पूजा

**चंदवा।** असत्य पर सत्य की जीत का पर्व दशहरा प्रखंड क्षेत्र में सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हो गया। शनिवार देर शाम भक्तों ने धूमधाम से विसर्जन जुलूस निकाला, जिसमें बड़ी संख्या में महिला-पुरुष शामिल हुए और विभिन्न जलाशयों में मां दुर्गा की प्रतिमा का विसर्जन किया। हालांकि, कुछ पूजा समितियों ने रविवार को भी मां दुर्गा की प्रतिमा का विसर्जन किया। दशहरा के नवमी और दशमी तिथि को विभिन्न पूजा पंडालों में भक्तों की भारी भीड़ उमड़ी।

# कलश विसर्जन के दौरान 10 वर्षीय किशोर की तालाब में डूबने से मौत

नवीन मेल संवाददाता

**चतरा।** लावालौंग प्रखंड मुख्यालय स्थित तालाब में शनिवार को कलश विसर्जन के दौरान एक 10 वर्षीय बालक की डूबने से दुखद मृत्यु हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार दुर्गा पूजा पंडाल के कलश विसर्जन के समय रिशु कुमार नामक बालक का पैर फिसल गया और वह गहरे पानी में चला गया। घटना के समय काफी संख्या में श्रद्धालु लावालौंग थाना के पास स्थित बड़े तालाब में कलश विसर्जन कर रहे थे। रिशु को बचाने के लिए लोगों ने भरसक प्रयास किया, लेकिन सफल नहीं हो सके। बाद में घटना की सूचना प्रशासन को दी गई, जिसके बाद चौपारण से गोताखोरों की टीम बुलाई गई। करीब चार घंटे की कड़ी मेहनत के बाद गोताखोरों ने बालक के शव को तालाब से निकाला। इस घटना ने लावालौंग में दशहरे की खुशियों को मातम में बदल दिया।

### बारियातू: झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा की बैठक संपन्न

**बारियातू।** प्रखंड मुख्यालय के कांडरका नदी स्थित भीमराव अंबेडकर स्मारक के समीप रविवार को झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा की प्रखंड स्तरीय बैठक कुलदीप भोक्ता की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में लातेहार विधानसभा क्षेत्र के भावी प्रत्याशी संजय कुमार दास उपस्थित रहे। इस अवसर पर पार्टी के विस्तार एवं संगठन की मजबूती तथा विधानसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर विशेष रूप से चर्चा की गई।

## न्यूज बॉक्स

### दुर्गा पूजा हर्षोउल्लास के साथ शांतिपूर्ण संपन्न

**बालूमाथ।** प्रखंड क्षेत्र के शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों में दुर्गा पूजा का उत्सव 10 दिनों तक धूमधाम से मनाया गया। पूरे विधि-विधान के साथ पूजा-अर्चना की गई। इस दौरान जगह-जगह जागरण, सांस्कृतिक कार्यक्रम, और अन्य आयोजनों का आयोजन किया गया, जिससे पूरे प्रखंड में हर्षोल्लास का माहौल बना रहा। विजयदशमी के दिन शनिवार रात को भक्तों ने मां दुर्गा की प्रतिमा का विसर्जन नम आंखों के साथ किया। नवरात्रि के दौरान प्रखंड में पुलिस प्रशासन की सक्रियता भी देखी गई, जहां पूजा पंडालों में सुरक्षा व्यवस्था के लिए पुलिस बल तैनात किया गया था।

### प्रतिमा विसर्जन के साथ हेरहंज में दुर्गा पूजा का समापन

**हेरहंज।** प्रखंड क्षेत्र में मां दुर्गा की प्रतिमाओं के विसर्जन के साथ दुर्गा पूजा का त्योहार शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो गया। प्रखंड में विभिन्न स्थानों पर मां दुर्गा की दर्जनों प्रतिमाएं स्थापित की गई थीं, जहां श्रद्धालुओं ने नौ दिनों तक शारदीय नवरात्र के साथ-साथ रामचरितमानस पाठ का आयोजन किया। शुक्रवार को हवन और कन्या पूजन के कार्यक्रमों ने पूजा के धार्मिक अनुष्ठानों को पूर्ण किया। पूरे पर्व के दौरान पुलिस और प्रशासनिक व्यवस्थाएं चुस्त-दुरुस्त रहीं, जिससे सभी पूजा पंडालों में सुरक्षा सुनिश्चित की गई। प्रतिमा विसर्जन से पहले गाजे-बाजे के साथ शोभायात्रा निकाली गई और प्रतिमाओं को नम आंखों से निकटवर्ती तालाबों या नदी में विसर्जित किया गया।

### लातेहार में शोभायात्रा के साथ संपन्न हुआ दुर्गा पूजा महोत्सव

**लातेहार।** शनिवार को माता दुर्गा की प्रतिमाओं के विसर्जन के साथ 10 दिवसीय दुर्गा पूजा महोत्सव का समापन हुआ। गाजे-बाजे और माता के जयकारों के साथ निकाली गई शोभायात्रा ने नगर भ्रमण किया, जिसके बाद श्रद्धालुओं ने जलाशयों में प्रतिमाओं का विसर्जन किया। इससे पहले महानवमी के दिन शहर के विभिन्न पूजा स्थलों पर माता के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी रही। लातेहार स्टेशन, अंबाकोठी, राजा दुर्गा बाड़ी, श्री वैष्णव दुर्गा मंदिर, काली मंदिर, धर्मपुर और अन्य ग्रामीण क्षेत्रों के पूजा पंडालों में भी विशेष आयोजन किए गए। विजयादशमी के अवसर पर सभी पूजा समितियों द्वारा नगर भ्रमण के बाद नजदीकी जलाशयों में प्रतिमाओं का विसर्जन किया गया।

### शांति और सद्भावना के साथ हुआ दुर्गा प्रतिमाओं का विसर्जन

**चतरा/सिमरिया/पत्थलगड़ा।** नवरात्र और दशहरा का पर्व देवी दुर्गा की प्रतिमाओं के विसर्जन के साथ शनिवार देर शाम जिले में शांति और हर्षोल्लास के साथ संपन्न हो गया। जिला मुख्यालय समेत विभिन्न प्रखंडों के पूजा पंडालों में भक्तों की भारी भीड़ माता के दर्शन के लिए उमड़ी। इसके बाद श्रद्धालुओं ने माता दुर्गा और अन्य देवी-देवताओं की प्रतिमाओं का विसर्जन जुलूस निकालकर नदी, घाटों और जलाशयों में धूमधाम से किया।

**सिमरिया में रंगारंग आयोजन :** सिमरिया प्रखंड के बानासाडी दुर्गा पूजा समिति ने विसर्जन से पहले डांडिया और जागरण का आयोजन कर श्रद्धालुओं और दर्शकों को झूमने पर मजबूर कर दिया। वहीं सिमरिया बाजार टांड़, बेलगडा, डाडी, एदला, देल्हो, जबड़ा, बगरा, नवादा, सिला इचाक और चौपे आदिगांवों में भी प्रतिमाओं का उत्साहपूर्वक विसर्जन किया गया।

**प्रशासन की सख्त निगरानी :** पूरे जिले में विसर्जन के दौरान प्रशासन सतर्क रहा। एसडीओ सन्नी राज, एसडीपीओ प्रदीप कुमार, बीडीओ चंद्रदेव प्रसाद, सीओ गौरव कुमार राय और थाना प्रभारी मानव मयंक सहित अन्य अधिकारी उपद्रवियों पर कड़ी नजर रखे हुए थे।

# लाधूप के पचंबा में तीन माह से खराब है ट्रांसफार्मर

नवीन मेल संवाददाता

**चंदवा।** प्रखंड के लाधूप पंचायत अंतर्गत ग्राम दूधीमाटी के टोला पचंबा में लगा ट्रांसफार्मर लगभग तीन माह से खराब पड़ा हुआ है। ग्रामीण बालेश्वर भगत और पंचम लोहरा ने बताया कि करीब 6 माह पहले ही विभाग द्वारा नया ट्रांसफार्मर लगाया गया था, जो महज दो महीने के संचालन के बाद ही खराब हो गया। कई प्रयासों के बावजूद ट्रांसफार्मर नहीं बन पाया, जिसके कारण यहाँ के ग्रामीण 3 महीने से अंधेरे में रहने को विवश हैं। इस

क्षेत्र में जंगली हाथियों का आतंक भी रहता है, जिससे लोग रात के वक्त काफी डर और सहम के साथ रहते हैं। ग्रामीणों ने विभाग से जल्द से जल्द नया ट्रांसफार्मर लगाने की मांग की है। मांग करने वालों में पंसस पति सह समाजसेवी बुधन गंझू, सुनील उरांव, रूदवा देवी, सुकरमणि देवी समेत कई ग्रामीण शामिल हैं।

# अवैध पिस्टल के साथ युवक गिरफ्तार, सहयोगी फरार

नवीन मेल संवाददाता

**टंडवा (चतरा)।** चट्टी गाडीलौंग में अवैध पिस्टल के साथ एक युवक को गिरफ्तार करने में स्थानीय पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल की। युवक अपने सहयोगी के साथ मोटरसाइकिल पर सवार होकर किसी बड़ी घटना को अंजाम देने की योजना बना रहा था, जिसकी गुप्त सूचना पुलिस को मिली थी। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए युवक को पकड़ लिया, जबकि उसका सहयोगी मौके से फरार हो गया। सूत्रों के अनुसार, गिरफ्तार युवक टंडवा थाना क्षेत्र के कामता गांव का रहने वाला है और उससे पूछताछ में कई अहम जानकारियां मिलने की संभावना है। पुलिस अब फरार आरोपी और उसके सहयोगियों की तलाश में संभावित स्थानों पर छापेमारी कर रही है।

# सहायक अध्यापकों का झारखंड सरकार के खिलाफ पुतला दहन का निर्णय

नवीन मेल संवाददाता

**हेरहंज।** प्रखंड मुख्यालय स्थित दुर्गा मंडप में सहायक अध्यापकों ने प्रखंड अध्यक्ष मिथिलेश कुमार यादव की अध्यक्षता में एक बैठक की, जिसमें सरकार की वादा खिलाफी के विरोध में 14 अक्टूबर को लातेहार में जिला स्तरीय कार्यक्रम के तहत मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, शिक्षा मंत्री वैद्यनाथ राम, और गिरीडीह विधायक सुदिव्य कुमार सोनू का पुतला दहन करने का निर्णय लिया गया। इस कार्यक्रम में प्रखंड हेरहंज के सभी सहायक अध्यापक हिस्सा लेंगे। बैठक में प्रखंड उपाध्यक्ष खुर्शीद आलम ने कहा कि हेमंत सोरेन की सरकार ने पारा शिक्षकों के साथ वेतनमान का वादा कर उन्हें छलने का प्रयास किया है। सहायक अध्यापकों ने शिक्षक बनने की सभी योग्यताएं पूरी की हैं, लेकिन सरकार सत्ता में आने के बाद अपने वादों से मुकर गई है। इसी कारण हम सभी सरकार का पुतला दहन करने को मजबूर हुए हैं। प्रखंड अध्यक्ष मिथिलेश यादव ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि हेमंत सोरेन ने 2019 के विधानसभा चुनाव से पहले संविदा संवाद कार्यक्रम के तहत पारा शिक्षकों से यह वादा किया था कि उनकी सरकार बनने पर तीन महीने के भीतर वेतनमान दिया जाएगा। लेकिन सत्ता में आने के बाद सरकार अपने वादों से पीछे हट गई और अध्यापकों को केवल आश्वासन ही मिला। 28 अगस्त 2024 को शिक्षा मंत्री और शिक्षा सचिव के साथ वार्ता के बाद भी ईपीएफ और कल्याण कोष लागू नहीं किया गया, जिससे पूरे राज्य के सहायक अध्यापक नाराज हैं और अपने आप को ठगा हुआ महसूस कर रहे हैं। इस बैठक में सहायक अध्यापकों ने सरकार के खिलाफ आंदोलन तेज करने और 14 अक्टूबर को पुतला दहन कर विरोध दर्ज कराने का संकल्प लिया। आज की बैठक में फिलिस्ता कुमारी, फुलदेव तिग्गा, कमलेश यादव, गोपाल प्रसाद, जगदीश प्रसाद, विनोद कुमार गुप्ता, कमलेश प्रसाद गुप्ता, कुलेश्वर राम, बनवारी गंझू, महादेव यादव, और मनकेश्वर यादव समेत दर्जनों पारा शिक्षक उपस्थित थे।

# भाजपा सांसद कालीचरण सिंह की तबीयत बिगड़ी

नवीन मेल संवाददाता

**चतरा।** भाजपा सांसद कालीचरण सिंह की अचानक तबीयत बिगड़ गई है। उन्हें तत्काल सदर अस्पताल चतरा के आईसीयू में भर्ती कराया गया है। सांसद के तबीयत बिगड़ने की सूचना मिलते ही अस्पताल परिसर में उनके समर्थकों की भीड़ लग गई।

**इलाज और स्वास्थ्य जानकारी:** अस्पताल के सूत्रों के अनुसार, सांसद को ब्लड प्रेशर और गैस की समस्या है। बेहतर इलाज के लिए उन्हें रांची स्थित रिम्स (राजेंद्र इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज) भेजा गया है। पारिवारिक सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, सांसद की तबीयत सुबह से ही ठीक नहीं थी।

**कार्यक्रम में शामिल होने गए थे:** क्षेत्र से आए लोगों के आग्रह पर कालीचरण सिंह कान्हाचट्टी में एक

समारोह में शामिल होने गए थे। इसी बीच उन्हें पेट में हल्का दर्द महसूस हुआ, जिसके बाद उन्हें आनन-फानन में सदर अस्पताल लाया गया। सांसद सिंह ने बताया कि आज सुबह से मेरा बीपी लो था। ग्रामीणों के आग्रह पर मुझे कान्हाचट्टी के एक समारोह में जाना पड़ा। उसके बाद मेरी तबीयत बिगड़ गई थी। अब मैं पूर्ण रूप से राहत महसूस कर रहा हूं और चिकित्सकों की सलाह पर रांची जा रहा हूं। जल्द ही स्वस्थ होकर आप सबों के बीच में रहूंगा।

# खरवार-भोगता समाज ने की पीड़ित अजित गंझू से मुलाकात, पुलिस पर गंभीर आरोप

नवीन मेल संवाददाता

**हेरहंज।** प्रखंड क्षेत्र के मारी ग्राम में खरवार-भोगता समाज विकास संघ के जिला अध्यक्ष प्रेम गंझू के नेतृत्व में समाज के लोग पीड़ित अजित गंझू के परिवार से मिलने पहुंचे। अजित गंझू की तबीयत गंभीर है, उनके माथे पर गहरी चोट लगी है, जिससे उनके कान की झिल्ली क्षतिग्रस्त हो गई और कान से रक्तस्राव रुक-रुक कर हो रहा है। साथ ही, उन्हें सुनाई भी बहुत कम दे रहा है। घटना के बारे में चर्चा के दौरान पता चला कि पीड़ित अजित गंझू, जो भाड़े पर ट्रैक्टर चलाते हैं, कच्चा टोला के मनोज गंझू के खेत में सरसों की बुआई के लिए जुताई करने गए थे। पुलिस द्वारा पूछताछ के दौरान सही जानकारी देने के बावजूद उन्हें बेरहमी से पीटा गया, जिससे वे बेहोश हो गए। पास में मौजूद लोगों ने उन्हें घर पहुंचाया। यह घटना 4 अक्टूबर 2024 की सुबह की है। हालात बिगड़ने पर अजित को बालूमाथ अस्पताल ले जाया गया, जहां से उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए उन्हें रांची रिम्स रेफर कर दिया गया। इस घटना की जानकारी हेरहंज थाना को 8 अक्टूबर 2024 को दी गई, परंतु प्रशासन की ओर से अभी तक कोई कदम नहीं उठाया गया है। पीड़ित परिवार और समाज के लोगों ने न्याय की गुहार लगाई है। उन्होंने पुलिस की दमनकारी कार्रवाई का विरोध किया और चेतावनी दी कि यदि न्याय नहीं मिला तो वे पुलिस अधीक्षक और एससी/एसटी थाने में सामूहिक रूप से लिखित शिकायत करेंगे।

### मां दुर्गा की नम आंखों से दी गई विदाई

**बारीयातू।** प्रखंड क्षेत्र में शारदीय नवरात्र पर मां दुर्गा की पूजा भक्तिभाव से सम्पन्न हुई। बारियातू मुख्यालय स्थित दुर्गा बड़ी मंदिर सहित फूलसु, गोनिया, शिबला, बालूभांग, टोंटी, अमरवाड़ीह, डढ़ा, साल्वे ईन सभी पंचायतों में श्रद्धालुओं ने विजय दशमी के दिन मंत्रोच्चारण से हवन पूजन किया। पूजा समितियों द्वारा शनिवार को जयकारे और गाजे-बाजे के साथ दुर्गा मां, लक्ष्मी, गणेश, सरस्वती और कार्तिकेय की प्रतिमाओं का विसर्जन किया गया। विसर्जन यात्रा निर्धारित मार्ग से होती हुई नदी और तालाब के तट पर पहुंची, जहां मंगलकामना करते हुए श्रद्धालुओं ने नम आंखों से मां दुर्गा की विदाई दी और प्रतिमा का विसर्जन किया। प्रखंड के नौ पंचायतों में सभी पूजा स्थलों की सुरक्षा के दृष्टिकोण से थानेदार राजादिलावर के नेतृत्व में जायजा लिया गया, साथ ही कई पुलिसकर्मियों ने शांतिपूर्ण तरीके से प्रतिमा विसर्जन कराने में मुख्य भूमिका निभाई। क्षेत्र के सभी स्थानों पर शांतिपूर्ण वातावरण में पूजा सम्पन्न हुआ।

### महुआडांड़: दुर्गा विसर्जन जुलूस के साथ श्रद्धालुओं ने मां की विदाई की

**महुआडांड़।** प्रखंड मुख्यालय स्थित दुगाबाड़ी मंदिर परिसर से रविवार को मां दुर्गा का विसर्जन जुलूस निकाला गया। ह्लबड़ा रे, जतन से मूर्ति बनवली, कैसे करी हम विदाईह्व जैसे भक्ति गीतों एवं माता शेरावाली का जयकारा लगाते हुए सैकड़ों की संख्या में प्रखंड के सनातनी महिला एवं पुरुष भक्तों ने नगर भ्रमण किया। हिंदू समुदाय ने शंखनाद के साथ पूरी आस्था और भक्तिमय वातावरण में मां दुर्गा की विदाई की। रामपुर स्थित छठ घाट के समीप तालाब में स्थानीय ब्राह्मणों द्वारा विधि-विधान से पूजा-अर्चना करने के पश्चात विसर्जन का कार्य शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ।

सत्यमेव जयते
सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय
भारत सरकार

सामाजिक न्याय और अधिकारिता विभाग
वर्ष 2024 - 25 के लिए
एससी तथा अन्य लाभवंचित समूहों के छात्रों हेतु
मैट्रिक-पूर्व छात्रवृत्ति योजना के अंतर्गत
छात्रवृत्तियों की घोषणा करता है।

पात्रता
घटक - I
- एससी वर्ग से संबंधित छात्र
- माता - पिता / अभिभावक की वार्षिक आय 2.50 लाख रुपए से अधिक नहीं होनी चाहिए

घटक - II
- छात्र जिनके माता-पिता/ अभिभावक सफाई तथा स्वास्थ्य के लिए खतरनाक व्यवसायों में कार्यरत है
- कोई आय सीमा पात्रता नहीं है

कार्य क्षेत्र
- मान्यता प्राप्त विद्यालयों के कक्षा 9 तथा कक्षा 10 में अध्ययनरत छात्र
- लाभार्थियों का चयन राज्य सरकार/ संघ राज्य क्षेत्र द्वारा किया जाएगा
- सबसे गरीब परिवारों के आवेदको को प्राथमिकता

- मान्यता प्राप्त विद्यालयों के कक्षा 1 से कक्षा 10 में अध्ययनरत छात्र
- लाभार्थियों का चयन राज्य सरकार/ संघ राज्य क्षेत्र द्वारा किया जाएगा
- सबसे गरीब परिवारों के आवेदको को प्राथमिकता

छात्रवृत्ति
- प्रतिवर्ष 3500/- रुपए से 7000/- रुपए का अकादमिक भत्ता
- दिव्यांग छात्रों (विशेष रूप से सक्षम) के लिए 10% अतिरिक्त भत्ता

- प्रतिवर्ष 3500/- रुपए से 8000/- रुपए का अकादमिक भत्ता
- दिव्यांग छात्रों (विशेष रूप से सक्षम) के लिए 10% अतिरिक्त भत्ता

- छात्र अपने संबंधित राज्य छात्रवृत्ति पोर्टल पर आवेदन करें
- छात्र के पास वैध मोबाइल नम्बर, आधार नम्बर (यूआईडी), आधार से जुड़ा बैंक खाता, आय प्रमाण-पत्र तथा जाति प्रमाण-पत्र होना चाहिए।

शीघ्र आवेदन करें

- योजना के दिशा-निर्देश तथा विस्तृत पात्रता मानदंड नीचे दिए गए लिंक पर उपलब्ध हैं।
http://socialjustice.gov.in/schemes/23

cbc38101/11/0025/2425

## ग्रामीण क्षेत्रों में भी धूमधाम से मनाया गया दशहरा

# विजयादशमी पर 75 फीट ऊंचे रावण के पुतले का दहन

नवीन मेल संवाददाता

**चतरा/ इटखोरी/ पत्थलगडा।** विजयादशमी के अवसर पर शनिवार देर शाम असत्य पर सत्य की विजय के प्रतीक के रूप में जिला मुख्यालय समेत इटखोरी, टंडवा, पत्थलगड़ा आदि प्रखंडों में रावण का पुतला दहन किया गया। इन कार्यक्रमों को देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग उमड़े। पूजा समितियों द्वारा 40 से 75 फीट ऊंचे रावण के पुतले तैयार किए गए थे, जिन्हें जलाने के साथ ही पूरे क्षेत्र में आतिशबाजी का दृश्य देखने को मिला।

### इटखोरी में ऐतिहासिक आयोजन

इटखोरी के परोका में 1993 से लगातार दशमी के दिन रावण दहन का आयोजन हो रहा है। इस साल 75 फीट ऊंचे रावण के पुतले का दहन क्षेत्र के विधायक किशुन कुमार दास, संयोजक बसंत नारायण सिंह और अध्यक्ष गौतम सिंह ने रॉकेट चलाकर किया। पुतला धू-धू कर जलता रहा, और आतिशबाजी से पूरा माहौल रोशन हो गया। इस आयोजन में अनिल राणा, बसंत नारायण सिंह, गिरजेश प्रसाद, बीजेश प्रसाद, रंजीत सिंह, श्याम सुंदर राणा और अजय पासवान का अहम योगदान रहा।

### पत्थलगड़ा और नावाडीह में भी रावण दहन

पत्थलगड़ा प्रखंड मुख्यालय स्थित फुटबॉल मैदान और नावाडीह बाजार टांड़ में भी रावण दहन का आयोजन हुआ। यहां भव्य मेले का भी आयोजन किया गया, जिसमें हजारों लोगों की भीड़ उमड़ी। कार्यक्रम के दौरान विधि व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए बीडीओ कलिंदर साहू, सीओ उदल राम और थाना प्रभारी आलोक रंजन चौधरी मौजूद रहे। पत्थलगड़ा खेल मैदान में रावण दहन प्रशासन की देखरेख में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

### उल्लेखनीय सहभागिता

इस अवसर पर भाजपा नेता सुजीत भारती, भरत साव, उपप्रमुख संजय गुप्ता, पंचायत समिति सदस्य मनोज भुइयां सहित कई स्थानीय नेता और बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

अगले वर्ष जल्दी आ मां





# देवस्थल में धूमधाम से संपन्न हुई दुर्गा पूजा

**नवीन मेल संवाददाता। लोहरदगा**
देव स्थल में धूमधाम से संपन्न हुआ शारदीय नवरात्र। लोहरदगा स्थित शांति नगर के देव स्थल प्रांगण में धूमधाम से मनाया गया। दुर्गा पूजा आचार्य सूरज मिश्रा की मार्गदर्शन में मां दुर्गा के विभिन्न स्वरूपों के पूरे भक्ति भाव के साथ वैदिक मंत्र के साथ पूजा संपन्न हुए। महा अष्टमी एवं नवमी के दिन महिलाओं ने डांडिया में भी शामिल होकर पूरे भाव के साथ भक्ति में वातावरण में मनाए गए। देवस्थल प्रांगण स्थित सरोवर में विजयदशमी के दिन शनिवार को मूर्ति विसर्जन पूरे विधि विधान के साथ मां को विदाई दी गई। मौके पर महिला एवं पुरुष श्रद्धालुगण उपस्थित रहे।

### बिंदेश्वर उरांव ने भंडरा में किया रावण दहन, कहा

## भगवान राम के आदर्शों को हम अपने जीवन में आत्मसात करें

**नवीन मेल संवाददाता। भंडरा**
दशहरा का त्योहार असत्य पर सत्य, अधर्म पर धर्म, अन्याय पर न्याय और बुराई पर अच्छाई का विजय पर्व है। हम आज इस त्योहार को हर्षोल्लास के साथ मना रहे हैं। एक-दूसरे के साथ मिलजुल कर इस पर्व की खुशियों को बांट रहे हैं। इस अवसर पर भंडरा प्रखंड वासियों को दशहरा एवं विजयदशमी की हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं। भाजपा अनुसूचित जनजाति मोर्चा के प्रदेश महामंत्री बिंदेश्वर उरांव विजयादशमी के अवसर पर भंडरा नव युवक संघ दुर्गा पूजा कमेटी द्वारा भंडरा थाने के समीप में आयोजित रावण दहन कार्यक्रम को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सदियों से दशहरा का त्योहार इसलिए मनाते आ रहे हैं कि इस दिन भगवान श्रीराम ने रावण का वध किया था। आज हर वर्ष की भांति इस बार भी रावण दहन कार्यक्रम में यहां हजारों की संख्या में श्रद्धालु मौजूद हैं। हम सभी भगवान राम के आदर्शों को अपने जीवन में आत्मसात करें और सत्य एवं सदाचार के रास्ते पर आगे बढ़ें। विशिष्ट अतिथि आजसू नेत्री नीरू शांति भगत ने कहा की दशहरा का त्योहार असत्य पर सत्य की जीत और बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है। इस दिन 10 दिन से चलने वाले युद्ध में मां दुर्गा ने महिषासुर का वध कर दिया था और भगवान राम ने रावण का अंत करके लंका पर विजय प्राप्त की थी। हम सब को भी अपने अंदर छिपे रावण को मार कर नये सोच व ऊर्जा के साथ सत्य की राह मे आगे बढ़ना होगा. तभी राज्य व देश आगे बढ़ेगा. इस अवसर पर आतिशबाजी का मनभावन नजारा का हजारों लोगो ने जमकर लुफ्त उठाया। कार्यक्रम में बीडीओ प्रतिमा कुमारी, सीओ दुर्गा कुमार, थाना प्रभारी अरबिंद कुमार सिंह, प्रभारी चिकित्सक डॉ संजय कुमार, अनीता साहू, दिलीप साहू, अनिल साहू सहित अन्य गणमान्य लोग बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

### सढ़ाबे पहाड़ पर लगने वाले जतरा मेला के लिए टीम चयनित

**कैरो /लोहरदगा।** प्रखंड के सढ़ाबे पहाड़ में लगने वाला जतरा मेला के लिए सर्वसमिति से टीम का चुनाव किया गया। जिसमे अध्यक्ष राम उराव, उपाध्यक्ष राजेंद्र महतो, किशोर उराव, लखन उराव, बुधराम उराव, चिखु उराव
राजेश्वर भगत, मनोज यादव, बोलवा उराव, कोषाध्यक्ष शशि उराव, फूलकुमार भगत ,रोहित उराव ,संरक्षक ग्राम प्रधान सानिया भगत, मुखिया सुमित्रा उराव, पंसस सीमा भगत, पहान कर्मदयाल भगत ,पुजार सकलू उराव, मोनिटिंग टीम भओका उराव ,धनेश्वर साहू, गोबर्धन उराव को चुना गया।मौके पर नागो उराव, जशिंग उराव, संदीप उराव, बिक्रम उराव, गोबर्धन उराव, अमित उराव, धुचु उराव ,चमरा उराव ,संजय उराव, बुधवा उराव ,भीम, राकेश, बिनोद, पांचू महली, रबी उराव ,प्रदीप महली, सुनील उराव, सुबोध साहू संदीप, सीटू उराव ,देनी साहू ,गजु भगत, तुलसी उराव इत्यादि ग्रामीण उपस्थित थे सर्वसमिति से निर्णय लिया गया की प्रतेक वर्ष की भाती इस वर्ष भी मेला में लगभग 50 खोड़ा को निमंत्रण दिया जाएगा साथ ही तीन गांव को भून्यारी बुलाया जाएगा और अच्छा प्रदर्शन करने वाले खोड़ाहा को पुरसस्कृत किया जाएगा।

### केंद्रीय दुर्गा पूजा समिति के रावण दहन कार्यक्रम में उमड़ी हजारों की भीड़

# असत्य पर सत्य की जीत का प्रतीक है महापर्व विजयादशमी : उपायुक्त

- धूमधाम से संपन्न हुआ रावण दहन कार्यक्रम धू धू कर जला पापरूपी रावण, मेघनाद व कुंभकर्ण
- पंडाल सज्जा में बीआईडी दुर्गा पूजा समिति व विद्युत सज्जा में हरिजन स्कूल प्रथम
- रावण दहन के दौरान जयश्री राम के जयकारे से गूंज उठा मेला परिसर

**नवीन मेल संवाददाता। लोहरदगा**
असत्य पर सत्य की जीत का प्रतीक विजयदशमी का त्योहार लोहरदगा में भव्य रूप से मनाया गया। रावण दहन कार्यक्रम मुख्य सड़क से लगभग एक किमी दूर बक्शीडीपा मैदान में रखा गया था। असत्य पर सत्य की जीत के पर्व दशहरा का उल्लास सभी पर छाया रहा। दूर दूर से लोग आए, एक से बढ़ कर एक पारंपरिक ढोल,नगाड़े,मांदर, घंट की धुन में लोग थिरकते रहे।
हजारों की संख्या में श्री राम और माता दुर्गा के भक्तों की भीड़ में रावण दहन का कार्यक्रम किया गया। लोगो मे एक अलग हीं उत्साह नजर आया। आकर्षक आतिशबाजी ने सभी का मन मोह लिया। श्री राम, लक्ष्मण और हनुमान जी के प्रतिरूप के द्वारा रावण, मेघनाद व कुम्भकर्ण का दहन किया गया। जय श्रीराम के उद्घोष से सारा वातावरण राममय हो गया। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि पूर्व राज्यसभा सांसद धीरज प्रसाद साहू, उपायुक्त बाघमारे प्रसाद कृष्ण, पुलिस अधीक्षक हारिश बिन जमां, अनुमंडल पदाधिकारी अमित कुमार, एलआरडीसी सुजाता कुजूर, आईटीडीए निदेशक सुषमा नीलम सोरेंग, डीएसडब्ल्यू, डीएसपी मुख्यालय समीर कुमार तिर्की, अजय नाथ साहदेव, नीरू शांति भगत,ओम प्रकाश सिंह,चंद्र शेखर अग्रवाल,संदीप गुप्ता, इंद्रजीत लकड़ा,मिथुन तमेड़ा सहित वरिष्ठ संरक्षकगण सहित अन्य शामिल हुए। पंडाल सज्जा में बी आई डी - प्रथम, रेलवे साइडिंग - द्वितीय व थाना टोली - तृतीय रही। वही लाइट सज्जा में हरिजन स्कूल -प्रथम, तेतरतर - द्वितीय व मैना बगीचा - तृतीय रही। वही ग्रामीण पंडाल सज्जा में कुडू बस स्टैंड - प्रथम, बरही - द्वितीय, ग्रामीण लाइट में भंडरा प्रथम व किस्को द्वितीय रही। वही खोड़हा दलों और कलाकारों को सम्मानित किया गया।
इधर आतिशी नजारों के बीच रावण का दंभ देखते-देखते धूं-धूं कर चूर हो गया। इससे पहले आसमान रंग-बिरंगे आतिशी नजारे से नहा उठा, जिसे देखने के लिए लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। रावण दहन के दौरान जयश्री राम के जयकारे गूंज उठे। आतिशबाजी के बीच भयंकर गर्जना के बीच जैसे ही 65 फीट ऊंचे रावण, 55 फीट मेघनाथ, और 60 फीट कुंभकरण की तलवार से फूटती चिंगारियां और आसमान में आतिशबाजी को देख लोगों ने भगवान श्रीराम के जयकारें लगाए। रावण का विकराल रूप देख लोग नजारे को अपने मोबाइल में कैद करते नजर आए। ठाकुर बाड़ी मंदिर से विशेष रूप से राम,लक्ष्मण, और हनुमान स्वरूप की झांकी आई। ड्रोन और मचान से सभी पर निगरानी रखी जा रही थी ताकि किसी को कोई परेशानी ना हो, सुरक्षा के पूरे पुख्ता इंतजाम किए गए थे।

**पूर्व राज्यसभा सदस्य धीरज प्रसाद साहू** ने जिलेवासियों को विजयादशमी की बधाई दी। उन्होंने कहा अधर्म पर धर्म की जीत ही दुर्गा पूजा और रावण दहन कार्यक्रम है। वही उपायुक्त डॉ वाघमारे प्रसाद कृष्ण ने कहा कि असत्य पर सत्य की जीत का प्रतीक महापर्व है विजयादशमी। हर साल हम विजयादशमी पर रावण दहन करते है। इस मौके पर हमें यह संकल्प लेना चाहिए कि क्रोध,अहंकार, गंदगी, भ्रष्टाचार और गरीबी रूपी रावण का हम लोग दहन करेंगे। देश और समाज को तोड़ने वाली शक्तियों को हराकर एक समरस समाज का निर्माण करेंगे। कहा कि लोहरदगा के लोगों ने बड़े ही प्रेम,शांति, और सौहार्द से पर्व को मनाया।

**एसपी हारिश बिन जमां** ने कहा कि दशहरा पर्व बुराई पर अच्छाई का प्रतीक है। इस मौके पर अपने अंदर छुपे हुए रावण का वध करने का संकल्प लेना चाहिए। समाज में ऐसे कई रावण घूम रहे हैं उससे बचने की जरूरत है। कहा कि दशहरा असत्य,अत्याचार से लड़ने की प्रेरणा देता है, पुलिस प्रशासन ने पूरी तन्मयता से विधि व्यवस्था को बनाए रखने में कोई कसर नहीं छोड़ी जिसमें सभी का भरपूर सहयोग मिला। एसडीओ अमित कुमार ने मां दुर्गा को शक्ति की माता बताते हुए कहा कि इस दिन असत्य पर सत्य की जीत या कहे तो विजय प्राप्त हुआ था। कहा कि यह हमारी प्राचीन परंपरा है। आज के दिन असत्य पर सत्य और बुराई पर अच्छाई की जीत को मनाते हैं।

### समाज हित में शत प्रतिशत भागीदारी सुनिश्चित करने का प्रयास रहेगा : ऐनुल अंसारी



**लोहरदगा।** जिले के कुडू प्रखंड के उप प्रमुख ऐनुल अंसारी के सामाजिक कार्यों से प्रेरित होकर झारखंड प्रदेश यूथ मोमिन कांफ्रेंस के प्रदेश अध्यक्ष नौशाद आलम ने उन्हें लोहरदगा जिला का यूथ मोमिन कॉन्फ्रेंस अध्यक्ष बनाया है। इसके लिए ऐनुल अंसारी ने झारखंड प्रदेश मोमिन कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष आबिद अली ,नौशाद आलम ,एवं प्रदेश व लोहरदगा जिले के तमाम मोमिन कॉन्फ्रेंस के सम्मानित पदाधिकारियों का शुक्रिया अदा किया है। ऐनुल अंसारी ने कहा कि मोमिनों के हित में बेहतर करने हेतु आलाकमान द्वारा सौंपी गई जिम्मेदारियों का शत-प्रतिशत निर्वहन करने का प्रयास रहेगा। जिला के हर कस्बे और गांवों में जनसंपर्क अभियान चलाकर एक एक मोमिन को कॉन्फ्रेंस से जोड़ा जाएगा। ऐनुल अंसारी ने कहा कि प्रदेश अध्यक्ष आबिद अली, व नौशाद आलम, के द्वारा दी गई जिम्मेदारी को पूरी इमानदारी और निष्ठा पूर्वक अनुपालन करने का कार्य किया जाएगा।

## प्राचीन दुर्गा पूजा समिति चांदकोपा में रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति



**नवीन मेल संवाददाता। लोहरदगा**
प्राचीन दुर्गा पूजा समिति चांदकोपा के तत्वावधान में दशहरा के पावन अवसर पर प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी महासप्तमी एवं महा अष्टमी के दिन रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सर्व प्रथम समिति के द्वारा गांव के सभी बड़े बुजुर्गों को शॉल व श्रीफल देकर सम्मानित किया गया। तदोपरांत छोटे-छोटे बच्चे बच्चियों के द्वारा मनमोहक नृत्य प्रस्तुत किया गया, बच्चों के द्वारा इंटेलिजेंट मास्टर नामक हास्य एकांकी नाटक का मंचन किया गया। बाल कलाकारों ने अपने अभिनय से उपस्थित दर्शकों को खूब हंसाया।सबसे आकर्षण का केंद्र मां दुर्गा के नौ रूपों को नौ कन्या बनकर बहुत सुंदर रूप में प्रस्तुत किया गया! इसे देखकर दर्शक मंत्र मुग्ध हो गए। तालिया की गड़गड़ाहट से वातावरण गुंजायमान हो गया। नृत्य में - हनी कुमारी, दीक्षा कुमारी, अंश कुमार साहू, हर्ष कुमार, सचिन, भोला, अभिनव, प्रियांशी, आस्था, अनुष्का, चुन्नू, ऋतिक, प्रज्ञा, प्रियांशु एवं वेदांशु ने भाग लिया। नवदुर्गा बनी - खुशी कुमारी, पलक कुमारी, अंजली कुमारी, परी कुमारी, वंदना कुमारी, आकांक्षा कुमारी, कोमल कुमारी, दीपा कुमारी, न्यासा, सृष्टि, जागृति, एवं ज्योति! पूरे कार्यक्रम का मंच संचालन पवन कुमार के द्वारा किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में समिति के अध्यक्ष बृजेश साहू, लोकेश साहू, अरविंद साहू, प्रदीप साहू, आनंद साहू, रंजीत साहू,रामजतन राम, बबलू राम, उपेंद्र साहू, सूरज साहू, पंकज साहू, मुकेश साहू,सिकंदर साहू, कपिल साहू,प्रवीण साहू, नितिन,सावन कुमार, दिलु साहू,प्रणव आदि का सराहनीय योगदान रहा।

### श्रीश्री दुर्गाबाड़ी में भव्य भंडारे का हुआ आयोजन

**लोहरदगा।** नवरात्र पर लोहरदगा के श्रीश्री दुगार्बाड़ी में भव्य भंडारे का आयोजन किया गया। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भंडारे का प्रसाद ग्रहण किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि पूर्व राज्यसभा सांसद धीरज प्रसाद साहू ने श्रद्धालुओं के बीच भंडारे का प्रसाद का वितरण किया। धीरज ने कहा कि जिले में दुर्गा पूजा का इतिहास दुगार्बाड़ी से जुड़ा हुआ है। यहां वर्ष 1936 से बंगाली समुदाय द्वारा लगातार दुर्गा पूजा का पारंपरिक रूप से आयोजन किया जाता है। मेरा नाता इस मंदिर से बहुत पुराना रहा है। यहां पर पहुंचकर आज भी वही शांति, सुकून और प्रसन्नता का एहसास होता है जो अपने बचपन में महसूस किया करता था। आज भी यहां का माहौल दुर्गा पूजा के उत्साह को दोगुना कर देता है। एक और जहां देशभर में भव्य पंडाल निर्मित कर पूजा का आयोजन किया जाता है।

## जलाशयों में विसर्जित की गईं मां दुर्गा की प्रतिमाएं

**अगले साल आगमन की कामना के साथ माता को किया विदा**





**नवीन मेल संवाददाता। लोहरदगा**
शारदीय नवरात्र के समापन के बाद शनिवार की देर शाम और रविवार को शहर के विभिन्न स्थानों पर पूजा पंडालों में स्थापित मां दुर्गा की प्रतिमाओं को विधि-विधान से नदी तालाबों में विसर्जित किया गया। विभिन्न पूजा पंडालों में स्थापित प्रतिमाओं को विसर्जन से पूर्व विधि विधान के साथ पूजा व भोग लगाकर पूजा की। इसके बाद भक्तों ने माता को विदा कर अगले वर्ष आने की प्रार्थना की। विसर्जन के दौरान प्रतिमाओं वाले वाहन पर लाउडस्पीकर लगे थे। विसर्जन स्थलों पर पुलिस बल तैनात रहा। मां की प्रतिमाओं को नम आंखों से विसर्जित किया गया। विसर्जन घाट पर शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौजूद थे। अधिकारियों की देखरेख में देर शाम तक प्रतिमाओं का विसर्जन चलता रहा। मां दुर्गा की मूर्ति को गाजे-बाजे के साथ नम आंखों से नदी तालाब में विसर्जित किया गया।

### दशहरा पर हुआ हवन पूजन, कई स्थानों पर जलाया गया रावण

**लोहरदगा।** दशमी के दिन सुबह से ही मंदिरों और घरों में हवन पूजन के साथ नवरात्र व्रत का श्रद्धालुओं ने समापन किया। इस दौरान कन्या पूजन सहित अन्य धार्मिक अनुष्ठान किए गए। कुछ लोगों ने देवी मंदिरों में तो कुछ ने घरों पर हवन यज्ञ किया। लोहरदगा के कई स्थानों पर रावण का पुतला भी दहन किया गया। शहर में अपने अपने घर के सामने, छत के ऊपर भी छोटे छोटे रावण का निर्माण कर परम्परागत तरीके से रावण दहन किया गया।

# जनता की जनआकांक्षाओं के अनुरूप कार्य किया जा रहा है : रामेश्वर उरांव

### विभिन्न प्रखंडों को जोड़ने वाले पांच पथों का किया शिलान्यास

**नवीन मेल संवाददाता। लोहरदगा**
स्थानीय विधायक सह मंत्री डॉ रामेश्वर उरांव और पूर्व राज्यसभा सांसद धीरज प्रसाद साहू ने संयुक्त रूप से पांच मुख्य पथों का शिलान्यास किया। जिसमे ग्राम बड़ागाईं, भंडरा तथा कैरो प्रखंड अंतर्गत बड़ागाई चट्टी में कुल 11 सड़कों का शिलान्यास एवं नदिया मोड़ से अरकोसा रामपुर इरगांव होते हुए कुल 8 सड़कों एवं भंडरा तक पथ शिलान्यास एवं ग्राम सलगी मुख्य पथ से गर्भु टोली राजकुमार भगत के घर तक पथ निर्माण शिलान्यास एवं ग्राम कोलसिमरी से ग्राम लावागाइं तक पथ एवं हनहठ लोहरा टोली भूखन लोहरा के घर से दरदरा नदी तक पथ शिलान्यास किया गया। इस सड़क निर्माण कार्य के लिए ग्रामीणों ने विधायक का आभार व्यक्त किया।मौके पर मंत्री डॉ रामेश्वर उरांव ने कहा कि



लोहरदगा की जनता की जनआकांक्षाओं अनुरूप विकास कार्य किया जा रहा है। जनता की माँग थी कि उक्त ग्रामों की सड़क जर्जर अवस्था में है एवं आवागमन में बरसात के दिनों में काफी समस्या होती है। इसपर हमनें त्वरित कारवाई किया एवं अब ये सड़कें जल्द बन कर तैयार होंगी और ये लोहरदगा में मिनी कॉरिडोर का काम करेंगे। पूर्व राज्यसभा सांसद धीरज प्रसाद साहू ने कहा कि लोहरदगा की सभी जर्जर सड़कों पर ध्यान आकृष्ट कर पहल की जा रही है पिछले दिनों 12 सड़कों का शिलान्यास किया जा चुका है एवं कार्य प्रगति पर है , ग्रामीण इस पर स्वयं निगरानी करें ,मंत्री डॉ रामेश्वर उरांव लोहरदगा के विकास के लिए पुरजोर प्रयास कर रहे हैं एवं झारखंड गठबंधन सरकार सभी क्षेत्रों में अच्छा कार्य कर रही है। मौके पर विधायक प्रतिनिधि निशीथ जायसवाल, जुगल भगत,विशाल डुंगडुंग, अरसद अयूब,ऐनुल अन्सारी,रौनक इकबाल, रेहान अख़्तर, अशोक पाहन, आदि उपस्थित थे।

## अलग-अलग सड़क दुर्घटना में बच्चे सहित दस घायल

**नवीन मेल संवाददाता। सेन्हा-लोहरदगा**
शनिवार शाम को अलग अलग सड़क दुर्घटना में महिला पुरुष एवं बच्चे सहित 10 लोग घायल हो गये. सभी घायलों को अस्पताल में ग्रामीणों की मदद से भर्ती कराया गया. विदित हो की सेन्हा थाना क्षेत्र के बक्सीडीपा में आयोजित विजयादशमी मेला से घर लौटने के दौरान एन एच 143 ए पथ पर टेम्पू पलटने से 6 वर्षीय बच्ची सहित दो महिला घायल हो गये। सभी घायलों की पहचान नौदी ग्राम निवासी सुनील उराँव का 19 वर्षीय पुत्री लक्ष्मी कुमारी कल्हेपाट निवासी सोमनाथ उराँव की पत्नी संगम कुमारी तथा प्रदेशीया उराँव के 6 वर्षीय पुत्री प्रिया उराँव के रूप में किया गया।जबकि दूसरा घटना एकागुड़ी चौक के समीप पथ के किनारे खेत में अनियंत्रित हो टेम्पु जा पलटा जिसमें सवार कुम्हरिया निवासी राजेन्द्र महली का 25 वर्षीय पत्नी प्रियंका देवी,पुत्र रितिक महली,महरु महली का पुत्र राजेन्द्र महली,सचिन महली के 26 वर्षीय पत्नी सबिता देवी,7 वर्षीय पुत्र अभिषेक महली ढेड़ माह के पुत्र श्रियांस महली के रूप में किया गया वही बताया जाता है।कि मेला से लौटने के दौरान अपने रिश्तेदार के घर डांडू बिनोद महली के घर टेम्पू में सवार हो जा रहे थे।कि टेम्पू चालक गांजा का नाश कर टेम्पु चला रहा था।और जैसे ही टेम्पू अनियंत्रित हुआ तो चालक कूद कर घटना स्थल से भाग निकला तीसरा घटना कोराम्बे गोरा टोली के समीप का बताया जा रहा है। मिली जानकारी के अनुसार अज्ञात मोटरसाइकिल चालक ने इचरी निवासी शीतल उराँव की 57 वर्षीय पत्नी सोमरी उराँव को धक्का मार गाड़ी ले चालक फरार हो गया।परिजनों ने घटना की सूचना पर घायल अवस्था में इलाज हेतु सेन्हा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया घटना की सूचना पर स्थानीय पुलिस घटना स्थल पहुंच घायलों की जानकारी लेते हुए पुलिस एक टेम्पू को कब्जे में ले अग्रतर कारवाई आरम्भ कर दिया गया है।

## अनियंत्रित बाइक पेड़ से टकराई, दो युवकों की हुई दर्दनाक मौत

**नवीन मेल संवाददाता। कुडू - लोहरदगा**
कुडू थाना क्षेत्र के कुडू सुंदरू पथ में मनातू गांव के समीप शुक्रवार देर रात करीब 10 बजे अनियंत्रित बाइक पेड़ से टकराने से बाइक में सवार दो युवकों की मौत हो गयी। दोनों युवक एक ही बाइक से कुडू के हमीद नगर से सुंदरू जा रहे थे, इसी दौरान यह हादसा हुआ। मृतकों की पहचान कुडू थाना क्षेत्र के सिंजो गांव निवासी आसिफ अंसारी 18 पिता अशरफ अंसारी एवं दिलशाद अंसारी 20 पिता सईद अंसारी के रूप में की गई। मिली जानकारी के अनुसार दोनों युवक सपरिवार कुडू के हमीद नगर में अपने संबंधी के घर शादी समारोह में आये थे. रात में होंडा शाइन बाइक से किसी काम से सुंदरू जा रहा थे। उनकी बाइक जैसे ही मनातु मोड़ के पास पहुंची, बाइक चला रहे युवक ने अपना नियंत्रण खो दिया। इससे बाइक सड़क किनारे एक पेड़ से जा टकराई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि घटनास्थल पर ही आसिफ और दिलशाद की मौत हो गई। मृतक आसिफ अपने माता पिता की इकलौती संतान था। इनकी मौत की खबर जैसे ही परिजनों को पहुंची तो कोहराम मच गया। इधर घटना की जानकारी मिलने के बाद कुडू थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भिजवाया।

### ऑटो-बाइक की टक्कर में चार लोग घायल

**भंडरा ।** भंडरा-चट्टी मुख्य पथ में नौडीहा चौक के समीप अज्ञात ऑटो के टक्कर मारने से मोटर साइकिल चालक सहित चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। जिसमें एक युवक का पैर पूरी तरह से कट कर अलग हो गया। जबकि तीन युवकों का दाहिना पैर टूट गया है। जिसे स्थानीय ग्रामीण व भंडरा थाना पुलिस की मदद से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भंडरा पहुंचाया गया। जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार कर चारों घायल युवकों को सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया। बता दें की भंडरा थाना क्षेत्र अंतर्गत मलंग टोली गांव निवासी पंचू महतो के पुत्र रवि महतो (25 वर्ष), बेचना उरांव के पुत्र बुद्धबीर उरांव (23 वर्ष), तिंगू उरांव के पुत्र नयगा उरांव (24 वर्ष) अपने प्लेटिना मोटर साइकिल से अपने दोस्त गुमला जिले के भरनो डांग टोली निवासी नदेश्वर गोप के पुत्र विनोद गोप (25 वर्ष) भरनो पहुंचाने जा रहे थे, तभी नौडीहा चौक के समीप अज्ञात ऑटो के टक्कर मारने से मोटर साइकिल में सवार सभी युवक घायल हो गए।

# हजारों की भीड़ के बीच रावण दहन शानदार आतिशबाजी ने बांधा समां

**नवीन मेल संवाददाता। गुमला**

परमवीर अल्बर्ट एक्का मुख्य स्टेडियम में आयोजित रावण दहन कार्यक्रम में हजारों लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। रावण दहन समिति सह विजय मेला आयोजन समिति द्वारा आयोजित इस भव्य उत्सव में रावण, कुंभकरण और मेघनाथ के विशाल पुतलों का दहन किया गया। कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ पूर्व सांसद सुदर्शन भगत, डीसी कर्ण सत्यार्थी, एसपी शंभू कुमार सिंह और पूर्व विधायक कमलेश उरांव द्वारा पुतलों का दहन कर किया गया। रावण दहन के दौरान शानदार आतिशबाजी का प्रदर्शन हुआ, जिसने उपस्थित हजारों दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। रंग-बिरंगी रोशनी और पटाखों की गूंज ने माहौल को जीवंत कर दिया, जिससे बच्चों, महिलाओं और युवाओं में खासा उत्साह देखा गया। शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के लोग इस आयोजन में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते हुए बुराई पर अच्छाई की जीत का जश्न मनाने पहुंचे। इस अवसर पर जिला प्रशासन और रावण दहन समिति ने सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए, ताकि कार्यक्रम शांतिपूर्ण और सुरक्षित रूप से संपन्न हो सके। भव्य आतिशबाजी और हजारों लोगों की उपस्थिति ने इस आयोजन को ऐतिहासिक बना दिया, जिसे हर किसी ने खूब सराहा और इस पर्व को यादगार बना दिया।

## नम आंखों से मां दुर्गा को दी गई विदाई

## पति की लंबी उम्र के लिए मां से मांगी मन्नत

## भव्य शोभायात्रा में भक्तों की उमड़ी भारी भीड़

**नवीन मेल संवाददाता। गुमला**

दस दिनों की धूमधाम और भक्ति के बाद, गुमला में मां दुर्गा की प्रतिमा का विसर्जन भावुक माहौल में किया गया। शनिवार को अधिकांश पूजा समितियों ने मां दुर्गा की प्रतिमा का विसर्जन किया, जबकि कुछ समितियों ने रविवार को इस अनुष्ठान को संपन्न किया। विसर्जन से पहले शहर में निकाली गई भव्य शोभा यात्रा में हजारों श्रद्धालु उमड़े, जिससे पूरा शहर भक्तिमय हो गया। शोभा यात्रा में ढोल-नगाड़ों की गूंज, शंखनाद, और जय मां दुर्गा के जयकारों से वातावरण गूंज उठा। महिलाएं, बच्चे, युवा और बुजुर्ग पारंपरिक वेशभूषा में सज-धज कर शोभा यात्रा में शामिल हुए, जहां मां दुर्गा की सजीव झांकी और अलंकृत प्रतिमाएं विशेष आकर्षण का केंद्र रहीं। श्रद्धालु नाचते-गाते और भक्ति गीतों के साथ मां दुर्गा को विदाई देते नजर आए। हालांकि, विसर्जन के दौरान भक्तों की आंखें नम थीं, फिर भी हर दिल में अगले वर्ष मां दुर्गा के पुनः आगमन की आशा दिख रही थी। दस दिनों से चल रहा उत्साह और उमंग अब थम गया, परंतु विसर्जन यात्रा ने शहर को अंतिम दिन भी भक्ति और

उत्साह से सराबोर कर दिया। शोभा यात्रा और विसर्जन के दौरान जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन ने सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए थे, जिससे कार्यक्रम शांतिपूर्ण और सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न हो सका। मां दुर्गा की प्रतिमा का विसर्जन धूमधाम के साथ किया गया, जिससे पूरा माहौल भक्तिमय हो गया। लोगों की भावुकता इस अनुष्ठान के प्रति गहरे जुड़ाव और भक्ति को दशार्ती है।

## गुमला में बुराई पर अच्छाई की जीत का पर्व विजयदशमी धूमधाम से मनाया गया

**नवीन मेल संवाददाता। गुमला**

इस वर्ष गुमला में विजयदशमी के अवसर पर उत्साह चरम पर रहा, जहां नवमी की रात से ही दुर्गा पंडालों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी, जिसने कई वर्षों का रिकॉर्ड तोड़ दिया। हर आयु वर्ग के लोग–बच्चे, युवा, महिलाएं और बुजुर्ग–मां दुर्गा के दर्शन के लिए पंडालों की ओर उमड़ पड़े और सनातन धर्म के प्रति अपनी गहरी आस्था व्यक्त की। भक्तों की भारी भीड़ को देखते हुए जिला प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था को सख्त और सुव्यवस्थित किया, ताकि किसी प्रकार की अव्यवस्था न हो। गुमला के विभिन्न दुर्गा पूजा पंडालों की भव्यता और आकर्षक विद्युत सजावट ने श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। खासकर पटेल चौक स्थित भारतीय नवयुवक संघ के दुर्गा पूजा पंडाल में स्थापित विशाल और चलंत मां दुर्गा की प्रतिमा ने विशेष आकर्षण बटोरा। वहां जयकारों और भक्ति गीतों की गूंज से वातावरण पूरी तरह भक्तिमय हो गया, जिससे श्रद्धालु मां की आराधना में पूरी तरह लीन हो गए।

बड़ा दुर्गा मंदिर परिषद में भी दिव्य और भव्य मां दुर्गा की प्रतिमा स्थापित थी, जहां भक्तों की भारी भीड़ उमड़ी। लोग मां दुर्गा की एक झलक पाने के लिए उत्सुकता से इंतजार करते नजर आए।

विजयदशमी के इस पावन पर्व पर श्रद्धालुओं ने एक-दूसरे को बधाइयां दीं और बुराई पर अच्छाई की जीत के प्रतीक इस पर्व को धूमधाम से मनाया। प्रशासन द्वारा भीड़ नियंत्रण और सुरक्षा के लिए कड़े इंतजाम किए गए थे, जिससे भक्तगण सुगमता से दर्शन और पूजा-अर्चना कर सके।

पूरे आयोजन के शांतिपूर्ण और सफलतापूर्वक संपन्न होने से जिला प्रशासन ने राहत की सांस ली। इस विजयदशमी ने न केवल गुमला में आस्था का नया आयाम प्रस्तुत किया, बल्कि श्रद्धालुओं के दिलों में एक अविस्मरणीय छाप छोड़ी।

## महिलाओं ने पारंपरिक रूप से मनाया सिंदूर खेला

**नवीन मेल संवाददाता। लोहरदगा**

नौ दिनों की पूजा के बाद मां दुर्गा की विदाई करने से पहले सिंदूर खेला का अपना अलग ही महत्व है. इसी मौके पर लोहरदगा महावीर चौक स्थित पूजा पंडाल में महिलाओं ने पारंपरिक तरीके से एक दूसरे को सिंदूर लगाकर मां दुर्गा से अपने सुहाग की लंबी उम्र की कामना की. महावीर चौक स्थित पूजा पंडाल मे प्रत्येक साल विजयादशमी के दिन सिंदूर खेला किया जाता है। जिसमें सभी उम्र की महिलाएं हिस्सा लेती हैं. ऐसा माना जाता है कि विजयादशमी के दिन सिंदूर खेला में भाग लेने वाली महिलाओं की मनोकामना को मां दूर्गा पूर्ण करती हैं. सिंदूर खेला में शामिल हुई महावीर चौक दुर्गा पूजा समिति सदस्य गीता अग्रवाल, रूबी अग्रवाल, रिया अग्रवाल, सोनाली अग्रवाल, ने कहा की मां दुर्गा के आशीर्वाद से धूमधाम से पूजा संपन्न हुई है। समाज की बेहतरी के लिए मां दुर्गा से हम लोगों ने आशीर्वाद मांगा है और सिंदूर खेला में महिलाएं बढ़ चढ़कर हिस्सा ले रही हैं. मां दुर्गा की असीम कृपा से ही इस बार ये उत्सव सफल हुआ है. सिंदूर खेला यहां की परंपरा है जो आगे के सालों में भी जारी रहेगी। वही सिंदूर खेला के बाद महावीर चौक दुर्गा पूजा समिति की ओर से भव्य भंडारे का आयोजन किया गया।

## कोयल नदी में अज्ञात महिला का शव बरामद, पहचान नहीं

**नवीन मेल संवाददाता। गुमला**

गुमला थाना क्षेत्र के पतिया जामटोली स्थित नागफेनी कोयल नदी में शुक्रवार सुबह एक अज्ञात 50 वर्षीय महिला का शव मिलने से सनसनी फैल गई।

ग्रामीणों की सूचना पर गुमला थाना के एसआई हिमांशु शेखर सिंह मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों की मदद से शव को बाहर निकाला। स्थानीय लोगों से पहचान कराने की कोशिश की गई, लेकिन शव की पहचान नहीं हो सकी।

पुलिस ने शव को गुमला सदर अस्पताल भेज दिया, जहां 72 घंटे के लिए शीत गृह में रखा गया है, ताकि किसी पहचान के लिए समय मिल सके।

शुरूआती जांच में महिला के शरीर पर किसी प्रकार की चोट के निशान नहीं मिले हैं। पुलिस मामले की जांच कर रही है और महिला की पहचान के प्रयास किए जा रहे हैं।

अनुमान लगाया जा रहा है कि महिला नदी के बहाव में बहकर यहां पहुंची होगी।

## साइबर अपराधियों ने स्वच्छता विभाग के अधिकारी बन ठगे 5500

**नवीन मेल संवाददाता। गुमला**

जारी प्रखंड क्षेत्र के तिलहई टोली गांव के इग्नेस बाड़ा को साइबर अपराधियों ने ठगी का शिकार बनाया।

शुक्रवार को इग्नेस को एक फोन आया, जिसमें कॉलर ने खुद को जल एवं स्वच्छता विभाग का अधिकारी बताकर एक सरकारी योजना के तहत डीप बोरिंग और 75,000 मिलने का झांसा दिया। इसके एवज में उसने ?5500 का चार्ज मांगा, जिसे इग्नेस ने गूगल पे के माध्यम से भेज दिया।

कुछ देर बाद पुनः फोन कर 8500 और मांगे गए, जिसके बाद इग्नेस पैसा व्यवस्था करने ब्लॉक पहुंचे। वहां दुकानदार मनोज तिग्गा से बातचीत के दौरान उन्हें ठगी का एहसास हुआ। यह घटना पूरे क्षेत्र में चर्चा का विषय बन गई है। इससे पहले भी साइबर ठगों द्वारा डीप बोरिंग के नाम पर लोगों को ठगा जा चुका है। प्रशासन ने नागरिकों को सचेत रहने और किसी भी फर्जी कॉल से सावधान रहने की अपील की है। ऑनलाइन लेनदेन से पहले सतर्क रहने की सलाह दी गई है।

## बिजली तार की चपेट में आने से हुई बच्चे की मौत

**बिशुनपुर (गुमला )।** गुरदरी थाना क्षेत्र के चौरा पाठ निवासी अजय मुंडा का 8 वर्षीय पुत्र चित मुंडा की मौत 11 हजार वॉल्ट के तार के चपेट में आने से हो गई । बताया जाता है कि रविवार सुबह 10:00 गांव के बगल में बने तालाब में अपने अन्य दोस्तों के साथ चित मुंडा नहाने गया हुआ था नहाने के बाद बच्चे बिजली पोल के अगल-बगल में खेलने लगे तभी तालाब के समीप से गुजरे हुए 11 हजार वॉल्ट के पोल में चित मुंडा चढ़ने लगा और ऊपर तार के नजदीक जाते ही बच्चे को करंट अपनी और खींच लिया और वह देखते ही देखते

## चेन छिनतई करते रंगे हाथों पकड़ी गईं दो महिलाएं, फोटो वायरल

**गुमला।** शुक्रवार रात पालकोट रोड स्थित शक्ति संघ में एक महिला के गले से सोने की चेन छिनतई करते हुए दो महिलाओं को लोगों ने रंगे हाथों पकड़ लिया, जबकि दो अन्य महिलाएं भीड़ का फायदा उठाकर मौके से फरार हो गईं। सूचना मिलने पर गुमला थाना पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों महिलाओं को हिरासत में ले लिया। पकड़ी गई महिलाओं के पास से छिनी गई सोने की चेन बरामद कर उसे पीड़िता को सौंप दिया गया। पुलिस फरार महिलाओं की तलाश कर रही है। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि सभी महिलाएं जशपुर के लोदाम की रहने वाली हैं और इनका एक गिरोह है, जो बाजार और भीड़भाड़ वाले इलाकों में चोरी और छिनतई की घटनाओं को अंजाम देता है।

## कामडारा : ट्रेन की चपेट में आने से युवक गंभीर रूप से घायल, रांची रेफर

**कामडारा (गुमला )।** कामडारा थाना क्षेत्र के पोकलागेट रेलवे क्रॉसिंग के समीप ट्रेन से धक्का लगने के कारण 24 वर्षीय रौशन सुरीन, निवासी कुरकुरा गांव, गंभीर रूप से घायल हो गया है। यह हादसा रविवार अहले सुबह करीब 3 बजे हुआ। रौशन अपने जीजा के टेंट हाउस में काम करता था और शादी समारोह के लिए टेंट और बाजा लेकर पोकलागेट आया था। घटना के वक्त वह नशे की हालत में अपने दो साथियों के साथ रेलवे ट्रैक पर बैठा था। जैसे ही मालगाड़ी आई, उसके साथी भाग गए, लेकिन रौशन ट्रेन से टकरा गया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। रेलवे कर्मचारियों ने तुरंत आरपीएफ को सूचना दी, जिसके बाद कामडारा पुलिस मौके पर पहुंची और घायल को इलाज के लिए सीएचसी कामडारा में भर्ती कराया गया। हालांकि, उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए उसे रांची रेफर कर दिया गया है।

## न्यूज बॉक्स

### ट्रक की टक्कर से बाइक सवार दो युवक घायल, एक की हालत गंभीर

**गुमला।** बायपास रोड स्थित हवाई अड्डा के समीप ट्रक की टक्कर से बाइक सवार दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों की पहचान धोधरा टंगरा टोली के पवन उरांव और खोरा पतरा टोली के राज उरांव के रूप में हुई है। घटना उस वक्त हुई जब पवन अपने दोस्त राज को उसके गांव छोड़ने जा रहा था। अचानक सामने से आ रहे ट्रक ने बाइक को टक्कर मार दी, जिससे दोनों सड़क पर गिर गए। राज को मामूली चोटें आईं, जिसके बाद उसे इलाज के बाद छुट्टी दे दी गई, जबकि पवन को सिर और शरीर के अन्य हिस्सों में गंभीर चोटें आने के कारण सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना के बाद ट्रक चालक फरार हो गया। मजदूर नेता जुम्मन खान और जावेद आलम ने अस्पताल पहुंचकर घायलों के इलाज में सहयोग किया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

### दो बाइक की टक्कर, छह घायल तीन की हालत गंभीर

**गुमला।** गुमला-पालकोट रोड स्थित बेहरा टोली के समीप रविवार दोपहर 2 बजे दो बाइक के बीच आमने-सामने की भिड़ंत हो गई, जिसमें छह लोग घायल हो गए। दुर्घटना में झर गांव टोटो निवासी संजीत टोप्पो, सरजाना घाघरा निवासी चंदेश्वर उरांव और असनी निवासी सुदर्शन पन्ना घायल हो गए, जो चंदाली से कार्तिक उरांव कॉलेज के पास डीपा टोली की ओर जा रहे थे। जैसे ही वे कॉलेज से पहले मुड़े, विपरीत दिशा से आ रही बाइक ने उन्हें सीधी टक्कर मार दी। दूसरी बाइक पर सवार भंडरिया डांड टोली निवासी प्रिंस उरांव, बेहरा टोली निवासी प्रदीप तिर्की और एक अन्य युवक भी सड़क पर गिरकर घायल हो गए। स्थानीय लोगों ने घायलों को तत्काल ऑटो से गुमला सदर अस्पताल पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद संजीत टोप्पो, प्रिंस उरांव और प्रदीप तिर्की की गंभीर हालत को देखते हुए डॉक्टरों ने उन्हें रिम्स, रांची रेफर कर दिया। घटना के बाद इलाके में भीड़ जमा हो गई, और पुलिस को सूचना दी गई।

### हादसे के शिकार बाइक सवार युवक की मौत

**गुमला।** सिसई थाना क्षेत्र के नगर कुसुम टोली निवासी 50 वर्षीय नवल उरांव की शनिवार रात 9 बजे इलाज के दौरान मौत हो गई। नवल उरांव ममरला गांव किसी काम से गए थे और वापस लौटते समय गांव के निकट उनकी बाइक अनियंत्रित होकर गिर गई। घटना के समय नवल उरांव बाइक चला रहे थे और उनके साथ एक अन्य व्यक्ति भी था।

## गुमला की 11 नई सड़कों के निर्माण को पीएम-जनमन योजना के तहत मिली मंजूरी

**नवीन मेल संवाददाता। गुमला**

ग्रामीण क्षेत्रों में आवागमन की सुविधा और बुनियादी ढांचे को बेहतर बनाने की दिशा में गुमला जिले के लिए एक महत्वपूर्ण पहल की गई है। पीएम-जनमन योजना के तहत जिले के विभिन्न प्रखंडों के 11 नए सड़कों के निर्माण प्रस्ताव को ऐस्त्रङ्घधीशी उङ्घ३शी से अनुमोदन मिल चुका है, जिससे जिले के सुदूरवर्ती और पाट क्षेत्रों में रहने वाले ग्रामीणों, खासकर ढश्ळऋ (विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूह) समुदायों को राहत मिलेगी।

गुमला जिला प्रशासन और झारखंड सरकार के ग्रामीण कार्य विभाग के संयुक्त प्रयासों के तहत पिछले कुछ समय से जिले में सड़क कनेक्टिविटी को बेहतर करने के लिए व्यापक स्तर पर योजनाओं का क्रियान्वयन किया जा रहा है। इसी क्रम में, नए 11 सड़कों के निर्माण के लिए मंजूरी मिली है, जिनका कार्य जल्द ही शुरू किया जाएगा। इससे पहले भी 23 सड़कों के निर्माण के प्रस्तावों को मंजूरी मिली थी, जिनमें से अधिकांश पर निर्माण कार्य प्रगति पर है और कुछ सड़कों का कार्य पूर्ण हो चुका है।

**स्वीकृत सड़कों का विवरण:**

बिशुनपुर प्रखंड में हेल्ता से बलातु तक 5.45 किलोमीटर सड़क, टूटुवा कूजाम से रामझरिया तक 6.02 किलोमीटर, और सेरका पंचायत से जालिम होते हुए हारूप गांव तक 9.11 किलोमीटर की सड़क के निर्माण की मंजूरी मिली है। इसके अलावा, कुजाम से छोटोंगपथ तक 3.712 किलोमीटर लंबी सड़क का निर्माण किया जाएगा। चैनपुर प्रखंड में गुंगरुपाट से चकडीपा तक 2.068 किलोमीटर, लुपुंगपाट से बीजापाठ तक 5.534 किलोमीटर, और चमनरावा से गुरदरी होते हुए बगलाटा तक 3.2 किलोमीटर लंबी सड़कों का निर्माण किया जाएगा। डुमरी प्रखंड में दीना महुआ टोली से बेल्टोली तक 3.4 किलोमीटर, कांदापाट से टोपेटोली तक 2.55 किलोमीटर, और कांदापाट से दुलुसरना तक 1.68 किलोमीटर लंबी सड़कों के निर्माण की मंजूरी प्राप्त हुई है।

घाघरा प्रखंड में दिगाओं से सनातनगढ़ तक 4.975 किलोमीटर लंबी सड़क का निर्माण किया जाएगा।

**सड़कों के निर्माण से लाभ:**

इन सड़कों के निर्माण से जिले के सुदूरवर्ती और पाट क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को आवागमन की बेहतर सुविधा मिलेगी, जिससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था और जीवनस्तर में सुधार होगा। विशेष रूप से, गांवों के लोग, जो अब तक आवागमन के लिए संघर्ष कर रहे थे, इन सड़कों के निर्माण से लाभान्वित होंगे।

## भदौली के माध्यम से हुआ रावण दहन का भव्य आयोजन

- **गया के कारीगरों ने 50 फीट का रावण बनाया था**
- **इसे बनाने में लगभग ढाई लाख रुपये खर्च हुए थे**

**सिसई (गुमला)।** रावण मैदान सिसई में जागृति युवा क्लब रावण दहन समिति के सौजन्य से रावण दहन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम सन 1981 से यानी की पिछले 43 वर्षों से लगातार मनाया जा रहा है। गया के कारीगरों के द्वारा 50 फीट का रावण बनाया गया था। और इसे बनाने में लगभग ढाई लाख रुपया (2, 50,000) खर्च हुआ। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथिः- पूर्व सांसद सुदर्शन भगत,अतिथिगण पूर्व विधान सभा अध्यक्ष दिनेश उरांव, सिसई विधायक जिग्गा सुसारण होरो, पूर्व आईपीएस अरुण उरांव, हिंदू जागरण मंच के प्रदेश प्रवर्तन प्रमुख संजय वर्मा ,जिला परिषद अध्यक्ष किरण माला बड़ा, जिला परिषद सदस्य विजयालक्ष्मी, पूर्व प्रधानाध्यापक पीतांबर झा, प्रखंड विकास पदाधिकारी रमेश कुमार यादव एवं कई सारे गणमान्य लोग शामिल हुए। कार्यक्रम संध्या पांच बजकर तीस मिनट पर आतिश बाजीओं के साथ शुरू हुआ।

जो लोगों को काफी आकर्षित किया। पूर्व सांसद सुदर्शन भगत एवं अतिथियों के द्वारा रावण के पुतले को जलाया गया। अतिथियों द्वारा लोगों को असत्य पर सत्य की, बुराई परअच्छाई की जीत,के साथ विजय दशमी की ढेर सारी शुभकामनाऐ दिये गये। कार्यक्रम को सफल बनाने में जागृति युवा क्लब रावण दहन समिति के अध्यक्ष गौतम ताम्रकर, उपाध्यक्ष बसंत जयसवाल, अश्विनी देवघरीया, विकास पंडा, सचिव सह कोसाध्यक्ष रोहित शर्मा, सदस्य रंजन ठाकुर, प्रवीन कुमार, शुभम सिंह, तेज नारायण सिंह, दीपक सिंह, एवं विकास साहू का भरपूर योगदान रहा। रावण दहन कार्यक्रम को देखने के लिए सिसई के अलावे दूर दराज से ग्रामीणों की बहुत भारी भीड़ एकत्रित हुई थी। सबों ने मिलकर रावण दहन किया और असत्य पर सत्य, बुराई पर अच्छाई की जीत के साथ विजय दशमी का पर्व बहुत धूम धाम से मनाया।

## लोग क्या कहेंगे

डॉ. कविता विकास

यह बात सर्वविदित है कि हमें दूसरों के कथन का बहुत फि क्र होता है। लोग हमारे बारे में क्या सोचते हैं और क्यों सोचते हैं, यह हमारे मन पर इतना असर डालता है कि हम अपने मौलिक चिंतन से भी दूर हो जाते हैं। लोग क्या कहेंगे, यह एक ऐसा डर है जिससे हम सभी अक्सर ही गुजरते हैं। समाज का डर हम पर इस तरह हावी हो जाता है कि हम स्वयं का निर्माण भी उनके अनुसार करने लगते हैं। मुझे याद है चार दशक पूर्व लड़कियों की शादियाँ भी उनकी पढ़ाई - लिखाई छुड़वा कर 22-23 साल में कर दी जाती थी नहीं तो समाज वाले कहने लगते थे घर में बैठे - बैठे लड़की बूढ़ी हो रही है,जल्दी हाथ पीले कर दो। लड़कों को अपने पसंद का कैरियर भी चुनने की मनाही थी। अमुक के बेटे ने आई आई टी निकाली है तो अपने बेटे को भी वही लाइन पकड़वानी है, भले ही वह उस लायक न हो। हम सभी इस उक्ति का असर देखते रहे हैं। समय बदल गया है। अब किसी को फुर्सत नहीं बगल वालों पर नजर रखें।आम तौर पर सभी के घर बच्चों ने इसके खिलाफ बगावत कर दी है। उन्हें इसकी फि क्र नहीं कि लोग क्या कहेंगे। इसलिए तो विजातीय विवाह होने लगे, अविवाहित रहने की प्राथमिकता होने लगी, लिव इन रिलेशन का प्रचलन बढ़ा। पढ़ाई और नौकरी को प्राथमिकता दी जाने लगी। इस सिलसिले में जब बच्चे एक जगह से दूसरी जगह जाने लगे तब संस्कृतियों का भी मेल होने लगा। सोच व्यापक होने लगी। एक प्रतिष्ठित विद्यालय के टॉपर किशन कुमार कहते हैं,₹ मेरी रुचि नृत्य में थी, मैं अपने विद्यालय का कल्चरल सेक्रेटेरी था। लेकिन घर में सभी चाहते थे मैं इंजीनियरिंग करूँ। मैंने किसी की नहीं सुनी और दिल्ली आ गया। जब यहाँ हिस्ट्री औनर्स करने लगा तो लोग कमीशन के लिए दबाव डालने लगे। लेकिन मैंने अपने मन की बात सुनी। मैंने नृत्य को विषय बनाया, और आज दिल्ली के प्रतिष्ठित कालेज में नृत्य विद्या दे रहा हूँ। मेरी अपनी भी संस्था है, मैं बहुत खुश हूँ कि मैंने अपनी बात सुनी।

इस बाबत अनेक स्त्रियों ने एक मत स्वीकार किया ,₹एक समय था 'लोग क्या कहेंगे' एक ह्वुवा बन गया था ।तुम ज्यादा खुश हो रही हो, क्या बात है। इतना भी मत उतावली होवो, लोग क्या कहेंगे !जरा संभल के,रास्ते में बात मत करो, तुम संस्कारी दिखो, ज्यादा ऊँची आवाज में मत हँसो,नहीं तो लोग क्या कहेंगे ! हद है, आधी उम्र इसी उधेड़बुन में गुजर गयी कि ऐसे न करो,वैसे न करो,लोग क्या कहेंगे ! अब पता चलता है ज़िंदगी की बाजी तो वही जीतता है जो एक सीमा में अपने दिल की सुनता है।₹ एक साहित्यकार और गृहिणी स्नेह प्रभा पांडे कहती हैं,₹ये बातें सदियों से सुनती आ रही हूँ,तुम बेटी हो,पढ़ - लिख कर क्या करोगी ?शादी करके ससुराल ही तो जाना है। मुझे भी इस दौर से गुजरना पड़ा।लेकिन मैंने ठान लिया था कि मुझे तो पढ़ना है। लोगों की परवाह किए बिना। और मैंने पढ़ाई की ,गाँव के वातावरण में। मैं उस गाँव में मेट्रिक पास करने वाली पहली लड़की थी। इससे यह फायदा हुआ कि और लड़कियों के लिए भी पढ़ने के दरवाजे खुले। यह मेरे मनोबल और माता - पिता के साथ के कारण सम्भव हुआ। इसलिए अपनी सुनिए, लोग क्या कहेंगे,पर मत जाइए।

मुझे याद है,जब मैं अपने पसंद के मार्डर्न कपड़े पहनना चाहती थी तो माँ कहती थीं, अच्छा तो लगता है पर थोड़ा छोटा है,लोग क्या कहेंगे, कि फलाँ ने अपनी बेटी को हीरोइन बना दिया। फिर हम भाई - बहनों ने वही पहना जिसे माता - पिता ने दूसरों के नजरिए से अप्रूव किया। अब हम स्वतंत्र हैं, अपने मन की करते हैं लेकिन वही जिसमें फूहड़ता न हो।

इंदौर के लोकप्रिय पत्रकार ललित उपमन्यू जी का कहना है,₹परिवार में सबसे छोटे होने के कारण लाद - प्यार भरपूर था,लेकिन अपेक्षाओं का बोझ भी। पारिवारिक पृष्ठभूमि का बड़ा हिस्सा पुलिस विभाग से जुदा था लिहाजा मेरे लिए भी परिवार वालों ने खाकी ही सोच रखी थी। उनके सपनों के आगे मेरे सपने की अहमियत नहीं थी। छोटी उम्र से ही अखबार बांचने की आदत ने मुझे पत्रकारिता के क्षेत्र में भाग्य आजमाने की ओर अग्रसर किया। घर वालों और आस - पड़ोस की सोच के खिलाफ। आज इसी लाइन में खूब इज्जत - शोहरत पायी। लगता है 'लोग क्या कहेंगे' को दरकिनार कर जो चाहा सो पाया।

लोगों ने हमें एक दायरे में बाँधने का काम किया है। वे हमारी सीमा तय करते हैं। ऐसा भी नहीं है कि उनके सुझाव हमेशा गलत ही हों, कई बार हम संशय की स्थिति में होते हैं तो उनके विचार हमारा पथ प्रशस्त करते हैं। हमारे एक पड़ोसी के छह साल के इकलौते बच्चे ने उनकी नाक में दम कर रखा था। उसकी उद्दंडता, उसका ज़िद पड़ोसी की तनाव का कारण थे। लोगों ने उन्हें दूसरे बच्चे की सलाह दी ताकि उसे कम्पनी मिल सके। आज दो बच्चों का यह परिवार बहुत खुशहाल है। हमारा लक्ष्य हमेशा ऊँचा होना चाहिए लेकिन वह हमारी समर्थता के भीतर हो। लक्ष्य निर्धारण में भी लोगों के विचार जो जाने - अनजाने हमारे कानों में आते रहते हैं, कुछ न कुछ मार्ग दर्शन करते हैं। यह तो हमारे ऊपर है, हम उनका किस तरह से इस्तेमाल करते हैं। संस्कार और संस्कृति का प्रभाव बहुत गहरा होता है। हमारा चिंतन हमें मजबूत करता हो तो अच्छा है वरना हम लोगों की बातों में उलझ कर रह जाएँगे। जीवन में स्वीकृति का भाव होना चाहिए जो हमें बेहतर कर सके। यह स्वीकृति स्वयं की भी हो सकती है और दूसरों के विचारों की भी। जो सलाह आत्मनिर्णय की पुष्टि करे, आत्मा की उन्नति करे और ज़िम्मेदारी का बोध कराए उसे स्वीकार करना चाहिए। इसमें कोई दुविधा नहीं होनी चाहिए कि लोगों ने क्यों बताया ! लोग क्या कहेंगे..एक ऐसी दशा है जो हमारी सीमा, क्षमता और लक्ष्य का विश्लेषण करके हमारे ऊपर अंतिम निर्णय का दायित्व बोध कराता है।

## भगवान जगन्नाथ

पुष्पा पाण्डेय

शास्त्रों में पुरुषोत्तम क्षेत्र को दूसरा बैकुंठ कहा गया है। नीलांचल पर्वत पर एक गुप्त गुफा में नीलमाधव भगवान जगन्नाथ निवास करते थे, जो देवताओं के लिए भी गुप्त था। उज्जैन के राजा इन्द्रद्युम्न बहुत बड़े वैष्णव भक्त थे। एक दिन नदी किनारे वे यज्ञ कर रहा थे तो तीर्थ यात्रियों के झुंड से एक यात्री उन्हें पुरुषोत्तम क्षेत्र और नीलमाधव के बारे में बताया। वो कोई और नहीं विष्णु भगवान ही थे। राजा को उस नीलमाधव प्रभु का दर्शन करने की प्रबल इच्छा हुई और वे अपने मंत्रियों से पता लगवाकर उस नीलंचल पर्वत पर अपनी प्रजा सहित आकर बस गये। नारद जी उनके पथ- प्रदर्शक बने थे। घोर तपस्या और भक्ति से प्रसन्न होकर भगवान ने अपना दर्शन दिया और कहा कि एक विशेष प्रयोजन तुम्हारे ही हाथों होना तय है। ऐसा कह भगवान अन्तर्ध्यान हो गये। राजा इन्द्रद्युम्न बहुत दुखी हुए तो आकाशवाणी हुई कि मैं पर्वत के एक वृक्ष में अवस्थित हूँ। जिस वृक्ष में चार भुजाएं होगी उसी लकड़ी की मूर्ति बनवाकर मंदिर में स्थापित करना। किसी दूसरे पुराण में वर्णित है कि समुद्र में चार लकड़ी का गट्ठा तैरकर किनारे लगा था और राजा को स्वप्न हुआ कि तुम इस लकड़ी से मेरी मूर्ति बनाओ। बलराम, जगन्नाथ , सुभद्रा और एक लकड़ी का चक्र। मैं इस लकड़ी में विराजमान हूँ। खैर.. हरि अनंत हरि कथा अन्नता.... राजा के दरबार में एक वृद्ध बढ़ई आया जो इस मूर्ति को बनाने का काम लिया। वास्तव में वह बढ़ई विश्वकर्मा भगवान थे। शर्त ये थी कि जब- तक मूर्ति तैयार नहीं हो जाती तब- तक कोई उस कमरे का दरवाजा नहीं खोलेगा, जिस कमरे में निर्माण कार्य हो रहा है। पन्द्रह दिन बीतने के बाद राजा को चिन्ता हुई कि कहीं मूर्तिकार को कुछ हो तो नहीं गया, क्योंकि कोई आवाज नहीं आ रही थी। अतः उन्होने कपाट खोल दिया। खोलते ही मूर्तिकार गायब हो गया और मूर्ति अभी अधूरी ही थी। भगवान के हाथ- पैर का निर्माण होना अभी बाकी था। नारद जी की सलाह से इसी मूर्ति को मंदिर में स्थापित करना तय हुआ। समुद्र के किनारे विशाल मंदिर का निर्माण हुआ और ब्रह्मा जी के द्वारा इसे स्थापित किया गया। अपनी पूजा के सारे विधान भगवान ने राजा को स्वयं बताए। नीलांचल पर्वत पर एक गुड़िचा तख्त था, वह भगवान को बहुत प्रिय था वही आषाढ शुक्ल द्वितीया को रथ के द्वारा ले जाने की बात कही। तब से आजतक प्रत्येक साल भगवान का रथ गुड़िचा मंदिर जाता है। कालान्तर में यह कैसे मौसी बाड़ी हुआ, मालूम नहीं। जेठ पूर्णिमा को भगवान एक सौ आठ कलश से स्नान करते है और फिर भगवान गुप्त गृह में चले जाते है। भक्तों की भाषा में इतने कलश से नहाने के कारण भगवान को बुखार हो गया है। ठीक पन्द्रह दिन बाद आषाढ़ आमावस्या को भगवान बाहर आते है। उनकी सजावट होती है, आँखें खोलते हैं और तैयार होकर उसी गुड़िचा मंदिर को प्रस्थान करते हैं। तीनों भाई- बहनों के लिए तीन रथ सजाए जाते हैं और भक्त गण स्वयं अपने हाथों से रथ को खींचकर मंदिर तक ले जाते हैं। फिर दस दिन बाद भगवान उसी रथ से भक्तों के साथ वापस आते हैं। मुख्य मंदिर में आने के बाद दो दिनों तक भगवान रथ पर ही रहते हैं, क्योंकि लक्ष्मी जी मंदिर का कपाट अंन्दर से बंद कर देती हैं। तीनों भाई- बहनों को लक्ष्मी के क्रोध का सामना करना पड़ता है। भगवान ने श्री को अपने साथ जो नहीं लिया। काफी मान-मनौवल के बाद दरवाजा खुलता है और सभी अपना- अपना स्थान ग्रहण करते हैं। इन दिनों एक विशाल मेले का आयोजन होता है। ऐसा प्रतीत होता है मानों पुरुषोत्तम क्षेत्र ही नहीं पूरी धरती के साथ स्वर्ग में भी खुशियाँ मनायी जा रही हों।

## प्रकृति कुछ कहना चाहती है

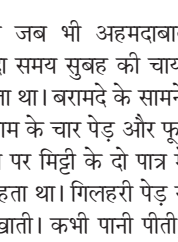

कल्याणी झा कनक

शालिनी जब भी अहमदाबाद आती थी।उसका ज्यादा समय सुबह की चाय के साथ बरामदे में बीतता था। बरामदे के सामने एक छोटे से बगीचे में आम के चार पेड़ और फूलों की क्यारियाँ थी। बीच में लगे घास पर मिट्टी के दो पात्र में पानी और दो पात्र में अनाज रखा रहता था। गिलहरी पेड़ से उतरती और कभी पात्र से अनाज खाती। कभी पानी पीती, और तुरंत पेड़ पर चढ़ जाती। चिड़ियों की चहचहाहट से पूरा वातावरण खुशनुमा बना हुआ था। सभी एक डाल से दूसरे डाल पर फुदकती रहती । कभी पानी में अपना चोंच डुबाती तो कभी अपने चोंच में अनाज उठाती, फिर फुर्र से उड़ जाती। पार्क के एक कोने में बुजुर्गो के बैठने की व्यवस्था की गई थी, जहाँ पाँच से छः बुजुर्ग मास्क पहने हुए दूरी बनाकर बैठे थे। टीन के शेड पर लगे पंखे अपने तीनों डैने के साथ स्थिर लटके थे। कामिनी भी बिना पंखा चलाए ही बैठी थी। शीतल मंद सुगंध पवन बह रही थी। सुबह चाय की चुस्कियों में एक ताजगी का अनुभव हो रहा था।दो साल पहले शालिनी यहाँ आई थी, तो अहमदाबाद की भीषण गर्मी में सुबह-सुबह भी बिना पंखे के बैठना असंभव था। कामिनी अब सोचने पर मजबूर हो गई कि यह बदलाव रात के आठ बजे से सुबह के आठ बजे तक लगे कर्फ्यू के कारण तो नहीं है? शायद यही सच है कि अब प्रकृति हमसे कुछ कहना चाहती है।

## बरगद

प्रेमलता ठाकुर

बरगद आज भी
जड़े जमाए बैठा है,
आँधी हो या तूफान
या वज्रपात ,
कोई कुछ नहीं
बिगाड सकता उसका ,
पत्ते बिछड़ जाते भले ही
उसे परवाह नहीं उसकी
फिर नई कोंपले लहलहाते
बरगद की लताएँ ,
जमीन पर झुक जाती,
और भी मजबूती ले आती,
विशेषता है ये बरगद की
सालों साल पुश्तो को पहचानती
अपनत्व का हाथ बढ़ाता
विश्वास का भाव रखता
रहता वह निष्पक्ष
परंपरा निभाए जा रहा
शायद उसे ज्ञात हो
महाभारत का इतिहास
तिल तिल जलता है,
फिर भी वह खामोश है
संबंधो का बौनापन जानता है
अपनी ऊंचाई उसे बांटता है
चहचहाती पक्षियों को आवास है
अनन्त पक्षियों की वाणी समझता है।
खामोशी से बातें करता सभी से,
आत्मीयता से समेट रखता
इन पक्षियों को अपने आवास
बंटता है।

## मैं रावण हूं

सत्या सिन्हा

यहां कौन है राम जैसा ?
किसके पुरुषार्थ का दंभ दिखाते हो ?
मयार्दा पुरुषोत्तम की छवि, तुम किसमे देख पाते हो ?
रावण दहन पर किस बात का जश्न मनाते हो ?
हर साल मुझ रावण को क्यों बुलाते हो ?
मेरे दहन को आयेंगे व्हाइट कलर नेता,
लंबा भाषण दे फोटो खिंचवाएंगे,
सालभर घोटाला कर दशमी पर मुझे जलाएंगे ।
काल कोठरी में जाने से इन्हें क्यों बचाते हो ?
हर साल मुझ रावण को क्यों बुलाते हो ?
मेरी लंका में सीता की परछाई भी छू न सका कोई,
अपनी बहू बेटी की अस्मत क्यों नही बचा पाते हो ?
खुलेआम घूम रहे कुकृत्य करने वाले,
नाम उजागर करने से क्यों डर जाते हो ?
हर साल मुझ रावण को क्यों बुलाते हो ?
जिंदा जला दी गई सुहाग की सेज पर सजी दुल्हन,
दहेजलोभियों को धूल क्यों नही चटा पाते हो ?
समाज में खुलेआम घूम रहे दरिंदे,
फिर भी मेरे ही पुतले को जलाते हो,
हर साल मुझ रावण को क्यों बुलाते हो ?
छतनार था कुनबा मेरा, पराक्रम मैंने पाई थी,
पर भाई विभीषण के कारण मैंने मुंह की खाई थी ।
घर के भेदी के कारण मुझे कमजोर कर पाते हो ?
पर अपने ही घर में विभीषण क्यों नहीं खोज पाते हो ?
हर साल मुझ रावण को क्यों बुलाते हो ?

## कन्या पूजन

मंजुला शरण

दुर्गा पूजा शुरू हो चुकी थी। मौसम के मिजाज में और लोगों में, चहल-पहल बढ़ गयी थी। हर साल की तरह मेरे घर में भी दुर्गा पाठ हो रहा था। दोपहर का समय था, मेरी डोरबेल बज रही थी, लगा इस समय कौन होगा? दरवाजा खोला, तो देखा मेरी नई पड़ोसन, मिसेज वर्मा चेहरे पर अपनी मुस्कान के साथ खड़ी थीं। मैंने स्नेह से अंदर बुलाया। वो बोलीं, मैं आपको अपने घर ले जाने के लिए आई हूँ। मेरा उनसे मात्र औपचारिक परिचय था। बस उनके गृहप्रवेश में कुछ दिन पहले, आमंत्रण में गई थी। मैंने कहा-- कोई विशेष बात है क्या? बड़ी विनम्रता से उन्होंने कहा--- मैं भी इस बार कन्या पूजन करना चाह रही हूँ। आप तो हर साल करती हैं । इस लिए आप से ही पूछ कर पहली बार करूँगी। कन्या पूजन और उपहार का कुछ समान लाई हूँ। आप चल कर देख लें और जो कमी हो बता देंगी। मैं मिसेज वर्मा की आत्मीयता और मधुर व्यवहार से प्रभावित होती जा रही थी। उन्होंने स्नेह से फिर कहा--चलिए ना बहन! मेरा भावुक मन बहन शब्द सुनकर सगी बहन के प्रेम में वशीभूत होकर, उनके साथ पहुँच गया उनके घर; औपचारिकता को अपने घर पर छोड़ कर। उन्होंने आवाज लगाई-- सुनीता! सुनीता!! एक चौदह-पंद्रह साल की लड़की , भींगे हाथ लिए हुए जी चाची जी! कहते हुए ----आ कर खड़ी हो गयी। चाची ने कहा ---' जल्दी से दो कप चाय लाओ, और हाँ ! जल्दी-जल्दी सब काम करके ; ऊनी कपड़े धूप में ड़ाल दो! तब नहाने जाना। मैंने उस लड़की को पहले उनके घर पर नहीं देखा था। पूछ ही लिया , कौन है, ये लड़की? उन्होंने कहा-- मेरे जेठ की लड़की है। माँ गुजर गयीं पिछले साल। बेटा नहीं है तो जेठ जी ने दूसरी शादी की है। अब ये लड़की हमारे सिर पड़ गई है। नई माँ इसे रखना नहीं चाहती। हमारी तो मुसीबत हो गई। क्या बताऊँ? मैं भारी मन से घर लौट आई। उन्हें कन्या पूजन की सारी विधि समझा कर और उनके सुन्दर उपहारों को सराह कर।

## उत्तराधिकारी

मीरा सिंह

घर में घुसते ही कामवाली बोली, भाभी आपके मुहल्ले में किसी का डेथ हुआ है ? मैने अनभिज्ञता जाहिर कर तुरंत उससे पुछा, कौन सा घर?
अरे वही कोने वाला सफेद घर। क्या! मेरे मुँह से निकला।
लेकिन वो आंटी तो बेटी के पास थीं?
रहाँ वहीं पर डेथ कर गई बूढ़ी। कामवाली बोली।
वह बोल रही थी, बेटी दमाद ही शव लेकर आएं हैं। घर के कैम्पस में बॉडी रखा हुआ है। पंडित और मुहल्ले के एक दो लोग हैं वहाँ। अंतिम संस्कार के लिए सब बेटे का इंतजार कर रहें हैं।
मैं सोच में पड़ गई, जिस बेटे ने पिता के मृत्यु के बाद कभी भूल से भी माँ का हाल चाल ना लिया हो। उसका इंतजार क्यों कर रहें हैं सबलोग । इस आधुनिक युग में समाज किस कोने में सिमटजा जा रहा है। जिस बेटी ने माँ की इतनी सेवा की क्या वो उनके अंतिम संस्कार की उतराधिकारी ना थी? अंकल के जाने के बाद, आंटीजी का जब तक शरीर चलता रहा वो अपना काम सुगमता पूर्वक करतीं रहीं। मुहल्लेवालो के सामने हमेशा बेटे की तारीफ ही करतीं। पर जिस लड़के को इधर बीस सालो से घर आते किसी ने भी ना देखा हो, उसकी गाथा आंटी जी के मुख से बेमानी सी लगती। मुहल्ले वाले पीठ पीछे बेटे की बुराई करते कि कैसा नालायक बेटा है माँ को अकेले छोड़ दिया है। साथ में रखना चाहिए था। वो तो बेटी है जो माँ की सेवा सुश्रुषा कर रही है। पर आंटी बेटे के बारे में कभी बुरा नहीं सुनना चाहतीं। जहाँ मौका मिलता लोगों को खरीखोटी सुना देती थीं। आज उसी बेटे का इंतजार मुहल्ले वालो के साथ उनका मृत शरीर भी कर रहा है।

## भीड़ के बीच

जिंदगी एक तमाशा बनी है भीड में भी
भीड़ के बीच भी हर आदमी अकेला है।
किसी के माथे पर मेहनत का ही पसीना
है, किसी को दर्द के ही आंसुओं में जीना
है, भीड़ के बीच भी हर आदमी अकेला है
किसी ने गैर क्या अपनो से चोट खाई है,
कोई जिया जैसे प्रीत भी पराई है,
कोई खुशियों में नए रंग भरने आया है,
बिन पिए किसी का पाँव लड़खड़ाया है,
जगेकिसी के भाग्य खुशियों का सबेरा है,
भीड़ के बीच भी हर आदमी अकेला है.
बडी है दुनिया यहां जाम है,
शिकायत है भीड़ में चलना जहां
बन गई एक आदत है।
हैं सबकी राहें अलग मगर अलग सपने,
भटकती मंजिलों के अजनबी हुए अपने,
आज इस भीड़ में हर एक का अपना
किस्सा है, फिर भी हर आदमी इस भीड़
का ही हिस्सा है। भीड़ में हैं मगर
भीड़ से अलग भी हैं,
हैं बेखबर भी, पर मन कहीं सजग भी है।
हर गली, मोड़, हर सड़क हर चौराहे पर,
कच्ची पग डंडियों पर, शोर भरी राहों पर,
साथ चलती हुई भीड़ की रवानी है,
यहाँ हर भीड़ की अपनी अलग कहानी है.
बढाई भीड तो हमने कहां सुख पाया है
अपनी जरुरतों पर भी मन तरसाया है ।
हमारी भूख, गरीबी और बेबसी लाचारी
जिदगी में बस यही पूंजी तो कमाई है।
भीड़ है तो, दुनिया का लगा मेला है
भीड़ के बीच भी हर आदमी अकेला है।
सुनो, रुको जरा, इस भीड़ का हिस्सा न
बनो,संवारो आज को, भूला हुआ
किस्सा न बनो, अरे!
यह भीड़, जिसकी आत्मा नहीं होती,
जो होता दिल, तो यूँ इंसानियत नहीं रोती,
चांदी के चाँद सिक्कों में बेटियां नहीं
बिकती, सब खेल दुनियादारी के, भूख
का झमेला है, भीड़ के बीच भी हर
आदमी अकेला है।

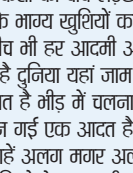

पद्मा मिश्रा

संस्मरण

## दादाजी के खड़ाऊं

मनोज कुमार झा 'मनु'

धोती-कुर्ते-गमछे के धवल रंग, कांतिमय भाल पर सुरभित चंदन का आकर्षक त्रिपुण्ड, गले मे रुद्राक्ष की माला, चंद्रप्रभा से रंजित केशराशि, गेहुँए वर्ण की छरहरी सुगठित काया और पैरों में खड़ाऊँ। घर से लेकर पूरे इलाके के लोग मेरे दादाजी की विद्वता और मधुर वाणी के कायल थे। सभी जातियों और धर्मों के रहवासियों के बीच आपसी सौहार्द व समन्वय के प्रणेता। सोलह सालों तक निर्विरोध मुखिया रहने के उपरांत उन्होने चुनाव से अपना नॉमिनेशन वापस ले लिया, जब कोई अन्य ग्रामीण उनके प्रतिद्वंद्वी के रूप मे निजी स्वार्थवश समुपस्थित हो गया। तबसे लेकर लम्बे अंतराल तक मेरे गाँव से पंचायत का मुखिया नहीं बन पाया। फिर उन्होने कभी कोई महत्वाकांक्षा नहीं पाली और घर में रहते हुए भी वानप्रस्थी जीवन जीया। अपने आराध्य मयार्दापुरुषोत्तम राम के अनन्य भक्त दादाजी रोज मुँह-अँधेरे स्नानादि पश्चात् बाल्मीकि- रामायण का पाठ किया करते और पूजा-स्थल पर ही प्राणायाम भी संपन्न होता। नियमपूर्वक भोजन का गो-ग्रास गोशाला की गायों को खिलाया जाता।

मेरे दादाजी यानी मेरे सगे दादाजी के अनुज, जिन्हें हम सब भाई-बहन 'बाबा' कहकर संबोधित करते थे और उनकी अर्द्धांगिनी, मतलब दादी को 'काकी' कहते थे, घर के अन्य लोग की तरह। बड़े-बुजुर्गों के लिए भी काकी, हम सब बच्चों की भी काकी। बाबा लाख समझाते कि तुम सब की 'दादी' है तो 'दादी' बोलो, मगर हममे से किसी की भी यह आदत नहीं सुधरी। हमे लम्बे अरसे तक पता न था कि बाबा के अग्रज अर्थात हमारे सगे दादाजी गुजर चुके हैं-बरसों पहले-मेरे बाबूजी के शैशवकाल मे ही। उन्हें भी अपने पिता की धुँधली यादें ही याद आती हैं।

बाबा 'मुखियागिरी' से फुर्सत पाने के बाद दालान पर दिनभर आसन जमाए रहते। खेती-बारी मेरे बड़े बाबूजी (चाचा) ने सँभाल लिया था। मेरे बाबूजी अध्यापक थे और माँ अध्यापिका। सो, दोनो की दिनचर्या काफी व्यस्त थी। बाबा से हम बच्चो की निकटता कुछ ज्यादा ही थी। वे संस्कृत और हिन्दी के सु-ज्ञाता थे। देशभक्ति की तरंगे उनके दिल में हिलोरें लेती। प्रायः हरिऔध जी की खूबसूरत कविता–महती, महापुनीता, मधुरा, मनोहरा है, वसुधा ललामभूता भारत वसुंधरा है। उन्हें गाते, गुनगुनाते सुना जा सकता था। कई बार मै उनके सुर में सुर भी मिला देता था। और इस तरह उनके प्रेम का प्रसाद हमे भरपूर मिला करता था।

प्रभु श्रीराम के चरणो मे अनुरक्ति, देशभक्ति का ओज, प्रतिकूल परिस्थितियों मे धैर्य व साहस, व्यर्थ के धार्मिक-सामाजिक बाह्याडम्बरों से विरक्ति, सहज-सरल जीवनशैली, पर्यावरण की स्वच्छता और हरीतिमा, उनके व्यक्तित्व और कृतित्व से निर्मल सलिला की भाँति प्रवाहित होकर हम भाई-बहनो के अंतःकरण को प्लावित करती रही। स्वाध्याय के प्रति सदैव प्रोत्साहित करते हुए मेरे बाबा ने महाकवि तुलसीदास के स्वांतःसुखाय से 'सर्वजनहिताय, सर्वजनसुखाय' के गूढ़ार्थ को समझने मे मेरा सम्यक मार्गदर्शन किया। बालक ध्रुव की कहानी, अष्टावक्र की कहानी, रामकृष्ण परमहंस और स्वामी विवेकानंद की कहानी, सुभाषचंद्र बोस, चंद्रशेखर आजाद- न जाने कितनी कहानियाँ उन्होन बड़े ही चाव से हमे सुनाई होगी ! गाँव की गिरती अंदरूनी राजनीति से आहत होकर मेरे बाबा ने गाँव से बाहर पूर्व दिशा मे शिवालय से चंद कदम पीछे भीठा पर स्वच्छ आबोहवा को दृष्टिगत रखते हुए नया घर बसाया था। संभवतः उनदिनो चोर-उच्चक्कों का भय नहीं रहा होगा। किन्तु, बाबा का यह निर्णय उनके जीवनकाल मे ही उन्हे दगा दे गया। जनवरी-फरवरी का महीना रहा होगा। ठंड की ढलान के बीच रबी की फसल कटने लगी थी। अलसुबह, मैने देखा कि घर की दक्षिणी ओर खेत मे मेरे घर के इर्द गिर्द भीड़ लगी थी। पास-पड़ोस के लोग जमा थे। हम सब भाई-बहन भी आँखें मीचे पहुँच गए। काकी मायूस थी, माँ और चाची के चेहरे पर हवाइयाँ उड़ रही थी। यत्र-तत्र खाली पड़े हंडे, बड़ी-बड़ी खाली खाँचियाँ, चावल-गेहूँ के बिखरे दाने, खुले संदूक बगैरह। माजरा समझते देर न लगी। कानाफूसी जारी थी- सेंधमारी हुई है। चोरो ने लम्बे हाथ मारे थे। चाँदी के पनबट्टे और जेवरात भी उठा ले गए। बाबा धीर, गंभीर, शांत मुद्रा मे अविचल खड़े थे। धीरे-धीरे सभा विसर्जित हो गई। कुछ ही दिन बाद सेंधमारों का पता भी चल गया, लेकिन बाबा ने पुष्ट प्रमाण के अभाव मे और साथ ही गाँव की अंदरूनी राजनीति की वजह से मौन साधे रखना ही श्रेयस्कर समझा।

### रचना भेजिए

समाचारों के संबंध में शिकायत, सुझाव या इस पेज के लिए आर्टिकल कृपया भेजें article.rnmail@gmail.com कॉल/व्हाट्सएप 82925 53444। -संपादक

### आज का दोहा

हिज्जा हिज्जा रूप का पढ़ा हजारों बार।
मुखर मौन में था वहां, शब्द कोश का सार।।
**सोमदत्त शर्मा, गाजियाबाद (उ.प्र.)**

## सत्कर्म

पद्मा प्रसाद 'विन्देश्वरी'

कनिका घर के बरामदे में बैठी बाहर लगे अपने बगीचे के फूलों को निहार रही थी और सोच रही थी कैसे दोनों बच्चे कभी इस बगीचे में खेला करते थे और वो भी बच्चों के साथ बच्चा बन छुआ-छुई खेला करती। उसे भी अपने बच्चों के साथ मिलकर खेलने में बड़ा मजा आता था। वो पल जैसे पंख लगाकर उड़ गए। सोचते सोचते वो अतीत की यादों में खो गई। उसके बच्चों की नौकरी लग गई थी और सभी अपने कामों में संलग्न थे। अपने अकेलेपन को दूर करने के लिए कैसे उसके मन में परोपकारिता की भावना जाग्रत हुई और उसने गरीबों के बच्चों को बिना पैसे का पढ़ाना शुरू किया। प्रतिदिन बच्चे शाम के समय उसके घर में पढ़ने आया करते। उन्हें वह बड़े प्रेम से पढ़ाती और जाते वक़्त बिस्किट वगैरह खाने को देतीं ताकि पढ़ाई के प्रति उनकी रुचि बनी रहे। बच्चों को वह पढ़ाई के लिए खूब प्रेरित भी करती। वो अपने काम करने वाली बाई के बेटे दीपक को भी छोटे में पढ़ाया करती थी जिससे वह स्कूल में काफी अच्छे अंक लाया करता था। उसके अन्य साथी भी उसके घर पढ़ने आने लगे थे। अचानक उसके घर की घंटी बजी तो जैसे उसकी तंद्रा भंग हुई और अतीत से बाहर निकली। दरवाजा खोला तो देखा उसके सामने उसकी बाई अंजू खड़ी थी। वह उस दिन बहुत खुश थी। जब तक वह उससे कुछ पूछती तभी अंजू ने खुद ही बताना शुरू किया। बोली - मालकिन मेरे बेटे को सरकारी नौकरी मिल गयी। यह सब आपके मेहनत, लगन और विश्वास का ही कमाल है। आपको बहुत बहुत धन्यवाद मालकिन। आपके आशीर्वाद से मेरे बेटे का सपना आज पूरा हो गया। वह अपने साथ मिठाई का एक डब्बा लेकर आयी थी। मिठाई का डब्बा पकड़ाते हुए अंजू की आंखों से खुशी के आँसू छलक पड़े थे, जो कनिका को साफ साफ दिखाई पड़ रहा था। आज उसकी भी आँखों में आँसू आ गए थे और वो खुशी से अंजू को अपने गले से लगा लिया । अंजू ने कहा कि यह उसकी तरफ से एक सप्रेम भेंट है। साथ ही मालकिन से कहा - मुझे और भी जगह मिठाइयाँ बाँटनी हैं अतः मैं थोड़ा जल्दी घर जाना चाहती हूं ताकि परिवार और बच्चों की खुशियों में शरीक हो सकूँ। यह कह कर वह तुरंत कनिका के घर से चली गई। उसके जाने के बाद कनिका घर के कामों में लग गई , पर आज खुशी से उसे भी काम करने में मन नहीं लग रहा था। वह भी उसी के बारे में सोचे जा रही थी, जब उसकी बाई अंजू पहली बार घर आई थी। उसकी कितनी दयनीय हालत थी। उसकी मासूमियत पे उसे बहुत सहानुभूति हो आई थी। उस समय उसका बेटा दीपक छोटा सा था और उसके घर अंजू के साथ आता था। उसके प्रारंभिक शिक्षा में उसने उसकी बहुत मदद की थी। जब तक अंजू काम में व्यस्त रहती, वह उसके बेटे को पढ़ाया करती थी। उसने उसके लिए जितना हो सके किया। **संयोजन : नरेश अग्रवाल**

स्वामी, परिजात माइनिंग इण्डस्ट्रीज (इण्डिया) प्रा. लि. के लिए प्रकाशक एंव मुद्रक हर्षवर्द्धन बजाज द्वारा इसके पब्लिकेशन डिवीजन, रेड़मा मेदिनीनगर (डालटनगंज), से प्रकाशित एवं एस एच प्रिंटर्स प्राइवेट लिमिटेड (पूर्व में शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड), नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पम्प, रातू, रांची-835222, झारखंड द्वारा मुद्रित. रजिस्ट्रेशन नं. **RNI.** 61316/94 पोस्टल रजिस्ट्रेशन नं.-13 । प्रधान संपादक : सुरेश बजाज, संपादक : हर्षवर्द्धन बजाज, कार्यकारी संपादक : सुनील सिंह 'बादल', स्थानीय संपादक : राणा अरुण सिंह*, प्रेस कार्यालय : रांची रोड, रेड़मा, मेदिनीनगर, (डालटनगंज) पलामू-822102, फोन नम्बर : 06562-796018, रांची कार्यालय : 502बी, पांचवी मंजिल मंगलमूर्ति हाईट्स, रानी बगान, हरमू रोड, रांची-834001, फोन नं.- 0651-3553943, गढ़वा कार्यालय : मेन रोड, गढ़वा-822114, फोन : 9430164580, लोहरदगा कार्यालय : सरस्वती निवास, तेली धर्मशाला के सामने, कृषि मार्केट, लोहरदगा। - फोन : 7903891779, ई-मेल : **news.rnmail@gmail.com, article.rnmail@gmail.com**
(*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार।)

# राष्ट्रीय नवीन मेल : सामाजिक बदलाव का सशक्त माध्यम

अखबार ने पिछले 30 वर्षों में पलामू प्रमंडल और संपूर्ण झारखंड-बिहार क्षेत्र में पत्रकारिता के एक नए मानक स्थापित किए हैं। यह अखबार केवल एक सूचना प्रदाता नहीं, बल्कि एक सशक्त माध्यम है जो सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक, और अन्य मुद्दों पर जनता की आवाज बनकर सामने आया है। 1994 में अपनी स्थापना के बाद से, राष्ट्रीय नवीन मेल ने निरंतरता के साथ स्थानीय मुद्दों को उजागर किया है। यह अखबार किसानों की दयनीय स्थिति, मजदूरों के पलायन, और सिंचाई समस्याओं जैसे ज्वलंत मुद्दों को प्रमुखता से उठाता रहा है। इसके प्रधान संपादक श्री सुरेश कुमार बजाज की प्रखर नेतृत्व शैली और निष्पक्षता ने इस अखबार को एक विश्वासनीय स्रोत बना दिया है। उनके अनुभव और जानकारी ने अखबार की गरिमा को और बढ़ाया है। राष्ट्रीय नवीन मेल ने हमेशा आम जनता के सुख-दुख में उनके साथ खड़े रहने का प्रयास किया है। इसने न केवल समाचारों की रिपोर्टिंग की है, बल्कि सामाजिक न्याय और विकास के लिए एक मंच भी प्रदान किया है। स्थानीय मुद्दों के अलावा, यह अखबार राष्ट्रीय महत्व के विषयों पर भी बेवाक सम्पादकीय टिप्पणियाँ देता है, जिससे पाठकों को व्यापक दृष्टिकोण मिलता है। इसकी साप्ताहिक विशेषांक, साहित्य, संस्कृति, और कृषि जैसे विषयों को समर्पित हैं, जो इसे अद्यावधि प्रासंगिक बनाए रखते हैं। अखबार की इस पहल ने इसे न केवल एक समाचार पत्र बल्कि समाज का एक सक्रिय भागीदार बना दिया है। 30 वर्षों के इस सफर में, राष्ट्रीय नवीन मेल ने अपनी ऐतिहासिकता, प्रमाणिकता, और विश्वसनीयता को प्रमाणित किया है। यह अखबार अपने उद्देश्यों में सफलतापूर्वक बढ़ रहा है और आम आदमी के मुद्दों को प्राथमिकता देते हुए निरंतर उनकी आवाज उठाता रहेगा। इस प्रकार, राष्ट्रीय नवीन मेल न केवल पलामू बल्कि पूरे झारखंड-बिहार क्षेत्र के लिए एक महत्वपूर्ण संसाधन बन चुका है।

## अपने 30 स्वर्णिम वर्ष की विश्वसनीयता पर खरा उतरा अखबार राष्ट्रीय नवीन मेल

**मेदिनीनगर** पलामू से प्रकाशित होने वाला प्रसिद्ध दैनिक अखबार राष्ट्रीय नवीन मेल शुरू से ही पाठकों का प्रिय अखबार रहा है। इसके पाठक न केवल शहर के, बल्कि दूर-दराज के गांवों के लोग भी हैं। स्थानीयता का लगाव ऐसा है कि जहां संवाददाता या पत्रकार नहीं पहुंच पाते, वहां की खबरें भी लोग बनाकर कचहरी परिसर में इस अखबार की पत्र पेटी में डाल देते हैं। अपने इलाके की खबरें लोग चाव से पढ़ते आ रहे हैं।

हरिवंश प्रभात

14 अक्टूबर 1994 का वह ऐतिहासिक दिन पलामू के लिए गौरवमयी था, जिस दिन राष्ट्रीय नवीन मेल का प्रकाशन शुरू हुआ। मेदिनीनगर के प्रसिद्ध व्यवसायी एवं समाजसेवी श्री सुरेश बजाज द्वारा इस अखबार का प्रकाशन पलामू के बौद्धिक समाज के लिए एक मील का पत्थर साबित हुआ। इस अखबार का तोहफा पाकर पलामू का हृदय खुशियों से भर गया। अखबार ने साहित्यकारों, पत्रकारों, विद्यार्थियों और खेल प्रेमियों के मन में उठती भावनाओं को विस्तार दिया, और साथ ही उन महान आत्माओं की इच्छाओं की पूर्ति की, जिन्होंने जीवनभर साप्ताहिक पत्र निकालने का प्रयास किया, लेकिन दैनिक पत्र निकालने का सपना अधूरा रह गया। पुराने अभिभावक पत्रकार भी उस दिन खुशी से आह्लादित हो गए थे और सुरेश बजाज जी को इस ऐतिहासिक कार्य के लिए बधाइयां दी थीं। राष्ट्रीय नवीन मेल कभी भी क्षेत्रीय अखबार बनकर नहीं रहा। पत्रकारिता में शौक रखने वाले नौजवानों को पूर्ण सहयोग देकर उन्हें गले लगाया और एक प्लेटफॉर्म प्रदान किया, जिससे वे पत्रिका जगत में कदम रख सकें। आज देश के विभिन्न शहरों और विभिन्न अखबारों में अपनी सेवा देकर पलामू का नाम रोशन करने वाले अनेक पत्रकार राष्ट्रीय नवीन मेल को अपने पत्रकारिता की प्रथम पाठशाला के रूप में याद करते हैं। सूरज हर रोज निकले अथवा नहीं, मगर अखबार रोज निकलता है। इस मंत्र के आलोक में अखबार ने अपना 30 वर्षों का स्वर्णिम सफर पूरा किया है। यह अखबार चेतना का वाहक और लोकहितों का रखवाला बनकर आगे बढ़ता है। लोगों की वैचारिक भूख को बनाए रखने में यह अखबार लगातार सक्रिय है, सच्चाई और निष्पक्षता का मानदंड स्थापित कर विश्वसनीयता के साथ आगे बढ़ता जा रहा है। इस अखबार की सबसे बड़ी खासियत यह है कि यह सबके लिए समान भाव रखता है।

राष्ट्रीय नवीन मेल अपनी स्थापना काल से ही लोगों की आवाज बनकर उन्हें जोड़े रखने का एक सशक्त माध्यम बन रहा है, चाहे नक्सलवाद के आंदोलन का समय हो या कोरोना काल का। जनसाधारण को सामाजिक समस्याओं से अवगत कराने का दायित्व अखबार ने हमेशा माना है। इसके लिए इसने व्यंग्य धारावाहिक लिखे और साहित्य की अन्य विधाओं में रचनाओं को प्रकाशित कर रचनाकारों का हौसला बढ़ाने का काम किया। कई साप्ताहिक गोष्ठियों में कवियों, साहित्यकारों और बुद्धिजीवियों को अपने कार्यालय में आमंत्रित कर उनसे मशवरा लेना और साहित्य सृजन का मंच प्रदान करना अखबार का एक नियमित कार्य हुआ करता था। आज बदलते परिवेश में, जहां लोगों के बीच की दूरियां बढ़ गई हैं और अपनापन समाप्त हो रहा है, अखबार की चुनौतियां भी बढ़ गई हैं। भ्रष्टाचार, सांप्रदायिकता, मिलावट और बेरोजगारी जैसी समस्याओं से लड़ने के लिए अखबार एक अस्त्र है।

देश को उन्नति के पथ पर ले जाने और भारतीय संस्कृति को बढ़ावा देकर ही हम आगे बढ़ सकते हैं। सुबह होते ही सबको मोबाइल में राष्ट्रीय नवीन मेल का पीडीएफ प्राप्त हो जाता है, और सभी दफ्तरों में इसे अपनापन मिलना इस अखबार की प्रसिद्धि का संकेत है। आज राष्ट्रीय नवीन मेल की स्थापना दिवस पर मैं इस अखबार को बधाई देता हूं और इसकी लोकप्रियता में दिन-ब-दिन वृद्धि और तरक्की के लिए शुभकामनाएं देता हूं। अखबार परिवार, पाठकों और पत्रकार बंधुओं को मेरी ओर से हार्दिक मंगलकामनाएं।

**(लेखक राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित सेवानिवृत्त शिक्षक हैं।)**

## समाचारों की गुणवत्ता व तटस्थता रही है 'राष्ट्रीय नवीन मेल' की पहचान

'राष्ट्रीय नवीन मेल' ने अपने स्थापना के तीस वर्ष पूरे कर लिए हैं। यह कालखंड किसी भी संस्थान के गौरव को सहज ही रेखांकित करता है। पलामू के पाठकों की आकांक्षा थी कि यहां से कोई दैनिक समाचार पत्र का प्रकाशन हो और उसे स्थायित्व मिले। 'राष्ट्रीय नवीन मेल' के आरंभ से अब तक लगातार प्रकाशित होने से पलामू में एक स्वर्णिम इतिहास लिखा जा चुका है। समाचार पत्र का निकलना केवल समाचारों का प्रकाशन नहीं होता, बल्कि समय के फलक पर अंकित उन्नति-अवनति का अभिलेखीकरण भी होता है। वैसे भी समाचार पत्रों के प्रकाशन को तीव्र गति से लिखा गया इतिहास कहा जाता है। जब हम 'राष्ट्रीय नवीन मेल' की बात करते हैं, तो इसने न सिर्फ तेज गति से इतिहास लिखा, बल्कि कई मायनों में नया इतिहास गढ़ा भी है।

परशुराम तिवारी
(लेखक अध्यापक हैं तथा स्वतंत्र लेखन करते हैं)

**उदीयमान संवाददाताओं को मंच मिला :** 'राष्ट्रीय नवीन मेल' ने शुरू से ही नवोदित संवाददाताओं को प्रभावी मंच प्रदान किया। उन्हें संवाद लेखन व पत्रकारिता के हुनर सिखाए। इसके आगमन से अनेक युवक पत्रकारिता की ओर आकर्षित हुए। इस अखबार की भूमिका एक संरक्षक की रही है। यहां प्रतिभाओं को मिले मौके ने मानों उन्हें पंख प्रदान कर दिया। वे सभी वहां सीखें भी और लिखे भी। 'राष्ट्रीय नवीन मेल' ने प्रशिक्षित एवं जुनूनी संवाददाताओं व पत्रकारों की अच्छी खासी संख्या खड़ी कर दी। इसका लाभ खुद संवाददाताओं व पत्रकारों को तो मिल ही रहा है, अन्य अखबारों को भी मिल रहा है। आज राज्य व देश से प्रकाशित होने वाले कई अखबारों में कार्यरत अनेक संवाददाता व पत्रकार वही हैं जो 'राष्ट्रीय नवीन मेल' से प्रशिक्षित होकर निकले हैं। इसे सुखद संयोग ही कहा जाएगा कि 'राष्ट्रीय नवीन मेल' के वर्तमान संपादक श्री राणा अरूण सिंह जी ने भी पत्रकारिता की शुरुआत यहीं से की थी। उनके संपादन में पाठकों के बीच इस अखबार की पैठ व साख बढ़ती जा रही है। व्यक्तिगत बातचीत में कई पत्रकार आज भी राष्ट्रीय नवीन मेल द्वारा पत्रकारों को निखारने के योगदान को स्वीकारते हैं तथा इस अखबार के प्रति कृतज्ञता का भाव रखते हैं।

**स्थानीय समस्याओं व समाचारों को मिला उचित महत्व :** 'राष्ट्रीय नवीन मेल' के पूर्व यहां के पाठकों व जनता को यह मलाल रहता था कि स्थानीय घटनाओं व समाचारों को न तो उचित स्थान मिलता है और न ही प्रमुखता। 'राष्ट्रीय नवीन मेल' के आते ही यह शिकायत समाप्त हो गई। स्थानीय खबरें प्रमुखता से छपने लगीं और इससे लोग जागरूक भी होने लगे। देखते ही देखते अखबार की पहुंच गांवों में भी हो गई। कहा जा सकता है कि इस अखबार ने खबरों के माध्यम से गांवों को शहर से जोड़ दिया।

**समाचार के साथ जनता की आवाज भी :** 'राष्ट्रीय नवीन मेल' ने पाठकों के समक्ष निष्पक्ष समाचार तो परोसा ही, बल्कि जनता की आवाज बनने में भी कोई कसर नहीं छोड़ी। स्थानीय समस्याओं को प्रमुखता से छपने के कारण ये मुद्दे प्रशासन व सरकार के संज्ञान में आते रहे। साथ ही, जनता इस अखबार के जरिए सरकार से जुड़ती रही। फलस्वरूप, उनके समाधान के लिए कदम भी उठाए गए। इससे जनता की परेशानियाँ कम हुईं। निश्चित रूप से समाचार पत्र की यह भूमिका प्रशंसनीय रही।

**साहित्य व साहित्यकारों को बढ़ावा :** एकीकृत पलामू, जो अब पलामू प्रमंडल बन चुका है, साहित्य सृजन की दृष्टि से उर्वर भूमि रही है। यहां के साहित्यकारों ने विभिन्न विधाओं में अपने लेखन कौशल का लोहा मनवाया है। मगर रचनाओं के प्रकाशन की समस्या हमेशा रही है। 'राष्ट्रीय नवीन मेल' ने इन सभी वरिष्ठ-कनिष्ठ साहित्यकारों को उचित स्थान दिया। यहां उनके लेख, कहानी, लघु कथा व कविता आदि को प्रमुखता से प्रकाशित किया गया। बेशक, इससे पलामू में साहित्यिक वातावरण के निर्माण में सहायक मिला। पाठक वर्ग ने भी 'राष्ट्रीय नवीन मेल' के इस पहल को पसंद किया।

**समाचार संकलन व संयोजन में संतुलन :** स्थानीय समाचारों के साथ विभिन्न समाचारों के संतुलन में प्रबंधक व संपादक ने उल्लेखनीय भूमिका निभाई है। चाहे राज्य स्तरीय समाचार हो, राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय समाचार, खेल समाचार, आर्थिक समाचार, राजनीतिक-सांस्कृतिक-साहित्यिक विश्लेषण हो अथवा संपादकीय, सबको प्रमुखता से स्थान देना अखबार की खासियत रही है।

### समाचार की गुणवत्ता व विश्वसनीयता

कोई भी समाचार पत्र पाठकों के बीच तभी स्थापित होता है जब प्रकाशित समाचार की गुणवत्ता हो तथा वह विश्वसनीय व तटस्थ हो। इस मामले में 'राष्ट्रीय नवीन मेल' ने कभी समझौता नहीं किया। यही कारण है कि यह अखबार लगातार तीस वर्षों से प्रकाशित हो रहा है। किसी व्यक्ति या संस्था के जीवन में उतार-चढ़ाव होना लाजिमी है। 'राष्ट्रीय नवीन मेल' के साथ भी ऐसा हुआ। मगर इस अखबार ने चुनौतियों का सामना किया तथा पाठकों के मध्य अपना महत्व बरकरार रखा है। यह सुखद है कि 'राष्ट्रीय नवीन मेल' विभिन्न अखबारों की भीड़ में अपनी अलग पहचान बनाए हुए है। मेरी शुभकामना है कि भविष्य में भी यह अखबार अपनी विशिष्टताओं और तटस्थताओं के लिए जाना जाए तथा पाठकों का पसंद बना रहे। तीस वर्षों के सफल यात्रा के लिए 'राष्ट्रीय नवीन मेल' के समस्त परिवार एवं पाठकों को बहुत-बहुत बधाई व अभिनंदन।

## राष्ट्रीय नवीन मेल : 30 वर्षों की पत्रकारिता की यात्रा

**14** अक्टूबर 1994 पलामू जिला के पत्रकारिता इतिहास में एक नए अध्याय का श्री गणेश है। ठीक 30 वर्ष उपरांत 14 अक्टूबर 1994 को "राष्ट्रीय नवीन मेल" का प्रवेशांक लोगों के हाथ में आया।

श्रीधर प्रसाद द्विवेदी
वरिष्ठ साहित्यकार व लेखक

उक्त तिथि से 14 अक्टूबर 2024 तक पलामू की जीवन रेखा "कोयल" में न जाने कितने जल प्रवाहित हो गए, पर तब से "राष्ट्रीय नवीन मेल" अजस्र जल स्रोत की तरह झारखंड प्रदेश के जनता को स्थानीय एवं राष्ट्रीय समाचारों से निरंतर आप्लावित करते आ रहा है।

"राष्ट्रीय नवीन मेल" अपनी रिपोर्टिंग से यहां की समस्याओं की ओर सरकार एवं समाज दोनों का ध्यान आकर्षित किया है। सिंचाई की समस्या, मजदूरों का पलायन, किसानों की दयनीय दशा का चित्रण आदि विषयों को उठाकर राष्ट्रीय नवीन मेल अपनी पत्रकारिता धर्म के निर्वहन में सदा तत्पर रहा है। स्थानीय समाचार, विधि व्यवस्था और यहां की उपलब्धियों के अतिरिक्त राष्ट्रीय महत्व के विषयों पर बेवाक सम्पादकीय टिप्पणी द्वारा भी यह दैनिक अपनी सार्थकता सिद्ध किया है। वर्तमान में नवीन मेल के सम्पादक श्री राणा अरुण कुमार सिंह का पत्रकारिता का लंबा अनुभव है, और वे अपनी प्रखर प्रतिभा से निष्पक्ष टिप्पणी के कारण समाचार पत्र की गरिमा को अक्षुण्ण बनाने में सक्षम हैं।

अपने साप्ताहिक विशेषांकों में साहित्य एवं संस्कृति, कृषि सम्बन्धी स्तंभों की रोचक प्रस्तुति इस दैनिक को अद्यावधि प्रासंगिक बनाए हुए हैं। आशा है मेदिनीनगर की धरा से प्रकाशित यह दैनिक उत्तरोत्तर निष्पक्ष और प्रासंगिक बना रहेगा।

## राष्ट्रीय नवीन मेल की 30वीं वर्षगांठ पर मेरा अनुभव

**रेवती रमण**

**राष्ट्रीय नवीन मेल** की स्थापना 14 अक्टूबर 1994 को हुई थी। पलामू जैसे अति पिछड़े और नक्सल प्रभावित क्षेत्र में एक अखबार का शुरू होना यहां के लोगों के लिए एक बड़ी उपलब्धि थी। संयोग से मेरा जन्म भी इसी वर्ष हुआ। जब मैं 10 साल का हुआ और अपने आसपास की दुनिया को समझने लगा, तो अक्सर दादा जी और पिताजी से राष्ट्रीय नवीन मेल का ज़िक्र सुनता था। मन में जिज्ञासा थी कि आखिर इस अखबार में ऐसा क्या खास है, जिसकी लोग इतनी तारीफ करते हैं। जब नौवीं कक्षा में अपनी पढ़ाई के लिए मेदिनीनगर आया, तब पहली बार राष्ट्रीय नवीन मेल के प्रेस और शिवाजी मैदान स्थित कार्यालय से मेरा सामना हुआ।

# राष्ट्रीय नवीन मेल के 30वें स्थापना दिवस की ढेरों शुभकामनाएं

**Q. आपके 10 सालों की क्या उपलब्धि है?**

**उत्तर:** 10 सालों के विधायक के रूप में वह हमेशा जनता के सभी सुख दु:ख में साथ रहे हैं। जनता की हक के लिए हर मोर्चे पर लड़ाई लड़ने का काम किए हैं।

**Q. विधानसभा में किन मुद्दों को लेकर आप मुखर रहे हैं?**

**उत्तर :** विधानसभा में क्षेत्र की खराब सड़क, पेयजल, पुल निर्माण को लेकर हमेशा मुखर रहे हैं। विधानसभा क्षेत्र में राजीतिक द्वेष के कारण बहुत से जरूरी कार्यों को नहीं करने दिया गया है। जनता इसका हिसाब चुनाव में देगी।

**Q. विरोधी आप पर विकास नहीं करने का आरोप लगाते हैं। क्या कहेंगे?**

**उत्तर :** देखिए विरोधी हैं तो विरोध तो करेंगे ही। लेकिन उनका स्पष्ट मानना है कि जो विकास किसी भी विधायक ने इस क्षेत्र में नहीं किया वह काम उन्होंने करके दिखाया है। यही कारण है कि जनता उन्हें लगातार दो बार से जीता रही है।

**Q. तीसरी बार आप किन मुद्दों को लेकर जनता के बीच जाएंगे?**

**उत्तर:** इस बार भी वह जन मुद्दों को लेकर ही मैदान में उतरेंगे। जो काम दस साल में नहीं पूरा हो पाया है। उसे पूरा करने का प्रयास करेंगे।

**Q. मंत्री बनते हैं तो आपकी क्या प्राथमिकताएं होंगी?**

**उत्तर :** देखिए मंत्री बनाना पार्टी का काम है। वह पार्टी के एक समर्पित सिपाही के तौर पर काम करते रहे हैं और आगे भी करते रहेंगे।

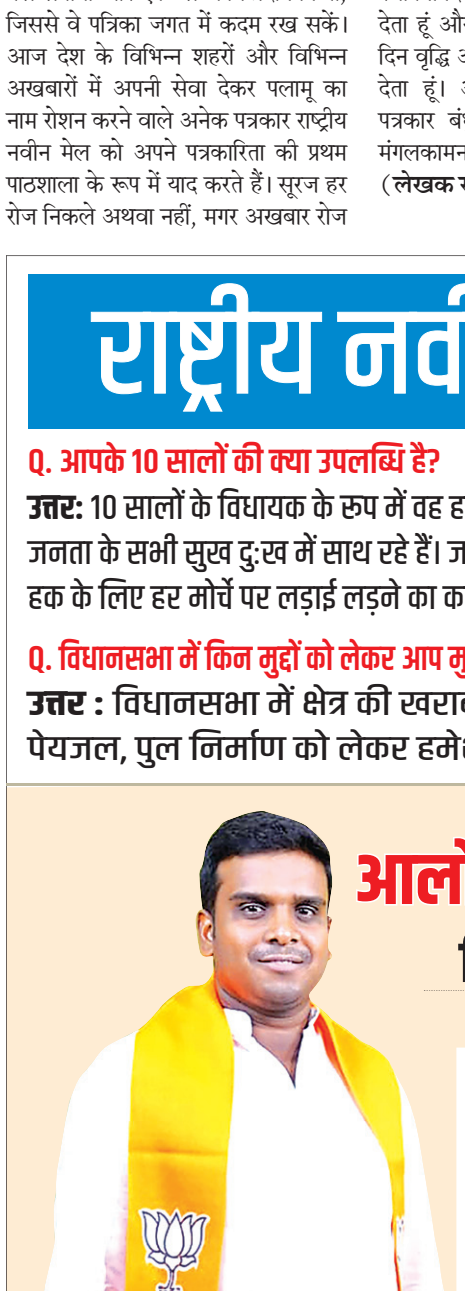

## आलोक चौरसिया

**विधायक**
डालटनगंज

### विधायक आलोक चौरसिया, डालटनगंज, विधानसभा क्षेत्र अन्तर्गत विगत पांच वर्षों में कार्यान्वित योजनाओं की सूची

| क्र. स. | योजना का नाम | राशि (लाख में) |
|---|---|---|
| 1 | प्रखंड मेदिनीनगर पं. झाबर के ग्राम कुण्डेलवा में उरॉव टोला में मलय नदी पर पुल निर्माण। | 3 |
| 2 | प्रखण्ड चैनपुर अन्तर्गत विगुघाटी हरिनामाड़ में टहले नदी पर पुल निर्माण। | 351.207 |
| 3 | प्रखण्ड सतबरवा के ग्राम दुलसुलमा में श्मसान घाट के पास मलय नदी पर पुलिया निमार्ण। | 370.1910 |
| 4 | प्रखण्ड चैनपुर अन्तर्गत केचकी अवसाने पथ में कोयल नदी पर क्षतिग्रस्त पुल के Alignment पर पुल निर्माण। | 1038.5230 |
| 5 | प्रखण्ड चैनपुर के ग्राम+पं. करसों अन्तर्गत ग्राम केल्हार पचलेवा पथ पर पोएहा नदी पर पुल निर्माण। | 392.4950 |
| 6 | प्रखण्ड मेदिनीनगर अन्तर्गत प्रखण्ड-सह-अंचल कार्यालय भवन निर्माण। | 367.594 |
| 7 | प्रखण्ड चैनपुर अन्तर्गत प्रखण्ड-सह-अंचल कार्यालय भवन निर्माण। | 367.594 |
| 8 | प्रखण्ड सतबरवा अन्तर्गत प्रखण्ड-सह-अंचल कार्यालय भवन निर्माण। | 367.594 |
| 9 | प्रखण्ड रामगढ़ अन्तर्गत प्रखण्ड-सह-अंचल कार्यालय भवन निर्माण। | 367.594 |
| 10 | प्रखण्ड चैनपुर में प्रखण्ड विकास पदाधिकारी-सह-अंचलाधिकारी/पर्यवेक्षीय/ तृतीय/चतुर्थ वर्ग कर्मचारी आवास निर्माण तथा प्रखण्ड परिसर का विकास एवं विविध कार्य। | 497.072 |
| 11 | प्रखण्ड रामगढ़ में प्रखण्ड विकास पदाधिकारी-सह-अंचलाधिकारी/पर्यवेक्षीय/तृतीय/चतुर्थ वर्ग कर्मचारी आवास निर्माण तथा प्रखण्ड परिसर का विकास एवं विविध कार्य। | 626.072 |
| | कुल राशि | 4939.5730 |

- डालटनगजं : कांदु मोहल्ला से भुसही तक पथ का सुदृढ़ीकरण।
- चैनपुर : पुरबडीहा से कटअल तक पथ का सुदृढ़ीकरण ।
- डालटनगजं : लिलवा करम से रामसेवक बाबू के पेट्रोल पम्प तक पथ का सुदृढ़ीकरण ।
- चैनपुर : हंसा (चैनपुर) से झरिवा तक पथ का सुदृढ़ीकरण ।
- रामगढ़ : कंकारी (चैनपुर) से अजलातुआ तक पथ का सुदृढ़ीकरण ।
- सतबरवा : सतबरवा मुख्य पथ से हुरमुर बस्ती भाया राबदा देवी मंडप तक पथ का सुदृढ़ीकरण ।
- चैनपुर : नेउरा से बंदुआ होते हुए महुगांवा तक पथ का सुदृढ़ीकरण कार्य।
- सतबरवा : बारी मोड़ से रजडेरवा एनएच 75 भाया विक्रम शर्मा के घर बारी ग्राम तक पथ का सुदृढ़ीकरण ।
- डालटनगजं सदर : चियांकी एनएच 75 रजवाडीह पीडब्लूडी पथ से श्याम उरांव के घर होते हुए बिचला टोला तक पथ का सुदृढ़ीकरण कार्य।
- मेदिनीनगर : पंचायत सरजा में पोखरहा तालाब से पुरनाडीह टोला होते हुए बकोईया स्कूल तक पथ निर्माण कार्य।
- रामगढ़ : पंचायत नावाडीह से पिपराही तक पथ निर्माण कार्य।
- चैनपुर : गढवा शाहपुर- बुढ़ीवीर मने रोड से जयनगरा स्कूल एवं जयनगरा स्कूल से सरना सिल तक पथ निर्माण कार्य।
- चैनपुर : चढन व पहाड़ी बाबा मोड़ आरईओ रोड से विश्वकर्मा टोला होते हुए भुईयां टोला तक पथ निर्माण कार्य ।
- चैनपुर : मेन रोड आरईओ मोड़ से मनोज चैरसिया के घर एवं राजबिहारी चैरसिया के घर होते हुए छप्परदागा सिवाना तक पथ निर्माण कार्य।
- चैनपुर : हरिहर प्रजापति के घर से कुम्हार टोला होते हुए वृन्दावन तिवारी के घर तक पथ निर्माण कार्य।

**500** बेड का आधुनिक हॉस्पीटल एवं कॉलेज का निर्माण।

**250** लोगों की क्षमता वाला बहुउद्देशीय आश्रम मॉडल आवसीय विद्यालय।

**500** क्षमता वाला ओडीटोरियम एकलव्य मॉडल आवसीय विद्यालय।

जल-जीवन मिशन के तहत चैनपुर-चान्दो में सप्लाईपानी की व्यवस्था 10 हजार लोगों के घर में।

# हेयर स्टाइल को लेकर सुर्खियों में धोनी

**रांची।** टीम इंडिया के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी एक बार फिर अपने हेयर स्टाइल को लेकर सुर्खियों में है। धोनी का नया लुक सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। देश के जाने-माने हेयर स्टाइलिस्ट आलिम हकीम ने अपने इंस्टा और एक्स हैंडल पर धोनी की तीन फोटोज शनिवार को शेयर की है। फोटो में एमएसडी छोटे बाल में नजर आ रहे हैं। एक साइड उनके बाल छोटे-छोटे हैं जबकि दूसरे साइड के बाल हल्के बड़े हैं।

हेयर स्टाइलिस्ट ने फोटो के साथ कैप्शन में लिखा कि महेंद्र सिंह धोनी। हमारे एकमात्र थाला। आईपीएल से पहले माही का नया लुक देख फैंस चौंक गये। हालांकि, फैंस को माही का नया लुक पसंद आ रहा है। आलिम हकीम देश के जाने-माने हेयर स्टाइलिस्ट हैं। आलिम के पास बॉलीवुड स्टार से लेकर क्रिकेटर तक अपना हेयर कट करवाते हैं। महेंद्र सिंह धोनी भी अपने हेयरस्टाइल को लेकर हमेशा सर्खियों में रहते हैं। आईपीएल के हर सीजन से पहले वह अपना लुक बदलते हैं। पिछले सीजन में माही लंबे बालों में नजर आये थे। वहीं, आईपीएल 2025 में माही छोटे बालों में दिखेंगे। पहले तस्वीर में माही का साइड लुक फोटो है और वो नीचे देख रहे हैं। दूसरी तस्वीर में माही ने साइड लुक किया है लेकिन सामने देख रहे हैं। तीसरी तस्वीर की बात करें तो इसमें माही के साथ आलिम हकीम भी नजर आ रहे हैं। वह क्रिकेटर के हेयर कट कर रहे हैं।

# दबाव और असफलताओं से निपटना सीख लिया है : संजू

**एजेंसी। हैदराबाद**

कि मुख्य कोच गौतम गंभीर ने उन्हें बांग्लादेश श्रृंखला के दौरान सलामी बल्लेबाज की भूमिका निभाने के टीम प्रबंधन के फैसले के बारे में पहले ही बता दिया था। उन्होंने कहा, 'मैं भाग्यशाली था कि गौतम भाई, सूर्यकुमार और अभिषेक नायर ने तीन सप्ताह पहले ही मुझे सूचित कर दिया था कि बांग्लादेश के खिलाफ में पारी की शुरुआत करूंगा।

भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन ने कहा कि उन्होंने शीर्ष स्तर की क्रिकेट में दबाव और असफलताओं के साथ जीना सीख लिया है तथा उन्होंने टीम प्रबंधन का भी आभार व्यक्त किया जिसने उन्हें विषम परिस्थितियों से बाहर निकलने और खुद को साबित करने के लिए एक और मौका दिया। सैमसन ने अपनी योग्यता के साथ पूरा न्याय करते हुए बांग्लादेश के खिलाफ शनिवार को यहां टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपना पहला शतक जड़ा लेकिन इससे पहले का उनका सफर अच्छा नहीं रहा था। वह श्रीलंका के खिलाफ दो मैच में खाता भी नहीं खोल पाए थे जबकि बांग्लादेश के खिलाफ शुरुआती दो मैच में भी उनका प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा था। सैमसन ने मैच के बाद कहा, 'श्रीलंका के खिलाफ दो मैच में खाता नहीं खोलने के बाद मुझे अगली श्रृंखला में मौका मिलने को लेकर थोड़ा संदेह था। लेकिन उन्होंने (कोचिंग स्टाफ और कप्तान) मुझ पर भरोसा बनाए रखा। वे कहते रहे कि वे समर्थन करना जारी रखेंगे।' इस 29 वर्ष के खिलाड़ी ने स्वीकार किया कि भारत की तरफ से खेलते हुए आप दबाव से मुक्त नहीं हो सकते। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि एक भारतीय क्रिकेटर के रूप में मानसिक रूप से आप बहुत कुछ झेलते हैं, खासकर इस प्रारूप (टी20) में। लेकिन मैंने दबाव और असफलताओं से निपटना सीख लिया है। मुझे लगता है कि इसका काफी श्रेय ड्रेसिंग रूम, नेतृत्व समूह, कप्तान और कोच को जाना चाहिए जिन्होंने मेरा समर्थन करना जारी रखा।'

सैमसन ने कहा, 'इसके बाद मैं राजस्थान रॉयल्स अकादमी में गया और मैंने वहां नई गेंद के गेंदबाजों के खिलाफ जमकर अभ्यास किया। इससे मुझे मदद मिली। मुझे लगता है कि मैं इस श्रृंखला में किसी भी अन्य श्रृंखला की तुलना में 10 प्रतिशत अधिक तैयार होकर आया था।' सैमसन ने कहा कि अपनी भूमिका को लेकर स्पष्टता से उन्हें अपने खेल को लेकर अधिक जागरूकता हासिल करने में मदद मिली। उन्होंने कहा, 'मैं अपने खेल को अच्छी तरह से समझता हूं कि मैं एक से लेकर छह नंबर तक किसी भी स्थान पर बल्लेबाजी कर सकता हूं। मेरे पास बड़े शॉट लगाने के लिए जरूरी ताकत है और मेरी टाइमिंग भी अच्छी है। इसलिए यह सब मेरी भूमिका के अनुसार तैयारी करने से जुड़ा हुआ है।' सैमसन ने कहा, 'जब आप असफलताओं का सामना करते हैं तो यह कहना आसान होता है कि अगले मैच में मैं रन बनाऊंगा। लेकिन मैं जानता हूं कि मैं किस तरह का व्यक्ति हूं।

# वाशिंगटन ने पांड्या और रियान को पीछे छोड़ा, जीता 'इम्पैक्ट फील्डर' का पुरस्कार

**एजेंसी। हैदराबाद**

भारत के युवा ऑलराउंडर वाशिंगटन सुंदर ने बांग्लादेश के खिलाफ हाल ही में समाप्त हुई टी20 श्रृंखला में शानदार क्षेत्ररक्षण करने के लिए भारतीय क्रिकेट टीम का 'इम्पैक्ट फील्डर' पुरस्कार हासिल किया। वाशिंगटन ने इस पुरस्कार की दौड़ में हार्दिक पांड्या और रियान पराग को पीछे छोड़ा। भारत के क्षेत्ररक्षण कोच टी दिलीप ने वाशिंगटन के क्षेत्ररक्षण में उत्कृष्ट सुधार की सराहना की और कहा कि वह क्षेत्ररक्षण करते समय एक अलग तरह के खिलाड़ी नजर आए। भारत ने संजू सैमसन के बेहतरीन शतक की मदद से बांग्लादेश को शनिवार को यहां खेले गए तीसरे मैच में 133 रन से हराकर टी20 श्रृंखला 3-0 से जीती और इस तरह से टेस्ट और टी20 श्रृंखला में 5-0 से क्लीनस्वीप किया। दिलीप के दावेदार नंबर एक पांड्या थे। क्षेत्ररक्षण कोच ने मैदान पर उनकी ऊर्जा की तुलना 'टॉप गियर में फॉर्मूला वन कार' से की। पराग किसी मुश्किल कैच को भी बेहद आसान बनाने के कारण दूसरे नंबर के दावेदार थे। लेकिन वाशिंगटन ने सीमा रेखा पर सटीक क्षेत्ररक्षण के दम पर इन दोनों को पीछे छोड़ दिया। उन्होंने श्रृंखला में तीन कैच लपके और केवल पांच रन प्रति ओवर की शानदार इकॉनमी रेट के साथ गेंदबाजी की। वाशिंगटन ने जितेश शर्मा से पदक हासिल करने के बाद कहा, 'यह सचमुच हैरानी भरा लगता है। मैं जब भी मैदान पर होता हूं तो अपना शत प्रतिशत योगदान देने का प्रयास करता हूं। स्थिति कैसी भी हो प्रत्येक खिलाड़ी मैदान पर अपना योगदान दे सकता है। मैं इस पुरस्कार के लिए आभारी हूं। मैं दिलीप सर और सहयोगी स्टाफ के अन्य सदस्यों का आभार व्यक्त करता हूं।'

भारत अब 16 अक्टूबर को बेंगलुरु में शुरू होने वाली तीन टेस्ट मैचों की घरेलू श्रृंखला में न्यूजीलैंड से भिड़ेगा। इसके बाद भारत की सीमित ओवरों की टीम अगले महीने चार मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला खेलने के लिए दक्षिण अफ्रीका का दौरा करेगी।

# पुर्तगाल की जीत में रोनाल्डो का फिर गोल

**एजेंसी। बार्सिलोना**

क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने अपना रिकार्ड 133वां अंतरराष्ट्रीय गोल दागकर पुर्तगाल को नेशंस लीग फुटबाल टूर्नामेंट में पोलैंड पर 3-1 से जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई जबकि एक अन्य मैच में स्पेन ने डेनमार्क को 1-0 से हराया। रोनाल्डो ने 37वें मिनट में राफेल लेओ के शॉट के पोस्ट से टकराने के बाद रिबाउंड पर गोल किया। इससे पहले बर्नार्डो स्विा ने 26वें मिनट में पुर्तगाल की तरफ से पहला गोल किया था। रोनाल्डो इस साल के शुरू में यूरोपीय चैंपियनशिप में पुर्तगाल की तरफ से पांच मैचों में एक भी गोल नहीं कर पाए थे लेकिन नेशंस लीग में उन्होंने अभी तक जो तीन मैच खेले हैं उन सभी में वह गोल करने में सफल रहे। इनमें क्रोएशिया के खिलाफ किया गया गोल भी शामिल है जो उनके करियर का 900वां गोल था। पोलैंड की तरफ से एकमात्र गोल मिडफील्डर पियोत्र जिलिंस्की ने 78वें मिनट में किया लेकिन डिफेंडर जान बेडनारेक ने खेल समाप्त होने से दो मिनट पहले आत्मघाती गोल करके पुर्तगाल की बड़ी जीत सुनिश्चित की। पुर्तगाल ग्रुप ए1 में तीन मैचों में 9 अंकों के साथ शीर्ष पर है। क्रोएशिया के छह अंक हैं और वह दूसरे स्थान पर है। उसने जगरेब में खेले गए मैच में स्कॉटलैंड को 2-1 से हराया। स्पेन ने नेशंस लीग के एक अन्य मैच में मार्टिन जुबिमेन्डी के 79वें मिनट में किए गए गोल की मदद से डेनमार्क को 1-0 से हराया। इस जीत से मौजूदा चैंपियन स्पेन के ग्रुप ए4 में तीन मैचों के बाद सात अंक हो गए हैं। डेनमार्क छह अंक के साथ दूसरे स्थान पर है। सर्बिया के चार अंक हैं।

**पोलैंड पर 3-1 से दर्ज की जीत**

# टेक्सास में युवा क्रिकेटरों को गुर सिखाएंगे सचिन

**ह्यूस्टन (अमेरिका)।** भारत के दिग्गज बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर टेक्सास में राष्ट्रीय क्रिकेट लीग फाइनल के दौरान एक विशेष क्रिकेट क्लीनिक में युवा क्रिकेटरों को इस खेल के गुर सिखाएंगे। यह क्रिकेट क्लीनिक डलास में टेक्सास विश्वविद्यालय में आयोजित किया जाएगा जिसका उद्देश्य युवा क्रिकेटरों को प्रेरित करना और अमेरिका में जमीनी स्तर पर इस खेल को बढ़ावा देना है। तेंदुलकर ने रविवार सुबह होने वाले कार्यक्रम से पहले कहा, 'क्रिकेट ने मुझे बहुत कुछ दिया है और अब इसे वापस देने की मेरी बारी है।'' उन्होंने कहा,''मैं इन युवा खिलाड़ियों से मिलने और उन्हें यह बताने को ले क र

उत्साहित हूं कि कड़ी मेहनत और जुनून से कुछ भी हासिल किया जा सकता है।'

राष्ट्रीय क्रिकेट लीग (एनसीएल) के अध्यक्ष अरुण अग्रवाल ने तेंदुलकर की भागीदारी के महत्व के बारे में कहा, 'यह क्रिकेट से भी कहीं अधिक महत्वपूर्ण है। यह अपनी उम्मीदों और सपनों को साकार करने के लिए प्रेरित करने से जुड़ा है। सचिन जैसे व्यक्ति का इन युवा खिलाड़ियों को मार्गदर्शन देना बहुत मायने रखता है।' एनसीएल से कई दिग्गज क्रिकेटर जुड़े रहे हैं जिनमें सुनील गावस्कर, वसीम अकरम और सर विवियन रिचर्ड्स भी शामिल हैं। राष्ट्रीय क्रिकेट लीग के इस सत्र में शाहिद अफरीदी, सुरेश रैना, शाकिब अल हसन और क्रिस लिन जैसे खिलाड़ियों ने भी अपनी सेवाएं दी।

# जयवर्धने बने मुंबई इंडियंस के मुख्य कोच

**मुंबई(आईएएनएस)**

मुंबई इंडियंस ने माहेला जयवर्धने को आईपीएल 2025 के लिए अपना मुख्य कोच बनाया है। वह मार्क बाउचर की जगह लेंगे, जो 2022 और 2023 में टीम के मुख्य कोच थे। इससे पहले जयवर्धने 2017 से 2022 तक लगातार पांच साल तक टीम के मुख्य कोच रहे थे। हालांकि 2022 में मुंबई फ्रेंचाइजी के दूसरे लीगों में वैश्विक विस्तार के कारण उन्हें फ्रेंचाइजी का ग्लोबल हेड बनाया गया था, लेकिन अभी उन्हें फिर से वापस लाया गया है। मुंबई इंडियंस की तरफ़ से फ्रेंचाइजी मालिक आकाश अंबानी ने एक प्रेस रिलीज़ जारी करते हुए कहा, "हम माहेला को वापस मुख्य कोच के रूप में लाकर बहुत उत्साहित हैं। हमारी अन्य टीमें भी अब अपनी पांव जमा चुकी हैं और यह माहेला को वापस लाने का सही समय है। उनके नेतृत्व और ज्ञान से मुंबई इंडियंस को हमेशा लाभ मिला है। हम इस मौक़े पर बाउचर को भी उनके योगदान के लिए धन्यवाद देते हैं। वह मुंबई इंडियंस परिवार का एक अभिन्न हिस्सा हैं।"

वहीं इस अवसर पर जयवर्धने ने कहा, "मुंबई इंडियंस परिवार के साथ मेरी यात्रा विकास की यात्रा रही है। 2017 में भी जब मैं आया था तो भविष्य के लिए एक टीम तैयार करनी थी, अभी भी कुछ वैसा ही मौक़ा है।

# दूसरे टेस्ट से बाहर हो सकते हैं बाबर आजम

**मुल्तान(आईएएनएस)।** मुल्तान में पहले टेस्ट में इंग्लैंड के ख़िलाफ़ मिली शर्मनाक हार के बाद बाबर आजम पर दूसरे टेस्ट में गाज गिर सकती है। ईएसपीएनक्रिकइंफो को पता चला है कि नई चयन समिति ने बाबर को बाहर किए जाने की सिफ़ारिश की है। शुक्रवार को पकिस्तान की हार के कुछ ही घंटों बाद लाहौर में चयन समिति की बैठक में यह प्रस्ताव सामने रखा गया था। इसके बाद शनिवार को भी मुल्तान में पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के चेयरमैन मोहसिन नक़वी की मौजूदगी में बैठक हुई, इस बैठक में पीसीबी द्वारा तीन वर्ष के अनुबंध पर नियुक्त किए गए पांच मेंटॉर भी उपस्थित थे। हालांकि इंग्लैंड के ख़िलाफ़ हार के बाद पाकिस्तान के कप्तान शान मसूद ने सार्वजनिक तौर पर बाबर का बचाव किया था। उन्होंने बाबर को पाकिस्तान का सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज़ बताते हुए खिलाड़ियों को अधिक समय दिए जाने की बात बार बार दोहराई थी। टेस्ट कोच जेसन गिलेस्पी भी बाबर को टीम में बनाए रखने के पक्ष में हैं। हालांकि चयन समिति का यह मानना है कि ख़राब फ़ॉर्म को देखते हुए बाबर के लिए राष्ट्रीय टीम से इतर अपना कुछ समय बिताना सही रहेगा।

# मिस्टर ओलंपिया प्रो पावरलिफ्टिंग चैंपियनशिप में रितेश डोगरा ने रचा इतिहास

**एजेंसी। नई दिल्ली**

द्रोणाचार्य भूपेंद्र धवन के शिष्य रितेश डोगरा ने लास वेगास (यूएसए) में आयोजित मिस्टर ओलंपिया प्रो पावरलिफ्टिंग चैंपियनशिप 2024 में 2 स्वर्ण और 1 रजत पदक जीतकर एक बार फिर इतिहास रच दिया। 10 से 12 अक्टूबर तक आयोजित इस प्रतियोगिता में रितेश ने 90 किग्रा वर्ग में कुल 745 किग्रा वजन उठाकर प्रथम स्थान प्राप्त किया। बेंच प्रेस में उनका कड़ा मुकाबला था जिसमें यूएसए के मार्क हेनिंग्स (शरीर का वजन 90 किग्रा) ने स्वर्ण और रितेश डोगरा ने बेंच प्रेस स्पर्धा में रजत पदक जीता।

90 किग्रा वर्ग ओपन रॉ डेडलिफ्ट में रितेश डोगरा ने अपने जीवन का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए (305 किग्रा के साथ) स्वर्ण पदक जीता। रजत पदक मैक्सिको के रोजर पाज़ ने जीता (जिन्होंने 303 किग्रा उठाया)। यह एक बहुत ही करीबी मुकाबला था।

भूपेंद्र धवन ने रितेश डोगरा को बधाई देते हुए कहा कि ये पदक हमारे माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खेलो इंडिया और फिट इंडिया आंदोलन को समर्पित हैं।

## व्यापार/लाइफ व साइंस

# हुंडई मोटर इंडिया का आईपीओ 15 अक्टूबर से खुलेगा

**इससे पहले 2022 में आया 21,000 करोड़ रुपये का भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) का आईपीओ देश का सबसे बड़ा आईपीओ था।**

**एजेंसी। नई दिल्ली**

देश की बड़ी कार निर्माता कंपनियों में से एक हुंडई मोटर इंडिया का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) 15 अक्टूबर से आम निवेशकों के लिए खुलने जा रहा है। इस आईपीओ के जरिए कंपनी की योजना 27,870 करोड़ रुपये जुटाने की है। यह देश का अब तक सबसे बड़ा आईपीओ होगा।

इससे पहले 2022 में आया 21,000 करोड़ रुपये का भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) का आईपीओ देश का सबसे बड़ा आईपीओ था। कंपनी द्वारा दी गई जानकारी के मुताबिक, आईपीओ 15 अक्टूबर से लेकर 17 अक्टूबर तक रिटेल निवेशकों के लिए खुला रहेगा। इसका प्राइस बैंड 1,865 रुपये से लेकर 1,960 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है।

हुंडई मोटर इंडिया के एक लॉट में सात शेयर होंगे। यह पूरा आईपीओ ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) होगा। मतलब, इस आईपीओ के जरिए जुटाया गया सारा पैसा कंपनी के निवेशकों या प्रवर्तकों के पास जाएगा। हुंडई मोटर इंडिया, मारुति सुजुकी इंडिया के बाद देश की दूसरी सबसे बड़ी कार कंपनी है। जून 2024 में कंपनी का मार्केट शेयर 24 प्रतिशत था।

पिछले वित्त वर्ष में कंपनी ने 7.77 लाख वाहनों की बिक्री की थी, जिसमें से 21 प्रतिशत का निर्यात अफ्रीका, मध्य पूर्व, यूरोप और लैटिन अमेरिका जैसे देशों में किया गया था। कंपनी के पास देश में 1,377 सेल्स आउटलेट्स और 1,561 सर्विस आउटलेट्स हैं। हुंडई मोटर इंडिया की वित्त वर्ष 2023-24 में आय 69,829 करोड़ रुपये की थी।

# जिप इलेक्ट्रिक का नुकसान वित्त वर्ष 24 में 2.2 गुना बढ़कर 91 करोड़ रुपये हुआ

**एजेंसी। नई दिल्ली**

इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) कंपनी जिप इलेक्ट्रिक का नुकसान वित्त वर्ष 24 में 2.2 गुना बढ़कर 91 करोड़ रुपये हो गया है, जो कि इससे पहले के वित्त वर्ष में 40 करोड़ रुपये था। वित्त वर्ष 24 के फाइनेंसियल स्टेटमेंट्स के मुताबिक, जिप इलेक्ट्रिक का ईबीआईटीडीए मार्जिन नकारात्मक 19.47 प्रतिशत रहा है। वित्त वर्ष 24 में कंपनी का खर्च 2.6 गुना बढ़कर 394 करोड़ रुपये हो गया है, जो कि वित्त वर्ष 23 में 152 करोड़ रुपये था। वित्त वर्ष 24 में कंपनी की संचालन से आय 293 करोड़ रुपये रही। वित्त वर्ष 23 में कंपनी की संचालन से आय करीब 109 करोड़ रुपये थी। जिप इलेक्ट्रिक की स्थापना 2017 में हुई थी। कंपनी के मुताबिक, उसके पास 22,000 वाहनों की एक एक्टिव फ्लीट है। वाहनों से किराया और डिलीवरी सर्विसेज कंपनी की आय का मुख्य जरिया है। इस साल मई में जिप इलेक्ट्रिक की ओर से 15 मिलियन डॉलर का फंड जुटाया गया था। कंपनी की योजना 2026 तक इलेक्ट्रिक स्कूटर्स की फ्लीट को बढ़ाकर 2,00,000 करना और अपने ऑपरेशन का विस्तार 15 शहरों तक करना था। इस फंडिंग राउंड का नेतृत्व जापानी निवेशक कंपनी ईएनईओएस की ओर से किया गया था। इसके अलावा 9यूनिकॉर्न, आईएएन फंड और अन्य निवेशकों ने इस फंडिंग राउंड में भाग लिया था।

# एसबीआई की छोटे उद्यमों के लिए तत्काल ऋण योजना के तहत सीमा बढ़ाने की योजना

**एजेंसी। नई दिल्ली**

भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) एमएसएमई क्षेत्र को आसानी से पर्याप्त कर्ज उपलब्ध कराने के लिए तत्काल ऋण योजना के तहत कर्ज सीमा को मौजूदा पांच करोड़ रुपये से बढ़ाने की योजना बना रहा है। 'एमएसएमई सहज' 'डिजिटल इनवॉयस' वित्त पोषण योजना है। इसके तहत बिना किसी मानवीय हस्तक्षेप के 15 मिनट के भीतर ऋण के लिए आवेदन करने, दस्तावेज उपलब्ध कराने और स्वीकृत ऋण को जारी करने की सुविधा दी जाती है। एसबीआई के चेयरमैन सी एस शेट्टी ने बातचीत में कहा, "हमने पिछले साल पांच करोड़ रुपये तक की ऋण सीमा के लिए एक डेटा आधारित मूल्यांकन शुरू किया था। हमारी एमएसएमई शाखा में आने वाले किसी भी व्यक्ति को केवल अपना पैन और जीएसटी आंकड़ों तक पहुंच की अनुमति देनी होगी। हम 15-45 मिनट में मंजूरी दे सकते हैं।"उन्होंने कहा कि बैंक एमएसएमई ऋण के सरलीकरण पर जोर दे रहा है। इससे गिरवी रखने की जरूरत कम हो जाती है, और बहुत से लोग संगठित एमएसएमई उधार प्रणाली में आ सकेंगे। शेट्टी ने कहा, "अभी भी बड़ी संख्या में एमएसएमई ग्राहक हैं, जो असंगठित क्षेत्र से ऋण ले रहे हैं। हम उन्हें बैंक के दायरे में लाना चाहेंगे।"

नेटवर्क विस्तार के सवाल पर शेट्टी ने कहा कि एसबीआई चालू वित्त वर्ष में देश भर में 600 शाखाएं खोलने की योजना बना रहा है। मार्च 2024 तक एसबीआई के पास देश भर में 22,542 शाखाओं का नेटवर्क था। उन्होंने कहा, "हमारे पास शाखा विस्तार की मजबूत योजनाएं हैं यह मुख्य रूप से उभरते क्षेत्रों पर केंद्रित होगी। बहुत सी आवासीय कॉलोनियों तक हम नहीं पहुंचे हैं।

# भारत से इलेक्ट्रिक वाहन निर्यात करने का अवसर तलाशेंगे : हुंडई

**एजेंसी। नई दिल्ली**

हुंदै मोटर इंडिया लि. आगामी इलेक्ट्रिक वाहनों को देश से अन्य बाजारों में निर्यात करने के अवसरों को टटोलेगी। कंपनी उभरते बाजारों के लिए उत्पादन केंद्र के रूप में अपनी स्थिति बढ़ाने के लिए यह कदम उठा रही है। कंपनी के मुख्य परिचालन अधिकारी तरूण गर्ग ने यह कहा। कंपनी भविष्य में चार इलेक्ट्रिक वाहन पेश करने की योजना बना रही है। इसमें वित्त वर्ष 2024-25 की चौथी तिमाही तक उसकी लोकप्रिय स्पोर्ट्स यूटिलिटी व्हीकल (SUV क्रेटा का इलेक्ट्रिक संस्करण भी शामिल है। गर्ग ने पीटीआई-भाषा से कहा, ''हम उभरते बाजारों के लिए एक बहुत मजबूत उत्पादन केंद्र हैं। हम 80 से अधिक देशों को निर्यात कर रहे हैं। जहां तक ईवी (इलेक्ट्रिक वाहन) का सवाल है, यह निश्चित रूप से मांग पर निर्भर करेगा।

# डॉलर के मुकाबले रुपया फिसलकर 84 के पार

**नई दिल्ली(आईएएनएस)।** अंतरबैंकिंग मुद्रा बाजार में रुपये की कीमत 11 सितंबर को अपने दूसरे सर्वकालिक निचले स्तर पर पहुंच गई। सप्ताहांत पर कारोबार बंद होते समय एक डॉलर की कीमत 84 रुपये को पार कर गई। इस गिरावट की वजह शेयर बाजार में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों की बताई जा रही है।

मुद्रा बाजार में एक डॉलर की कीमत 84.07 रुपये रही। भारतीय मुद्रा का ऐतिहासिक निचला स्तर 84.10 रुपये प्रति डॉलर रहा

है। इससे पहले गुरुवार को भी यह 83.98 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुई थी।

निकोरे एसोसिएट्स की प्रमुख और आर्थिक मामलों की जानकार मिताली निकोरे ने आईएएनएस को बताया, "भारतीय रुपये के अंतरबैंकिंग मुद्रा बाजार में मूल्यांकन के हालात को समझने के लिए कुछ वर्ष पीछे देखना होगा। भारतीय रुपये ने पहली बार सितंबर 2022 में 80 रुपये प्रति डॉलर का स्तर छुआ था। इन दो वर्षों में इसमें धीरे-धीरे गिरावट आई है। अक्टूबर 2022 में रुपये का मूल्य 82 से 83 रुपये के बीच रहा। इसके बाद, भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने वैश्विक मुद्रा बाजार में असाधारण कार्रवाई की, जिसमें डॉलर और अन्य विदेशी मुद्राएं बेचीं, ताकि रुपये को 83-84 रुपये प्रति डॉलर के स्तर पर बनाए रखा जा सके। हाल ही में भारतीय मुद्रा ने 84 रुपये प्रति डॉलर के स्तर को पार किया है और अब इसका मूल्य 84.06 रुपये प्रति डॉलर है। इसके पीछे के कारणों को समझना आवश्यक है। वर्तमान में रुपये की गिरावट के दो मुख्य कारण हैं। पहला, पश्चिम एशिया में चल रहा तनाव है। भारत के विदेशी मुद्रा और डॉलर के जमा का एक बड़ा हिस्सा कच्चे तेल के आयात के लिए उपयोग होता है।

# मेला घूमने के दौरान मारपीट में घायल युवक की हुई मौत

## परिजनों ने सड़क जाम कर हंगामा किया

नवीन मेल संवाददाता

**रांची।** दुर्गा पूजा घूमने के दौरान हुए विवाद के बाद मारपीट में घायल हुए युवक रोहित तिर्की की इलाज के दौरान मौत हो गई। रोहित तिर्की की मौत से आक्रोशित परिजनों ने रांची के लालपुर चौक को जाम कर हंगामा करने की कोशिश की। हालांकि पुलिस ने मौके पर पहुंचकर मामला शांत करा लिया। रोहित के परिजनों ने बताया कि 11 अक्टूबर को रोहित दुर्गा पूजा घूमने के लिए गया हुआ था। पूजा के दौरान कुछ आपराधिक किस्म के युवकों से उसका विवाद हो गया। विवाद के बाद युवकों के द्वारा रोहित के साथ मारपीट की गई, जिसमें रोहित बुरी तरह से जख्मी हो गया। रोहित को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया था, लेकिन इलाज के दौरान रविवार को उसकी मौत हो गई।

**शव के साथ सड़क जाम कर हंगामा :** रोहित की हत्या से आक्रोशित परिजनों ने स्थानीय लोगों के साथ मिलकर शव के साथ लालपुर चौक को जाम कर दिया। लोगों का कहना था कि शहर भर में पूजा को लेकर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। खास तौर से पंडाल के इर्द गिर्द पुलिस की कड़ी तैनाती के बावजूद इसके रोहित की पीट-पीटकर हत्या हो गई। लोगों ने आरोप लगाया कि वारदात के 48 घंटे बाद भी इस हत्या में कौन लोग शामिल हैं इसकी जानकारी पुलिस को नहीं है। सड़क जाम करने की वजह से लालपुर चौक के पास लंबा जाम लग गया।

**पुलिस ने शांत करवाया मामला :** मामले की जानकारी मिलने पर सिटी डीएसपी केवी रमन, लालपुर थाना प्रभारी सहित अतरिक्त बल मौके पर पहुंचे और सड़क पर प्रदर्शन कर रहे हैं लोगों को समझाकर जाम खत्म करवाया। सिटी डीएसपी केवी रमन ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज के आधार पर अपराधियों की पहचान कर उनकी गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। इस हत्या में शामिल किसी भी अपराधी को बख्शा नहीं जाएगा।

**फोन कॉल के जरिए घटनास्थल पर बुलाया गया :** रोहित के परिजनों द्वारा मामले में लालपुर थाने में एफआईआर भी दर्ज करायी है। एफआईआर के अनुसार 11 अक्टूबर को रोहित को रात में एक कॉल आता है और उसे रातू रोड के पास बुलाया जाता है। जैसे ही रोहित वहां पहुंचता है, वहां मौजूद 20 से 25 युवक उसकी पिटाई शुरू कर देते हैं। इस वारदात को रातू रोड स्थित पूजा पंडाल के ठीक बगल में अंजाम दिया गया। घायल रोहित को पुलिस के द्वारा ही अस्पताल पहुंचाया गया था, जहां उसकी मौत हो गई।

### रोहित के हत्यारों की हो अविलंब गिरफ्तारी : बाबूलाल

**रांची।** भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने रविवार को रांची के लोहराकोचा बस्ती में मृतक रोहित तिर्की के परिजनों से मुलाकात की। इस दौरान मीडिया से बात करते हुए कहा कि राज्य में अपराधी बेलगाम हैं। किसी की भी हत्या करने से नहीं डर रहे। जवान बेटे को खोने का दर्द वही जानता है, जिसके घर ऐसी घटना होती है। पुलिस घटना के तीन दिन बीत जाने पर भी अपराधी की पहचान नहीं कर पाई है। जबकि सीसीटीवी से यह संभव है। बाबूलाल ने कहा कि पुलिस को अविलंब घटनास्थल के सीसीटीवी फुटेज को खंगालना चाहिए। प्रशासन अविलंब हत्यारे को गिरफ्तार करे। साथ ही राज्य सरकार परिजनों की मांग के अनुरूप उचित मुआवजा दे। बाबूलाल ने कहा कि पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ कर अपराधी की पहचान कर सकती है।

### रांची में मोबाइल टावर में लगी आग मची अफरा-तफरी

**रांची।** राजधानी के कोतवाली थाना क्षेत्र में स्थित एक मोबाइल टावर में आग लग गई, जिससे कुछ देर के लिए अफरा-तफरी मच गई। समय पर पहुंची फायर ब्रिगेड की गाड़ियों ने आग पर काबू पा लिया। रांची के अल्बर्ट एक्का चौक के पास स्थित राम कृष्ण अपार्टमेंट में उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब अपार्टमेंट की छत पर लगे मोबाइल टावर में अचानक आग लग गई। टावर में आग लगने के कारण आसपास के घरों पर चिंगारियां गिरने लगीं। जिसके बाद हर तरफ अफरा-तफरी मच गई। मामले की सूचना सबसे पहले फायर ब्रिगेड और फिर थाने को दी गई। मौजूद लोगों ने भी अपार्टमेंट की बिजली काटकर आग पर काबू पाना शुरू कर दिया। इसी बीच फायर ब्रिगेड की गाड़ियां मौके पर पहुंच गईं और कुछ ही देर में आग पर काबू पा लिया। कोतवाली थाना प्रभारी रंजीत कुमार सिन्हा ने बताया कि आग पर काबू पा लिया गया है। आग से सिर्फ मोबाइल टावर को नुकसान पहुंचा है। अपार्टमेंट की छत पर लगे टावर में आग लगने के कारण टावर पूरी तरह से काम करना बंद कर दिया है। अपार्टमेंट के केयरटेकर ने मोबाइल नेटवर्क कंपनी को इसकी सूचना दे दी है।

### जेएसएससी-सीजीएल परीक्षा को लेकर रांची में जुटेंगे हजारों अभ्यर्थी

**रांची।** जेएसएससी-सीजीएल के अभ्यर्थी अब आर-पार के मूड में हैं। 14 अक्टूबर को रांची के मोरहाबादी मैदान में हजारों की संख्या में अभ्यर्थी जुटेंगे। वहां वे बापू वाटिका में छात्र अदालत लगाएंगे। बताते चलें कि जेएसएससी-सीजीएल के अभ्यर्थी दो अक्टूबर से बापू वाटिका के समीप अनश्चितकालीन सत्याग्रह चला रहे हैं।

**एक लाख अभ्यर्थियों के पहुंचने का दावा :** छात्र नेता सफी इमाम ने मीडिया को बताया कि 14 अक्टूबर को राज्य के सभी जिलों से लगभग एक लाख अभ्यर्थी मोरहाबादी मैदान पहुंचेंगे। इसके बाद छात्र अदालत लगाई जाएगी। यहीं से परीक्षा को रद करने की रणनीति बनाई जाएगी। सफी इमाम ने कहा है कि इस बार निर्णायक लड़ाई है। सरकार को वार्ता के लिए बाध्य किया जाएगा। दो बार जेएसएससी कार्यालय के समीप आंदोलन हो चुका है। कोई परिणाम नहीं आया। मीडिया से बातचीत के दौरान डॉ कहकशां कमील, चंदन कुमार, अजय कुमार महतो, धर्मेंद्र कुमार सहित अन्य मौजूद थे।

### रांची को गया-लोकमान्य तिलक टर्मिनस स्पेशल ट्रेन की सौगात

**रांची।** भारतीय रेलवे ने रांची को नई ट्रेन की सौगात दी है। रांची के रास्ते गया-लोकमान्य तिलक टर्मिनस स्पेशल ट्रेन का शुभारंभ हो गया है। विजयदशमी के अगले ही दिन रविवार (13 अक्टूबर 2024) को कोडरमा रेलवे स्टेशन से गया-लोकमान्य तिलक टर्मिनस स्पेशल ट्रेन का उद्घाटन किया गया। इस ट्रेन को रांची के विधायक चंद्रेश्वर प्रसाद सिंह (सीपी सिंह) ने राजधानी रांची में रांची स्टेशन पर ठहराव के बाद हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर सहायक वाणिज्य प्रबंधक अंजनी राय, सहायक वाणिज्य प्रबंधक अनिल जेरई एवं अन्य अधिकारी तथा कर्मचारी रांची रेलवे स्टेशन पर मौजूद थे। ट्रेन संख्या 02358 गया-लोकमान्य तिलक टर्मिनस उद्घाटन स्पेशल ट्रेन का रविवार को कोडरमा से उद्घाटन के बाद 16:30 बजे प्रस्थान हुआ।

# राज्यपाल से मिले लोजपा प्रदेश अध्यक्ष बीरेंद्र प्रधान

नवीन मेल संवाददाता

**रांची।** लोक जनशक्ति पार्टी आर के प्रदेश अध्यक्ष बीरेंद्र प्रधान ने पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारियों के साथ राज्यपाल संतोष गंगवार से राजभवन में शिष्टाचार भेंट की। मुलाकात के बाद बीरेंद्र प्रधान ने कहा कि यह औपचारिक भेंट थी, जिसमें राज्य के विकास और रोजगार के मुद्दों पर सकारात्मक चर्चा हुई। उन्होंने राज्यपाल की प्रशंसा करते हुए कहा कि संतोष गंगवार एक अनुभवी नेता हैं, जिन्होंने आठ बार लोकसभा चुनाव जीता है और कई बार केंद्रीय मंत्री के रूप में सेवाएं दी हैं। उनके अनुभव से राज्य को फायदा होगा। इस मौके पर प्रदेश उपाध्यक्ष आदित्य विजय प्रधान, प्रवक्ता उमेश तिवारी और आईटी सेल अध्यक्ष अभिषेक राय भी मौजूद थे।

### झामुमो केंद्रीय समिति की विस्तारित बैठक आज, मुख्यमंत्री होंगे शामिल

नवीन मेल संवाददाता

**रांची।** झारखंड में भारत निर्वाचन आयोग कभी भी चुनाव कार्यक्रम की घोषणा कर सकता है। चुनावी राजनीति की गहमागहमी के बीच राज्य की सबसे बड़ी और सत्ताधारी पार्टी झारखंड मुक्ति मोर्चा ने 14 अक्टूबर को पार्टी केंद्रीय समिति की विस्तारित बैठक बुलाई है। पार्टी से मिली जानकारी के अनुसार बैठक रांची के सोहराय भवन सभागार में सुबह 11.30 बजे शुरू होगी, जिसमें झामुमो के कार्यकारी अध्यक्ष और मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन भी भाग लेंगे। यह भी संभव है कि खराब स्वास्थ्य के कारण पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष शिबू सोरेन बैठक में न आएं और कार्यकारी अध्यक्ष के तौर पर मुख्यमंत्री बैठक की अध्यक्षता करें।

# आपकी विकास पार्टी ने जारी की पांच विस सीटों के उम्मीदवारों की सूची

नवीन मेल संवाददाता

**रांची।** झारखंड में आगामी विधानसभा चुनाव के मद्देनजर, आपकी विकास पार्टी ने आज प्रेस क्लब, रांची में एक महत्वपूर्ण प्रेस वार्ता का आयोजन किया। इस दौरान पार्टी ने पांच विधानसभा सीटों के लिए अपने उम्मीदवारों की सूची जारी की और पार्टी के चुनावी चिह्न 'निब पेन' का अनावरण किया।

प्रेस वार्ता का मुख्य उद्देश्य पार्टी की चुनावी रणनीति को उजागर करना और चुनाव में पार्टी की भागीदारी के प्रति जनता को आश्वस्त करना था। आपकी विकास पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष ने कहा कि उनकी पार्टी राज्य के विकास और प्रगति के लिए पूरी तरह से समर्पित है। पार्टी पदाधिकारियों ने राज्य के विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई और बताया कि उनकी नीतियां शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और बुनियादी ढांचे के सुधार पर केंद्रित होंगी। उन्होंने कहा कि पार्टी ज्वलंत समस्याओं के समाधान के लिए ठोस नीतियों के साथ चुनावी मैदान में उतरेगी।

प्रेस वार्ता के दौरान पार्टी के चुनावी चिह्न निब पेन का आधिकारिक रूप से अनावरण किया गया। यह चिह्न पार्टी की पहचान बनेगा और राज्य के विकास के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को दर्शाएगा। पार्टी के नेताओं ने भरोसा जताया कि जनता इस चिह्न के माध्यम से उनकी पार्टी के विजन को समझेगी और व्यापक समर्थन प्रदान करेगी। यह प्रेस वार्ता झारखंड के राजनीतिक परिदृश्य में विकास पार्टी की सक्रियता का संकेत देती है। अब देखना यह है कि पार्टी अपनी नीतियों और योजनाओं को जनता तक किस हद तक पहुंचा पाती है और चुनावी मुकाबले में किस तरह का प्रदर्शन करती है।

### पांच विस सीटों के उम्मीदवारों की घोषणा

विकास पार्टी ने गांडेय से नौशाद आलम, नाला से जयंतो बनर्जी, डुमरी से रकीब आलम, कोडरमा से कहकशां कमाल, और धनवार से मोहम्मद सगीर को अपना उम्मीदवार बनाया है। इसके अलावा बड़कागांव से मोहम्मद खिताब अनवर की उम्मीदवारी की भी घोषणा की गई है।

# केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री वीर जवानों के साथ विजयदशमी का पर्व मनाया

नवीन मेल संवाददाता

**रांची।** केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने विजयदशमी के अवसर पर शस्त्र की पूजा की विजयदशमी पर केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने रामगढ़ छावनी परिषद पंजाब रेजिमेंटल सेंटर में शस्त्र पूजन की साथ ही जवानों को मिठाई खिलाकर विजयदशमी का त्योहार उनके साथ मनाई । इस अवसर पर रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने कहा पूरे भारतवर्ष को अपने सैनिकों पर गर्व है हमारी सेना ने देश की हर परिस्थिति में शांति स्थापित करने सेवा करने में जो समर्पण दिखाया है वह अद्भुद है। आज यह मेरा सौभाग्य है कि मुझे वीर सैनिकों के साथ विजयदशमी पर्व मनाने का मौका मिला है। आज भारत देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश रक्षा के क्षेत्र में अभूतपूर्व गति और मजबूती प्रदान की है आज हमारी सेना बहुत मजबूत हुई है।

रक्षा के क्षेत्र में भारत दुनिया में मजबूत हुआ है भारत रक्षा के उत्पादन मे काफी आगे बढ़ चुका है हम कई देशों को अपने देश में बने हथियार दूसरे देशों को दे रहे हैं आज भारत रक्षा के क्षेत्र में काफी आगे निकल चुका है । रक्षा के क्षेत्र में आज भारत 70% आत्मनिर्भर हो चुका हैं। रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने छावनी परिषद स्थित गुरुद्वारा भी गए वहां माथा टेका और सभी लोगों को दशहरा की शुभकामनाएं दी।

# भाजपा पूंजीपतियों के इशारे पर चलती है : केशव

नवीन मेल संवाददाता

**रांची।** रांची जिला ग्रामीण कांग्रेस के द्वारा महिलौंग फुटबॉल मैदान में युवा संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष केशव कमलेश महतो व विशिष्ट अतिथि में झारखंड प्रदेश मीडिया विभाग के अध्यक्ष सतीश पौल मुजनी व पूर्व महासचिव मदन मोहन शर्मा, गजेंद्र सिंह जिला अध्यक्ष राकेश किरण महतो,विधायक राजेश कच्छप उपस्थित। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित सभी प्रखंड अध्यक्ष ने अपनी बातें प्रदेश अध्यक्ष के सामने विस्तार पूर्वक रखा और कहां युवा कांग्रेस खिजरी विधानसभा में संगठन मेहनत कर रही है। रांची जिला ग्रामीण कांग्रेस के द्वारा महिलाओं को फुटबॉल मैदान में युवा संवाद कार्यक्रम रखा गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष केशव कुमार महतो ने कहा कि युवा कांग्रेस का हौसला बढ़ाने में कोई कमी ना, प्रदेश अध्यक्ष केशव उन्होंने कहा कि ने कहा हमने हमेशा झारखंडियों की हितों की बात की है,इस चुनावी समर को जीतने के लिए धन कुबेरों की फौज झारखंड में विपक्ष द्वारा उतरा जा रहा है। ऐसे व्यापारियों से सावधान रहने की जरूरत है आज देश में भाजपा की सरकार दो पूंजीपतियों अडानी और अंबानी के इशारे पर चलती है और उनके लिए बीजेपी झारखंड की सत्ता हथियाना चाहती है महागठबंधन की सरकार महिला सम्मान योजना सहित पूर्व से चली आ रही योजनाओं के कारण भाजपा चुनावी मुद्दे नहीं बन पा रही है इससे उनके नेता काफी घबराए हुए है। मौके पर सतीश पौल मुजनी ने कहा युवा कांग्रेस संगठन का रिड होती है और जब जब देश का युवा जी और मोड़ लेता है सरकार वहां उसे पार्टी की बनती है इसलिए आप सभी युवा साथी से कहना चाहता हूं कांग्रेस पार्टी है जो युवा के सम्मान की बात करता है युवा के न्याय की बात करता है हमारे आदरणीय राहुल गांधी ने कन्याकुमारी से कश्मीर तक भारत जोड़ो यात्रा की मणिपुर से महाराष्ट्र तक भारत जोड़ो न्याय यात्रा की हम युवाओं के लिए इसलिए रहम सब को संकल्प लेने की जरूरत है। इस मौके पर विधायक राजेश कच्छप साथ ही साथ जिला अध्यक्ष राकेश किरण महतो एवं सोशल मीडिया के अध्यक्ष गजेंद्र सिंह ने भी सम्बोधन किया। इस संवाद कार्यक्रम में सुरेश कुमार सिंह, विशाल कुमार स्वासी, सुरज पठान, सावन मिंज, हिमांशु कुजुर, शशिकांत कुमार श्याम मुंडा मुख्य रूप से उपस्थित थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता रांची जिला ग्रामीण युवा कांग्रेस के अध्यक्ष अमरनाथ मुंडा और रिशु कुजूर किया कार्यक्रम को संचालन मुन्ना मुंडा ने किया।

### दुमका में जदयू कार्यकर्ता सम्मेलन

# झारखंड में भी शराबबंदी लगेगी रोक : श्रवण कुमार

नवीन मेल संवाददाता

**रांची/दुमका।** जिले के बासुकीनाथ के मोहन माला प्लेस में विधानसभा स्तरीय जदयू कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए बिहार सरकार के ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार ने कहा कि आज भी झारखंड राज्य विकास में पिछड़ा हुआ है। यह आश्चर्य की बात है कि प्रचुर खनिज संपदा होने के बावजूद यह राज्य पिछड़ा हुआ है। उन्होंने कहा कि जिस तरह बिहार में महिलाओं के लिए रोजगार की व्यवस्था की गई, 50% आरक्षण की व्यवस्था की गई, महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाया गया, बेरोजगारों को रोजगार दिया गया। उसी तरह झारखंड में जदयू की सरकार बनी तो झारखंड का पूर्ण विकास किया जाएगा। उन्होंने कहा कि गांवों को शहर जैसा बनाया जाएगा, शराब पर रोक लगाई जाएगी, महिलाओं पर अत्याचार बंद किया जाएगा। जिस तरह बिहार सरकार गरीबों के लिए काम कर रही है, उसी तरह झारखंड में भी गरीबों, किसानों, बेरोजगारों और महिलाओं के लिए विशेष प्रावधानों के तहत काम किया जाएगा।

# शस्त्र पूजन कर भक्तों ने हनुमान चालीसा का किया पाठ

नवीन मेल संवाददाता। रांची

श्रीलक्ष्मी नारायण मंदिर में विजयदशमी के मौके पर शनिवार को शस्त्र पूजन कर भक्तों ने हनुमान चालीसा का पाठ किया। इसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने हिस्सा लिया। विविध धार्मिक और सामाजिक संगठनों के पदाधिकारी और सदस्यों ने भी भागीदारी निभायी। आठ विद्वानों ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच अनुष्ठान संपन्न कराया। इसके बाद वहां मौजूद लोगों के बीच प्रसाद के साथ-साथ शस्त्र भी बांटे गये। मौके पर नृत्य-गीत का भी खास आयोजन किया गया। बच्चों और महिलाओ ने मनमोहक प्रस्तुति दी। श्रीराम भजन प्रस्तुत कर नन्हें-मुन्नों ने जहां मन मोहा, वहीं मातृशक्ति ने शौर्य कौशल्य की अद्भुत प्रस्तुति दी। विश्व शांति के भाव से सामुहिक हनुमान चालीसा पाठ भी किया। मुकेश काबरा ने बताया कि अब से हरेक वर्ष विजयादशमी के दिन खास आयोजन किया जायेगा। पूजन कार्यक्रम में ये लोग रहे मौजूद : शस्त्र पूजन कार्यक्रम में किशन साबू, जुगल किशोर मारू, सीपी सिंह, वासुदेव भल्ला, शिव शंकर साबू, नरेंद्र लखोटिया,राजकुमार मारू, पवन मंत्री, अंकुर डागा, श्याम बियानी, विनय महेश्वरी, हेमंत महेश्वरी, बसंत लखोटिया, अशोक साबू ,चंद्रकांत रायपात, बसंत मित्तल, महावीर प्रसाद सोमानी,भारती चितलांगिया, सुरेशचंद्र अग्रवाल, संजय सर्राफ, गौरव काबरा, कैलाश केसरी, मनोज कल्याणी, दिलीप साबू, अरविंद सोमानी, श्यामसुंदर शर्मा, मनोज चौधरी, रमन वोडा, श्याम पालीवाल, मुकेश काबरा, अशोक मंगल, ओम बोड़ा, विष्णु सेन, अनिल जालान, मनोज काबरा, श्रीराम शर्मा, सौरभ साबू, रमाशंकर बगड़िया, नीरज भट्ट, विजय खोवाल, धीरज बंका, महावीर मंत्री, रमेश चंद्र शर्मा, चंद्रप्रकाश बागला आदि मुख्य रूप से मौजूद थे।

### बांग्ला मंडपों में सिंदूर खेला के साथ विदा हुई मां दुर्गा

**रांची।** दुर्गोत्सव के 10 दिनों तक उत्साह और उल्लास में रमे रहने के बाद आखिरकार विदाई की बेला आ ही गयी। शनिवार को बांग्ला मंडपों में विविध अनुष्ठान हुए। महिलाओं ने सिंदूर खेला। साथ ही भक्तों ने मां तुमि आबार घुरे एशो ङ्क की कामना से मां दुर्गा को विदाई दी। श्रीश्री हरिसभा दुर्गा पूजा समिति, दुर्गा बाड़ी में दिन के नौ बजे पूजा शुरू हुई। मां को पुष्पांजलि अर्पित करने को भक्ति डोर से बंध बड़ी संख्या में श्रद्धालु खींचे चले आए। दिन के दस बजे तो भारी भीड़ एकत्रित हो गयी। सवा दस बजे पुष्पांजलि अर्पित की गयी। भक्तों के श्रीचरणों में पुष्प अर्पित कर मंगल कामनाएं की। दिन के 11:35 बजे मंत्रागिक विसर्जन आदि अनुष्ठान हुए। पुरोहितों संग श्रद्धालु लाइन टैंक तालाब में कलश विसर्जन किया। फिर सिंदूर दान के साथ सिंदूर खेला का खूबसूरत नजारा देखने को मिला। महिलाओ ने एक दूसरे को सिंदूर लगाया। भक्ति में जमककर नाची-झूमी। राज्यसभा सांसद महुआ माजी ने भी इसमें बढ़-चढ़ कर भागीदारी निभायी। मान्यता है कि नौ दिनों तक आराधना के बाद जब विजयादशमी के मौके पर मां विदा होती हैं तो अखंड सौभाग्य का आशीर्वाद सिंदूर रूप में प्रदान करती है।

KASHYAP'S DENTAL CLINIC

Dr. Vaibhav Kashyap

Oral & Dental Surgeon, C.c. Endodontist & Implantologist Certified Orthodontist, MIDA

" Smiles & More"

छात्र-छात्राओं के लिए 50% की छूट

Facilities

- आरसीटी
- पायरिया का ईलाज
- टेढ़े-मेढ़े दाँतों का ईलाज
- स्माईल डिजाइन
- इनविजिवल क्लिप
- दंत रोपण
- फिक्स दाँत लगाना
- अत्याधुनिक मशीन और तकनीक के द्वारा ईलाज

CHAMBER
SKYLINE - 4006, 4th Floor, Kadru, Opp. Dr. Lal's Hospital, Ranchi
Contact No. : 9199533383, 7903835453
Time : 9 am to 2 pm & 4 pm to 8 pm
Sunday : 9 am to 2 pm
E-mail : vaibhav.kashyap2011@gmail.com


# काशी विश्वनाथ मंदिर न्यास बनाने लगा तंदुल महाप्रसाद

आरपी सिंह

**वाराणसी।** तिरुपति प्रसादम में मिलावट वाली खबर के बाद श्री काशी विश्वनाथ मंदिर न्यास ने अपना प्रसाद बनाने का निर्णय किया। जो उन सामग्रियों से बना होना चाहिए जो भगवान शिव को शास्त्रों में उल्लेखित वर्णन के अनुसार प्रिय हैं और उनको अर्पित किए जाते हैं। श्रद्धालुओं द्वारा बहुत समय से इसकी मांग किया जा रहा था। जिसके लिए कुछ काशी व देश के कई जाने-माने विद्वानों ने अलग-अलग शास्त्रों, पुराणों व ग्रंथों का अध्ययन किया और उसमें भगवान शिव को प्रिय, चढ़ाई जाने वाली प्रसाद स्वरूपी वस्तुएं चिन्हित की गईं। जिन ग्रंथों व पुराणों का अध्ययन किया गया ,उनमें शिव महापुराण, शिवर्चना चंद्रिका, वीर मित्रोदयः, लिंग पुराण,स्कन्द पुराण आदि सम्मिलित हैं। इन सबके सार के रूप में तंदुल, अक्षत या चावल का प्रसाद शिव जी को अर्पित करना सर्वोत्तम बताया गया है। इसके आधार पर जो प्रसाद तैयार किया गया है उसे तंदुल महाप्रसाद का नाम दिया गया है। विजयदशमी के शुभ अवसर पर इस विशिष्ट प्रसाद को श्री काशी विश्वनाथ जी की भोग आरती में अर्पित करते हुए श्रद्धालुओं हेतु उपलब्ध करा दिया गया। न्यास द्वारा सभी गुणवत्ता मानकों का अनुपालन सुनिश्चित करते हुए सनातन, शास्त्रीय एवं परंपरागत मान्यताओं का समावेश कर यह विशिष्ट प्रसाद तैयार कराया गया है। इस प्रसाद का विशेष घटक तंदुल या चावल होगा जो शिव को अत्यंत प्रिय है साथ ही इसमें देशी घी का प्रयोग किया जाएगा।

शास्त्रों, पुराणों व ग्रंथों के आधार पर भगवान शिव को प्रिय चढ़ाई जाने वाली वस्तुएं चिह्नित की गईं

## भगवान विश्वेश्वर को अर्पित बेल पत्र का भी होगा उपयोग

इसमें विशेष रूप से उन बेल पत्रों का उपयोग किया जाएगा जो भगवान विश्वेश्वर को अर्पित किए गए होंगे और मंदिर की आध्यात्मिक ऊर्जा से समृद्ध होंगे। बेल पत्र सनातन परंपरा में पवित्र माने जाते हैं और भगवान शिव की पूजा में उनका विशेष महत्व है। इसके प्रत्येक लड्डू में श्री काशी विश्वनाथ को अर्पित बिल्व पत्र का अंश होगा इसलिए प्रत्येक लड्डू श्री काशी विश्वनाथ को अर्पित होने के समतुल्य हो जाता है जो इसकी प्रमुख विशेषता है। बिल्व पत्र प्रसाद के साथ साथ औषधीय रूप में भी प्रसाद ग्रहण करने वालों को लाभ पहुंचाएगा। श्री काशी विश्वनाथ ट्रस्ट द्वारा प्रसाद निर्माण की पूरी प्रक्रिया हेतु गुजरात की एक कंपनी बनास डेयरी से समझौता किया गया है ,जिसमें मंदिर ट्रस्ट द्वारा उपलब्ध करवाई गई रेसिपी का प्रसाद बनास डेयरी वाराणसी द्वारा पिंडरा वाराणसी स्थित फैक्ट्री में निर्मित किया जाएगा। बनास डेयरी वाराणसी में पूर्व से ही मिठाई बनाने की यूनिट व मशीन मौजूद हैं जिसमें लाल पेडा, लौंग लता, रसगुल्ला आदि मिठाई निर्मित की जाती हैं। इसी प्रकार की एक मशीन लाइन तंदूल महा प्रसाद के लिए भी संरक्षित कर दी गई है। बनास डेयरी वाराणसी के द्वारा प्रसाद हेतु सभी सर्टिफिकेशन और एफएसएसएआई के मानकों के अनुसार सर्टिफिकेशन करवा लिए गए हैं तथा इसके सभी टेस्टिंग के मानक पूर्ण करने के उपरांत प्रसाद का निर्माण प्रारंभ किया गया है।

### उत्तर प्रदेश के दुग्ध उत्पादकों के दूध से निर्मित देशी घी से ही बनेगा प्रसाद

प्रसाद निर्माण में जो देशी घी प्रयुक्त होगा वह भी उत्तर प्रदेश के दुग्ध उत्पादकों के द्वारा दिए गए दूध से ही निर्मित होगा। प्रसाद निर्माण की पूरी प्रक्रिया फूड सेफ्टी के उच्चतम मानदंडों के अनुपालन के साथ साथ शास्त्रीय परिवेश में संपन्न की जाय यह भी सुनिश्चित किया जाएगा। इस आशय से न्यास द्वारा फैक्ट्री की 24 गुना 7 सीसीटीवी सर्विलांस की फीड, कर्मियों के सनातनी परंपरा की पृष्ठभूमि, सनातन धर्म में श्रद्धा, शिवजी के दर्शन के पश्चात् ही प्रसाद निर्माण की प्रक्रिया में प्रतिभाग किया जाय इत्यादि का ट्रस्ट व बनास डेयरी के समझौते के नियमों में समावेश किया गया है। इस प्रक्रिया के पालन हेतु उच्चतम हाइजीन के मानकों की मॉनिटरिंग की जाएगी। इसकी निर्माण सामग्री, पोषण, कैलोरी तथा शेल्फ लाइफ आदि जानकारी बाहरी डिब्बे पर दी जाएगी। प्रसिद्ध सहकारी क्षेत्र के उपक्रम, बनास डेयरी की विनिर्माण फैसिलिटी में उत्पादित यह प्रसाद किसानों के सहकारी क्षेत्र के ही मार्केटिंग फेडरेशन अमूल के नेटवर्क के माध्यम से वितरित किया जाएगा ताकि उसकी नकल या मिलावट ना की जा सके। पहले इसका विक्रय केवल श्री काशी विश्वनाथ मंदिर परिसर में स्थित अमूल के विशेष काउंटरों के माध्यम से ही होगा, कुछ माह में इसे वाराणसी के अन्य अमूल आउटलेट पर भी विक्रय हेतु उपलब्ध कराया जाएगा। उत्पादन एवं विपणन हेतु अनुबंधित दोनों ही संस्थान वाराणसी तथा उत्तर प्रदेश में पहले से ही सक्रिय हैं। इन दोनों ही संस्थानों में बड़ी संख्या में उत्तर प्रदेश के और विशेष रूप से काशी के दुग्ध उत्पादक, कृषक एवं व्यवसायी स्टेक होल्डर के रूप में सम्बद्ध हैं। इस प्रकार इस प्रसाद के निर्माण एवं वितरण में जन साझेदारी को भी सम्मिलित किया जाना सुनिश्चित किया गया है। यह साझेदारी प्रसाद की उच्च गुणवत्ता और प्रामाणिकता को और भी सुनिश्चित करेगी। इस प्रकार यह प्रसाद सर्वोत्तम सामग्री और सनातन आचार का पालन करते हुए बनाया जाएगा तथा विस्तृत परीक्षण के पश्चात् ही प्रतिदिन मंदिर में उपलब्ध होगा।

# संघ का फोकस अब कुटुंब प्रबोधन पर

## अगले वर्ष से इसका सघन अभियान चलाया जाएगा

ब्यूरो

**नई दिल्ली।** राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत ने अपनी विजयादशमी स्पीच में चार विषयों का जिक्र किया जिन पर संघ फोकस करेगा। इसमें सामाजिक समरसता, पर्यावरण, नागरिक अनुशासन और स्वदेशी के साथ कुटुंब प्रबोधन शामिल हैं। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पहले से इस पर काम कर रहा है। ये संघ का शताब्दी वर्ष है। अगले वर्ष विजया दशमी को संघ के 100 साल पूरे हो जाएंगे और इसके बाद संघ इन पांच बिंदुओं पर ज्यादा फोकस करेगा जो संघ प्रमुख ने बताए हैं।संघ के अखिल भारतीय सह प्रचार प्रमुख नरेंद्र कुमार का कहना है कि संघ शताब्दी वर्ष पूरा होने के बाद कुटुंब प्रबोधन का काम समाजव्यापी करेंगे। अभी एक साल स्वयंसेवक अपने जीवन में, अपने परिवार व अपने आसपास इन बातों को लेकर जाएंगे। जिसके बाद समाज के बीच लेकर इन्हें जाएंगे। उन्होंने कहा कि ये सिर्फ संघ का विषय नहीं है, ये पूरे समाज का विषय है। समाज में हर कोई चाहता है कि अपना परिवार अच्छा और संस्कारित हो। उन्होंने कहा कि संघ लंबे वक्त से कुटुंब प्रबोधन का काम कर रहा है।

### कुटुंब प्रबोधन है क्या?

2016 में भी संघ ने पूरे वर्ष कुटुंब प्रबोधन के बारे में प्रण किया। इसमें संघ के स्वयंसेवकों ने परिवारों में जाकर हर परिवार सदस्य से एक संकल्प पत्र में हस्ताक्षर करवाए। जिसमें यह लिखा था कि हमारे परिवार के लोग सप्ताह में कम से कम एक दिन एक घंटे एक साथ बैठेंगे, साथ भोजन करेंगे । इस दौरान टीवी व मोबाइल फोन बंद रहेंगे। संघ की तरफ से अभी भी इस पर काम हो रहा है। अलग अलग आयु वर्ग के लोगों के लिए सम्मेलन आयोजित किए गए जिसमें परिवारिक मूल्य की सीख दी जाती है। संघ का मानना है कि फैमिली वैल्यूज घटने की वजह से समाज में कई तरह की दिक्कतें आ रही हैं। तलाक के मामले बढ़ रहे हैं, परिवार के लोग ही एक दूसरे पर केस कर रहे हैं, परिवार के भीतर ही असहिष्णुता बढ़ रही है। हमारा मानना है कि समाज का निर्माण परिवार नाम की इकाई से ही होता है इसलिए कुटुंब प्रबोधन जरूरी है।संघ तीन स्तर पर कुटुंब प्रबोधन का काम कर रहा है। पहला स्तर है परिवार। इसमें स्वयंसेवक अपने परिवार में इसे लागू कर रहे हैं। हफ्ते में कम से कम एक दिन परिवार के साथ बैठकर अपनी संस्कृति, परंपरा और इतिहास पर बात करते हैं। दूसरा स्तर है स्वयंसेवकों के परिवारों की बैठक। इसमें तीन-चार महीने में स्वयंसेवकों के परिवार एकत्र होते हैं, और चर्चा करते हैं। तीसरा स्तर है स्वयंसेवकों के आसपास रहने वाले परिवार। स्वयंसेवक अपने आसपास के परिवारों के बीच इसे लेकर बातचीत करते हैं। संघ के छह अहम गतिविधि हैं जिसके लिए संघ ने अखिल भारतीय स्तर से लेकर जिला स्तर तक अलग टीम भी बनाई हुई है। इसमें सामाजिक समरसता, कुटुंब प्रबोधन, पर्यावरण, ग्राम विकास, गौ सेवा और धर्म जागरण है। संघ का स्थापना दिवस विजया दशमी के दिन मनाया जाता है, और इस दिन दी गई संघ प्रमुख का भाषण संघ के लिए आगे की गाइडलाइन होती है संघ प्रमुख मोहन भागवत ने कानून के मार्फत भी संस्कारों का क्षरण रोकने की बात कही। उन्होंने कहा कि अब बच्चों के हाथ में भी मोबाइल है। वह क्या देख रहे हैं, क्या दिखाया जा रहा है उस पर कोई नियंत्रण नहीं है। घर परिवारों में यह नियंत्रण स्थापित करना और कानून भी बनाना इसकी जरूरत है।

# मोदी ने कांग्रेस को कहा- अर्बन नक्सल खरगे ने कहा- भाजपा आतंकी पार्टी

ब्यूरो

**नई दिल्ली।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा था कि कांग्रेस पार्टी को अर्बन नक्सली चला रहे हैं। उसके जवाब में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने बीजेपी को आतंकी पार्टी कहा। मालूम हो कि महाराष्ट्र की एक रैली में पीएम मोदी ने कहा था कि कांग्रेस का पूरा का पूरा इकोसिस्टम अर्बन नक्सल का पूरा गिरोह है। यह जनता को गुमराह करने में जुटा था लेकिन उसकी सारी साजिशें ध्वस्त हो गईं। उन्होंने दलितों के बीच में झूठ फैलाने की कोशिश की लेकिन दलित समाज ने उनके खतरनाक इरादों को भांप लिया। दलितों को एहसास हो गया कि कांग्रेस उनका रिजर्वेशन छीन कर अपने वोट बैंक को बांटना चाहती है। इसके जवाब में खरगे ने कहा कि नरेंद्र मोदी हमेशा कहते हैं कि कांग्रेस अर्बन नक्सल की पार्टी है। उनकी पार्टी ही टेररिस्ट की पार्टी है। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि वह लोगों को मारते हैं और लिंचिंग करते है। इतना ही नहीं वह एससी कैटेगरी के लोगों के मुंह पर पेशाब करते हैं। आदिवासियों का रेप करते हैं और जो ये लोग करते हैं वह इन लोगों को सपोर्ट भी करते हैं। फिर वह दूसरों को दोष देते हैं और पीएम मोदी को ऐसा कहने का कोई भी अधिकार नहीं है। जहां भी उनकी सरकार है। वहां पर अनुसूचित जाति और जनजाति दोनों पर ही अत्याचार होते हैं। फिर वे अत्याचारों के बारे में बात करते रहते हैं।

# हंस-हंसकर चीन से भी ज्यादा टैरिफ लगाता है भारत : ट्रंप

ब्यूरो

**नई दिल्ली।** अमेरिका में राष्ट्रपति पद के लिए रिपब्लिकन पार्टी के उम्मीदवार पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप चुनाव ने आक्रामक तेवर में कहा कि जब बात जब भी टैरिफ लगाने की होती है, अमेरिका तो काफी उदारवादी रहता है, लेकिन चीन, ब्राजील व भारत जैसे देश लगातार ज्यादा टैक्स वसूलते हैं। कुछ अमेरिकी कहने भी लगे हैं कि कमला हैरिस की बढ़त देख कर ट्रंप बौखला गए हैं। और अपने विरोधियों पर निशाना साध रहे हैं। लेकिन भारत के पीएम और चीन के चीफ तो उनके जिगरी दोस्त हैं। एक तरफ तो वह भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपना अच्छा दोस्त बता रहे हैं, दूसरी तरफ भारत पर आरोप लगा रहे हैं। ट्रंप ने कहा कि बात जब भी टैरिफ लगाने की होती है, अमेरिका तो काफी उदारवादी रहता है, लेकिन चीन, ब्राजील और भारत जैसे देश लगातार ज्यादा टैक्स वसूलते हैं। भारत तो अमेरिका पर सबसे ज्यादा टैक्स लगा रहा है, हमारी कई कंपनियों को चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। ऐसे में मेरी तो पहली प्राथमिकता ही अमेरिका को फिर अमीर बनाना है।ट्रंप ने अपनी बात आगे बढ़ाते हुए बोला कि मैं निजी तौर पर ऐसा मानता हूं कि हमारे भारत के साथ काफी अच्छे रिश्ते हैं। लेकिन भारत चार्ज बहुत ज्यादा करता है, कई मायनों में तो चीन से भी ज्यादा करता है। लेकिन वो हंस-हंस कर ऐसा करते रहते हैं। अब यह कोई पहली बार नहीं है जब ट्रंप ने भारत पर ज्यादा टैक्स लगाने का आरोप लगाया हो।

एजुकेशन/करियर

# आर्कियोलॉजी में बना सकते हैं अपना करियर

*आर्कियोलॉजी में ग्रेजुएट-पोस्ट ग्रेजुएट कई तरह के कोर्स चलाये जाते हैं। जो बारहवीं में इतिहास के स्टूडेंट रहे हैं वे इस कोर्स से ग्रेजुएशन कर सकते हैं। आर्ट्स या साइंस स्ट्रीम से ग्रेजुएशन करे स्टूडेंट्स पोस्ट ग्रेजुएशन कोर्स के लिए योग्य उम्मीदवार माने जाते हैं।*

आर्कियोलॉजी के विशेषज्ञ पुरानी सभ्यता और संस्कृति की खोज करने के साथ वैज्ञानिक दृष्टिकोण से उनका अध्ययन कर यह जानने की कोशिश करते हैं कि पुरानी सभ्यताओं में लोगों का रहन-सहन कैसा था। मानव सभ्य ता का कैसे विकास हुआ और उस समय जीवनयापन के लिए किस तरह की वस्तुयओं का इस्ते माल होता था। इसके अलावा धार्मिक और सामाजिक परिवेश का आकलन भी आर्कियोलॉजिस्ट ही करते हैं। ये विशेषज्ञ कार्बन डेटिंग और समय गणना की मदद से इतिहास के रहस्यों से पर्दा उठाने की कोशिश करते हैं। इस दुनिया में कई लोग ऐसे होते हैं जो प्राचीन सभ्यता और संस्कृति की खोज करने और उसे समझने का भरपूर शौक रखते हैं। ऐसे में आर्कियोलॉजी कोर्स की पढ़ाई इस शौक को करियर बनाने के अवसर देती है। एक आर्कियोलॉजिस्ट बनने के बाद नई रिसर्च को जानने का मौका मिलता है । मास्टर डिग्री में अच्छे नंबर से पास होने के बाद इसमें सरकारी नौकरी के तमाम ऑप्शन मिलते हैं। पुरातत्व विभाग में नौकरी करने के लिए कैंडिडेट को इतिहास या आर्कियोलॉजी या तो फिर एंथ्रोपोलॉजी में मास्टर डिग्री में कम से 55 प्रतिशत नंबर से पास होना चाहिए।जो लोग आर्कियोलॉजिकल में पीएचडी एमफिल या जेआरएफ (जूनियर रिसर्च फेलोशिप) कर चुके हैं उन्हें नौकरी के लिए चयनित किया जाता है।आर्कियोलॉजिकल सर्वे ऑफ़ इंडिया द्वारा संचालित आर्कियोलॉजी कोर्स से पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा कर चुके लोगों को नौकरी में वरीयता मिलती है।

## पुरातत्त्ववेत्ता के प्रकार

- **जैव पुरातत्वविद् :** जैव पुरातत्वविद ऐसे पेशेवर हैं जो पुरातात्विक (archeological) स्थलों पर कंकाल के अवशेषों का अध्ययन करते हैं। इसमें विभिन्न स्पेसिफिकेशन जैसे मानव अवशेषों , प्राचीन रोग और आनुवंशिक से जुड़े अध्ययन शामिल हो सकते हैं।
- **पर्यावरण पुरातत्वविद् :** पर्यावरण पुरातत्वविद् लोगों के एक प्राचीन समूह और उनके प्रकृतिक वातावरण के बीच अंतर्संबंध का अध्ययन करते हैं। वे एक निश्चित समय में मौजूद पौधों, जानवरों और फसलों की जांच करते हैं और इसकी भी जांच करते हैं कि लोगों ने अपने दैनिक जीवन में उनका उपयोग कैसे किया। इनके कार्यों में प्रयोगशाला प्रयोग के साथ-साथ फील्ड स्टडी शामिल हैं।
- **लैंडस्केप पुरातत्वविद् :** लैंडस्केप पुरातत्वविद् विभिन्न लैंडस्केप में होने वाले नेचुरल और आर्टिफीसियल चेंज का अध्ययन करते हैं। वे मानव व्यवहार के साथ निवास और लैंडस्केप के बीच संबंध को समझने का प्रयास करते हैं। वे यह भी व्याख्या करते हैं कि कैसे एक लैंडस्केप चेंज, कल्चरल चेंज ला सकता है।
- **एथनो पुरातत्वविद् :** एथनो पुरातत्वविद् अतीत के बारे में ज्ञान प्राप्त करने के लिए लिविंग कम्युनिटीज की एथनोग्राफी जांच करते हैं। वे क्लू को उजागर करते हैं और एक निश्चित समय में रहने वाले लोगों की आदतें, संस्कृति और रीति-रिवाज में बहुमूल्य अंतर्दृष्टि प्रदान करते हैं।
- **समुद्री पुरातत्वविद् :** समुद्री पुरातत्वविद् मुख्य रूप से अंडर वाटर खंडहर का अध्ययन करते हैं और समुद्री पानी के नीचे शहर, जहाज और पुरातात्विक स्थल की खोज करते हैं। डूबे हुए सबूत खोजने के लिए, इन्हें अपने काम के अंतर्गत गहरे पानी में गोता लगाना होता है। रिसर्च के लिए परिष्कृत पुरातात्विक जैसे टूल्स का उपयोग करते हैं।
- **हवाई पुरातत्वविद् :** हवाई सर्वेक्षण और फोटोग्राफी का उपयोग करके, ये पुरातत्त्ववेत्ता नए खुदाई स्थल को खोजते हैं।
- **विमानन पुरातत्वविद्:** विमानन पुरातत्वविद् एयरक्राफ्ट, परित्यक्त एयरबस, रनवे या विमानन इतिहास से संबंधित ऐतिहासिक अवशेष की खोज और अध्ययन करते हैं। अपने द्वारा एकत्रित की गई जानकारियों द्वारा विमानन पुरातत्वविद् उन पुरानी घटनाओं को समझाने की कोशिश करते हैं जिनके कारण एयरप्लेन क्रैश हुए हैं।
- **वाणिज्यिक पुरातत्वविद् :** वाणिज्यिक पुरातत्वविद् उन वस्तुओं का अध्ययन करते हैं जिनका प्राचीन समूह के लोगों द्वारा व्यापार किया गया था। वे व्यावसायिक गतिविधियों में उपयोग किए जाने वाले ट्रांसपोर्टेशन के विभिन्न रूपों का भी अध्ययन करते हैं। वाणिज्यिक पुरातत्वविद् को प्राचीन व्यापार मार्ग, बंदरगाह, प्राचीन बाजार आदि की खोज भी करते हैं।
- **औद्योगिक पुरातत्वविद् :** औद्योगिक पुरातत्वविद्, इंडस्ट्री से संबंधित आर्टिफैक्ट्स और बाय-प्रोडक्ट के भौतिक अवशेष की खोज करते हैं। वे विभिन्न वस्तुओं के निर्माण के लिए उपयोग किए जाने वाले टूल्स और रॉ मेटेरियल के प्रकार को भी डिकोड करते हैं।

- आर्कियोलॉजी कोर्स
- सर्टिफिकेट कोर्स इन एपिग्राफी
- एडवांस डिप्लोमा इन एपिग्राफी
- डिप्लोमा इन आर्किटेक्चर
- सर्टिफिकेट इन आर्कियोलॉजी
- सर्टिफिकेट कोर्स इन आर्किटेक्चर एवं स्कल्पचर
- बीए इन कल्चर एंड आर्कियोलॉजी
- प्राचीन इतिहास और आर्कियोलॉजी में बीए
- इतिहास और आर्कियोलॉजी में एमए
- आर्कियोलॉजी में पीजी डिप्लोमा

### आर्कियोलोजिस्ट के लिए चयन प्रक्रिया...

आर्कियोलॉजिस्ट बनना चाहते हैं तो बता दें की परीक्षा प्रक्रिया के बाद ही कैंडिडेट का चयन होता है। उम्मीदवार का चयन लिखित और इंटरव्यू के आधार पर किया जाता है।

- कॉलेज
- बनारस हिंदू यूनिवर्सिटी
- पंजाब यूनिवर्सिटी
- सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय
- कर्नाटक यूनिवर्सिटी
- मुंबई यूनिवर्सिटी
- कोलकाता यूनिवर्सिटी
- शिवाजी यूनिवर्सिटी